प्रकाशन क्र. ......

शासकीय उपयोग हेतु

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का आधारभूत सर्वेक्षण प्रतिवेदन

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
अटल नगर नवा रायपुर (छ.ग.)

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का आधारभूत सर्वेक्षण प्रतिवेदन

निर्देशन : शम्मी आबिदी (IAS)
प्रस्तुतिकरणः ईश्वर साहू

अनुक्रमणिका

क्र.	अध्याय	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	अध्याय – 1	प्रस्तावना	4–9
2.	अध्याय – 2	जनजातीय परिचय	10–16
3.	अध्याय – 3	सामाजिक जनांकिकीय	17–71
4.	अध्याय – 4	शैक्षणिक स्थिति	72–81
5.	अध्याय – 5	सामाजिक–आर्थिक स्थिति	82–120
6.	अध्याय – 6	स्वास्थ्य स्थिति	121–124
7.	अध्याय – 7	योजनाओं से लाभान्वयन	125–132
8.	अध्याय – 8	सारांश एवं निष्कर्ष	133–138

अध्याय –1

प्रस्तावना :–

मानव संस्कृति की आदि अवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाली मानव समाज को आदिवासी या जनजाति कहा जाता है। मानवविज्ञानी, समाजशास्त्री एवं इतिहासकारों ने इन्हें प्रागैतिहासिक कालीन सभ्यता एवं ग्रामीण सभ्यता के बीच की कड़ी माना है। प्रसिद्ध मानवशास्त्री बेरियर एल्विन द्वारा इन्हें आदिम जाति के नाम से संबोधित करते हुए लिखा गया है कि ''आदिवासी भारतवर्ष की वास्तविक स्वदेशी उपज है।'' कई विद्यवानों ने इन्हें वन्यजाति, जनजाति, वनवासी, गिरीजन आदि विभिन्न नामों से उल्लेखित किया है।

भारत की स्वतंत्रता पश्चात भारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत ऐसे समुदायों को उनके विशिष्ट जनजातीय लक्षणों के आधार पर चिन्हित करते हुए सूचीबद्ध किया गया। सूची में शामिल जनजातियों को अनुसूचित जनजाति कहा गया एवं सर्वप्रथम 06.09.1950 को अनुसूचित जनजाति की सूची जारी की गई। संविधान में भारत के राष्ट्रपति को किसी समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में अधिसूचित करने का अधिकार दिया गया है। संवैधानिक प्रावधानों के तहत भारत सरकार एवं समस्त राज्य सरकार इन अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए विभिन्न विकासमूलक योजनाएं संचालित कर उन्हे विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रही है साथ ही इन्हें शोषण से बचाकर इनके हितों की सुरक्षा भी कर रही है।

भारत की जनगणना 2011 के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत जनसंख्या अनुसूचित जनजातियों का है। इसी प्रकार उक्त जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य की कुल जनसंख्या का 30.60 प्रतिशत जनसंख्या अनुसूचित जनजाति की है। भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य हेतु जारी अनुसूचित जनजाति की सूची में 42 जनजातीय समुदाय एवं उनके उपसमूहों को अनुसचित जनजाति के रूप में अधिसूचित किया गया है।

विशेष पिछड़ी जनजातियां :–

भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों के लिए चलाए जा रहे विकासमूलक योजनाओं की समीक्षा उपरांत पाया गया कि इन योजनाओं का लाभ सभी अनुसूचित जनजातियों को एक समान प्राप्त नहीं हो रही है। योजनाओं से लाभान्वित जनजाति विकासशील एवं अर्द्धविकसीत जनजाति की श्रेणी में आ गये किन्तु कुछ जनजाति विकास की दृष्टि से अत्यंत पिछड़े हुये थे। वर्ष 1973 में ढेबर कमीशन द्वारा पृथक्कृत, निम्न साक्षरता दर, कम होती जनसंख्या या स्थिर जनसंख्या, प्राक् कृषि तकनीक एवं आर्थिक पिछड़ापन जैसे मापदंडो के आधार पर सर्वाधिक कम विकसीत जनजाति समूहों को ''आदिम जनजाति समूह'' के नाम से पृथक से सूचीबद्ध किया गया। वर्ष 1975 में सर्वप्रथम 52 जनजातिय समूह को एवं वर्ष 1993 में 23 जनजातिय समूह अर्थात कुल 75 समूह को आदिम जनजाति समूह के रूप में अधिसूचित करते हुए अनुसूचित जनजातियों के लिए चलायी जा रही विकासोन्मुखी योजनाओं के अलावा इन समूहों के लिए पृथक से योजनाएं संचालित किये जाने का प्रावधान किया गया है।

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2006 में आदिम जनजाति समूह ''Primitive Tribal Groups (PTGs)'' के स्थान पर Primitive Vulnarable Tribal Groups (PVTGs) नाम को मान्यता प्रदान की गयी है।

देश के विभिन्न राज्य हेतु भारत सरकार द्वारा घोषित PVTGs की सूची निम्नांकित है :–

क्र.	राज्य	संख्या	**PVTGs का नाम**
1.	आंध्रप्रदेश	12	बोडो गदबा, बोंडो पोरजा, चेंचू, डोंगारिया खोंड्स, गुटोव गदबा, खोंड पोरजा, कोलम, कोंडा रेड्डीज, कोंडा संवरा, कुटिया कोंध, परांगी परजा, थोटी
2.	बिहार (झारखंड सहित)	09	असुर, बिरहोर, बिरजिया, हिल खरिया, कोरवा, माल पहारिया, पहारियास, सौरिया पहारिया, सवर

3.	गुजरात	05	काथोड़ी, कोटवालिया, पढ़ार, सिद्दी, कोलधा
4.	कर्नाटक	02	जेनु कुरूबा, कोरगा
5.	केरल	05	चोला नायकान (कट्टूनायकन का एक वर्ग) कादर, कट्टूनायकन, कुरूम्बा कोरगा
6.	मध्यप्रदेश (छत्तीसगढ़ सहित) विभाजित मध्यप्रदेश* छत्तीसगढ**	07	सहरिया*, भारिया*, बैगा*/**, हिल कोरवा**, कमार**, अबुझमाड़िया**, बिरहोर**
7.	महाराष्ट्र	03	काटकरी (काथोड़िया), कोलम, मारिया गोंड
8.	मणिपुर	01	मरम नागा
9.	उड़ीसा	13	बिरहोर, बोन्डो, डीडायी, डोंगरिया खोंद, जुआंग, खरिया, कुटिया कोंध, लांजा सौरा, लोधा, मांकड़िया, पौड़ी, भुंइया, सौरा, चुकटिया भुंजिया
10.	राजस्थान	01	सहरिया
11.	तमिलनाडु	06	कट्टू नाइकन, कोटा, कुरूम्बा, ईरूला, पनियान टोडा
12.	त्रिपुरा	01	रेंगस
13.	उत्तर प्रदेश	02	बुक्सा, राजी
14.	पश्चिम बंगाल	03	बिरहोर, लोधा, टोटो
15.	अंडमान एवं निकोबार आइलैंड	05	ग्रेट अंडमानीस, जारवा, ओंगे, सेंटेनेलिस, शाम्पेन्स

उपरोक्तानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में 05 विशेष पिछड़ी जनजाति (PVTGs) निवासरत है जिसके नाम एवं निवासरत जिले का नाम निम्नांकित है :—

क्र.	(PVTGs) का नाम	निवासरत जिला का नाम
1.	अबूझमाड़िया	नारायणपुर
2.	बैगा	कोरिया, कबीरधाम, बिलासपुर, मुंगेली, राजनांदगांव
3.	बिरहोर	बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, जशपुर
4.	कमार	गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, कांकेर,
5.	पहाड़ी कोरवा	कोरबा, जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर

भारत सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास हेतु राज्य सरकारो को विशेष अभिकरण गठित करने का सुझाव दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के लिए घोषित 05 विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए निम्नानुसार अभिकरण एवं प्रकोष्ठ का गठन किया गया है :—

क्र.	(PVTGs) का नाम	अभिकरण/प्रकोष्ठ का नाम
1.	अबूझमाड़िया	1. विशेष पिछड़ी जनजाति अबूझमाड़िया विकास अभिकरण नारायणपुर
2.	बैगा	1. विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा विकास अभिकरण कबीरधाम 2. विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा विकास अभिकरण बिलासपुर 3. विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा प्रकोष्ठ कोरिया 4. विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा प्रकोष्ठ राजनांदगांव 5. विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा प्रकोष्ठ मुंगेली
3.	बिरहोर	1. विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर विकास अभिकरण

		जशपुर 2. विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर प्रकोष्ठ धरमजयगढ़ जिला रायगढ़
4.	कमार	1. विशेष पिछड़ी जनजाति कमार विकास अभिकरण गरियाबंद 2. विशेष पिछड़ी जनजाति कमार प्रकोष्ठ, नगरी जिला धमतरी 3. विशेष पिछड़ी जनजाति कमार प्रकोष्ठ महासमुंद 4. विशेष पिछड़ी जनजाति कमार प्रकोष्ठ भानुप्रतापपुर जिला कांकेर
5.	पहाड़ी कोरवा	1. विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा विकास अभिकरण अंबिकापुर जिला सरगुजा 2. विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा विकास अभिकरण जशपुर 3. विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा विकास प्रकोष्ठ कोरबा। 4. विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा प्रकोष्ठ बलरामपुर।

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर द्वारा वर्ष 2015–16 की वार्षिक कार्ययोजना प्रस्ताव में राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों के आधारभूत सर्वेक्षण प्रस्तावित किया गया। भारत सरकार जनजाति कार्य मंत्रालय के शत्–प्रतिशत वित्तिय अनुदान से उक्त कार्य संपादित किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन प्रतिवेदन छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजाति ''पहाड़ी कोरवा'' के आधारभूत सर्वेक्षण पर आधारित है –

अध्ययन प्रविधियां :–

आधारभूत सर्वेक्षण राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों के समस्त परिवारों का किया जाना था अतः पहाड़ी कोरवा जनजाति के अध्ययन हेतु ''जनगणना पद्धति'' अर्थात शत–प्रतिशत परिवारों को सर्वेक्षण में शामिल किया गया।

आकड़ो/तथ्यों के एकत्रीकरण में प्राथमिक तथ्य संकलन हेतु पूर्व में भारत सरकार से प्राप्त अनुसूची के माध्यम से प्रत्यक्ष चर्चा कर जानकारी प्राप्त की गई।

द्वितीयक तथ्य संकलन पूर्व सर्वेक्षण ग्रामवार सूची, जनगणना प्रतिवेदन, पूर्व प्रकाशित पुस्तक, प्रतिवेदन आदि का सहयोग लिया गया।

प्राप्त आकड़ो की कम्प्यूटर एंट्री पश्चात प्राप्त आकड़ो/निष्कर्षो के साथ सारणीयन का कार्य कर व्याख्या करते हुए प्रतिवेदन लेखन का कार्य किया गया।

अध्ययन का उद्देश्य :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के आधारभूत सर्वेक्षण का उद्देश्य निम्नांकित है :–

1. पहाड़ी कोरवा जनजाति की जनांकिकीय स्थिति का अध्ययन करना।
2. पहाड़ी कोरवा जनजाति की सामाजिक अर्थिक स्थिति ज्ञात करना।
3. पहाड़ी कोरवा जनजाति में शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन करना।
4. पहाड़ी कोरवा जनजाति में विकासीय योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन का महत्व :–

उक्त आधारभूत सर्वेक्षण से प्राप्त जिलावार, विकासखंडवार एवं ग्रामवार परिवारों की संख्या, जनसंख्या, आवास प्रकार, आय–व्यय के स्त्रोत एवं आर्थिक स्थिति, शैक्षणिक स्थिति आदि के प्राप्त निष्कर्षो से इन समुदायों के लिए संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं भविष्य की योजना निर्माण में यह अध्ययन सहायक होगा।

अध्याय 2

जनजातीय परिचय :–

भारत सरकार द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत जारी छत्तीसगढ़ राज्य हेतु अनुसूचित जनजाति की सूची में 42 जनजातीय समुदायों एवं उसकी उपजातियों को अधिसूचित किया गया है। जिसमें से अनुक्रमांक 27 पर शामिल पहाड़ी कोरवा अनुसूचित जनजाति को भारत सरकार द्वारा विशिष्ट मापदण्डों के आधार पर विशेष पिछड़ी जनजाति घोषित किया गया है।

वर्तमान परिवेश में भी आदिम अवस्था में जीवन व्यतीत करने वाली पहाड़ी कोरवा जनजाति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का पुनरावलोकन निम्नांकित बिन्दुओं में दर्शित है, हॉलाकि शासन द्वारा संचालित विभिन्न प्रयास मूलक योजनाओं का प्रभाव भी परिलक्षित होता है, किन्तु जनजातीय समुदाय अभी भी सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से मौलिक है।

सामान्य वर्गीकरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति भौगोलिक वर्गीकरण के आाधार पर छत्तीसगढ़ उत्तरीय आदिवासी क्षेत्र की जनजाति है, जो बलरामपुर, जशपुर, कोरबा एवं सरगुजा जिले में निवासरत है।

जनसंख्या दृष्टिकोण से पहाड़ी कोरवा छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण विशेष पिछड़ी जनजाति है। भाषायी आधार पर पहाड़ी कोरवा अनुसूचित जनजाति आस्ट्रिक भाषा परिवार की कोलारियन व मुण्डारी बोली बोलती है।

उत्पत्ति :–

पहाड़ी कोरवा जनजाति की उत्पत्ति के संबंध में कोई ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, किन्तु कालोनिल डाल्टन ने इन्हें कोलारियन समूह के निकली जाति माना है,

किवदंतियों के आधार पर अपनी उत्पत्ति राम–सीता से मानते है। वनवास काल में राम–सीता व लक्षमण धान के एक खेत के पास से गुजर रहे थे। वहां पशु–पक्षियों से फसल की सुरक्षा हेतु बनाये गये मानव आकार का पुतला जिसके हाथ में धनुषबाण था, उसे देख कर सीता जी ने कौतुहलवश राम जी से उस पुतले को जीवन प्रदान करने को कहा तब राम जी ने उस पुतले में जीवन डाल कर उसे मनुष्य बना दिया जिसे कोरवा जनजाति के लोग अपना पूर्वज मानते है। इसके दो पुत्र हुये एक पुत्र पहाड़ में जाकर जंगलों को काटकर दहिया खेती करने लगा जो पहाड़ी कोरवा कहलाया एवं दूसरा पुत्र जंगल को साफ कर हल के द्वारा स्थाई कृषि करने लगा जो डिहारी कोरवा कहलाया।

भौतिक संस्कृति :–

मानव द्वारा अपनी जीवन संचालन अथवा निर्वाह हेतु भौतिक संसाधनों से निर्मित की गई वस्तुओं का संग्रह ही भौतिक संस्कृति (Material culture) कहलाता है। पहाड़ी कोरवा जनजाति सामान्यतः मिट्टी, व लकड़ी से बने घरों में रहते है जिस पर घास–पूस के छप्पर होता है एवं फर्श मिट्टी का बना होता है। इनमें प्रायः 1–2 कमरे होते है, घर के फर्स को दो या चार दिन में एक बार मिट्टी या गोबर से लीपते है। घरेलू वस्तुओं में भोजन बनाने का कुछ मिट्टी व एल्यूमिनियम के बर्तन, तीर–धनुष, कुल्हाड़ी, बांस के टोकरी, चटाई, सूपा आदि दिखाई देते है। पुरूष कमर के नीचे लंगोटी या पंछा पहनते है। शरीर का उपरी भाग खुला रहता है, कुछ लोग बंडी भी पहनने लगे है। स्त्रियां लुगरा पहनती है, श्रृंगार आभूषणों में गले में हसली व चदवामाल, कान में कनफुल, गुना, कमर में घुनषी, पैर में गोटा (पायल) व तोड़ा प्रमुख है।

कृषि उपकरण में नांगर, गैटी (गैती), कुदाली, हसियां, साबर, छौंवा (टोकरा), कुल्हाडी प्रमुख है। शिकार उपकरणों में गुलेल, धनुष–बाण, मत्स्याखेट उपकरणों में चोरिया (कोमनी), गरी, बीसरा आदि प्रमुख है।

संगीत उपकरणों में मांदर ही इनका प्रमुख वाद्य यंत्र है, इसके साथ ही साथ झांझ, बांसूरी आदि वाद्य यंत्र विभिन्न धार्मिक उत्सवों, त्यौहारों यथा करमा, परधनी, फगुआ एवं विवाह आदि अवसरों पर बजायें जाते है।

जन्म संस्कार :–

पहाड़ी कोरवा लोगों में बच्चे का जन्म होना अच्छा मानते है। इसे अपने पूर्वज/पूरखों और देवताओं की कृपा मानते है। यह भी मानते है कि पूर्वज पुनः अपने कुल में जन्म लेते है।

शिशु के जन्म के समय ये गर्भवती की सेवा के लिए अपने ही परिवार के किसी जानकार महिला को बुलाते है जो दाई (कुसराईन) का कार्य करती है। जन्म देने वाली महिला को घर में अलग कमरों में कुछ दिनों के लिए रखा जाता है। यह अवधि लगभग छः दिन या 12 दिन या 1 महीना तक होती है। जन्म के छः दिन में ''छठी'' एवं या 12 दिन में ''बरही'' नामक कार्यक्रम करते है। छठी के दिन शराब व भोज समाज के लोगों को देते हे। इसी अवसर पर नामकरण की प्रक्रिया समाज एवं घर के बड़े सदस्यों द्वारा किया जाता है। इसी दिन से शिशु की मॉ अब पूर्ण रूप से शुद्ध मान ली जाती है।

इनमें बालक और बालिका के जन्म को समान रूप से महत्व दिया जाता है।

विवाह संस्कार :–

विवाह का प्रस्ताव वर पक्ष की ओर से रखा जाता है। विवाह के लिए दोनों पक्षों की सहमति होने पर वर के पिता द्वारा वधु के पिता को समाज द्वारा तय अनाज, दाल, तेल, गुड़ एवं राशि दिया जाता हैं साथ ही चावल का बना शराब भी दिया जाता है और दोनो पक्षो के लोगों को एक सामजिक भोज कराया जाता है। प्रायः इसी दिन विवाह के लिए समय भी निश्चित कर लेते है। इनमें विवाह का रस्म वधु के घर में स्वजाति बुजुर्ग एवं मुखिया सदस्य द्वारा पूरा कराया जाता है, जिसे ''बैगा'' कहते है। इनमें ममेरे–फुफेरे विवाह को प्राथमिकता

दिया जाता है, इसके अलावा सहपलायन, घुसपैठ या पैठू, घरजिया (लमसेना या सेवा), विधवा पुनर्विवाह आदि भी अधिमान्य होते है। विवाह विच्छेद करने वाले से हर्जाना लिया जाता है।

मृत्यु संस्कार :—

पहाड़ी कोरवा जनजाति में शव को दफनाया जाता है। मृतक द्वारा उपयोग किये गये बर्तन, आभूषण भी दफनाये गये स्थान पर रख दिया जाता है। 10 दिनों तक शोक मनाते है और 10वें दिन स्नान कर पूर्वज देव एवं अन्य देवी—देवताओं की पूजा कर समाज के लोगों को सामाजिक भोज कराया जाता है। प्रायः जिस झोपड़ी में मृत्यु हुई थी उसे छोड़कर नई झोपड़ी में रहने लगते है।

सामाजिक संरचना :—

कोरवा जनजाति मुख्यतः दो उपसमूहों में बटी हुई है। एक समूह जो शिकार, वनोपज संग्रह तथा दाहिया खेती करते थे, शिकार तथा वनोपज की खोज में एक पहाड़ से दूसरे पहाड़ घुमंतु जीवन व्यतीत करते थे उन्हें पहाडी कोरवा कहा जाता है। दूसरा समूह जो अपेक्षाकृत कुछ विकसित होकर स्थायी कृषि करने लगे तथा ग्रामों में स्थायी घर बनाकर रहने लगे ''डिह'' (गांव) में स्थायी रूप से रहने के कारण इन्हें डिहारी कोरवा कहा जाता है। पहाड़ी कोरवा जनजाति में अनेक गोत्र पाये जाते है। हसदवार, एदेगवार, मुढ़ियार, समरवार आदि इनके प्रमुख गोत्र है। इनके गोत्र टोटेमिक होते है अर्थात् पशु—पक्षी, जीव—जंतु एवं पेड़—पौधों के नाम पर आधारित होते है।

आर्थिक जीवन :—

पहाड़ी कोरवा की अर्थव्यवस्था वनों पर आधारित है इनके द्वारा मुख्य रूप से महुआ, तेन्दुपत्ता, साल पत्ता व बीज, कोसा, जडी—बूटी, चार, चिरौंजी, शहद, लाख, हर्रा, बहड़ा आदि इकट्ठा कर बेचा जाता है। इसके अलावा जंगली कंदमूल एवं भाजी का संकलन कर उपभोग करते है। महुआ का उपयोग शराब बनाने व बेचने के लिए किया जाता है।

इनके द्वारा परम्परागत रूप से धान मक्का, कोदो, उड़द आदि उपलब्ध कृषिभूमि में उगाया जाता है। वर्तमान में शासन द्वार उपलब्ध करयी गयी मजदूरी का कार्य भी करने लगे है।

वर्षा ऋतु एवं अन्य ऋतु में छोटे–छोटे नदी–नाले से मछली, केकड़ा, घोंघा पकड़ कर खाते है। इनके द्वारा मुर्गी एवं बकरी का पालन किया जाता है।

धार्मिक जीवन :–

पहाड़ी कोरवा जनजाति मुख्य रूप से स्थानीय देवी–देवताओं एवं अपने पूर्वज देवों की पूजा करते है। पूजा के अवसर पर मुर्गे अथवा बकरे की पुजई देकर चालव का शराब चढ़ाते है। ठाकुर देव, खुडियारानी, शीतला माता, शिकरीया, अन्धरिया, दूल्हादेव इनके प्रमुख देवी–देवता है उक्त के अलावा, नाग, वाद्य, वृक्ष, पहाड़, सूरज, चांद, धरती माता नदी आदि की भी पूजा करते है। बीज बोनी, हरेली, नवाखानी, नावास, छेरता, दलफोरी, दशहरा, करमा, दिवाली, फागुन (होली) सिगिर महादेव आदि प्रमुख त्यौहार है। ये भूत–प्रेत, जादू, टोना में भी विश्वास करते है।

राजनैतिक संगठन :–

पहाड़ी कोरवा जनजाति में परम्परागत जाति पंचायत व्यवस्था पायी जाती है। प्रत्येक ग्राम स्तर पर ग्राम स्तरीय जाति पंचायत एवं आसपास के गांवों को मिलाकर एक बड़ा पंचायत होता है जिसे वर्तमान में परगना पंचायत भी कहते है। ग्राम स्तर पर ''मुखिया'' एवं ''कोटवार'' का पद होता है। जिसे आपसी सहमति से मनोनित कर लिया जाता है। इनका मुख्य कार्य सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखते हुए विभिन्न जीवन संस्कार यथा जन्म, मृत्यु एवं विवाह, धार्मिक कर्मकाण्ड आदि की व्यवस्था एवं सहभागिता बनाये रखना है। सामाजिक नियमों के उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को हर्जाना अथवा सामाजिक भोज देने, अथवा समाज से बहिष्कार जैसे दंड दिया जाता है। उक्त के अलावा अंतर्जाजीय विवाह या विवाह विच्छेद जैसे मामलों का निराकरण भी किया जाता है। विवाद की स्थिति या में किसी मामले का निराकरण ग्राम स्तर पर नहीं हो पाने की स्थिति में बड़े पंचायत (परगना पंचायत) में मामले

की सुनवाई की जाती है। बड़े पंचायत का मुखिया जिसे वर्तमान में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव आदि कहा जाता है, इनका चुनाव सभी स्वजाति सदस्य मिलकर करते है।

लोक परंपराएं :—

इनका मुख्य वाद्ययंत्र मांदर है जिसके थाप पर विभिन्न त्यौहरो एवं धार्मिक कार्यो में महिला पुरूष मिलकर गीत गाते हुए नृत्य करते है। सिंगिर महादेव नामक त्यौहार के दिन लकड़ी का खंभा गाड़ कर उसके उपर मयूर पंख बांध देते है एवं उसके नीचे तीर धनुष बांध देते है। खंभे के चारो ओर घूम—घूम कर मांदर बजाते हुए रातभर नाचते है।

इसी प्रकार करमा नामक त्यौहार पर पहले दिन तेल, सिंदूर, शराब, सफेद अक्षत करमिहा देव में चढ़ाकर करम वृक्ष का डाल काट कर लाते है। उसे गांव के बीच आंगन या चबुतरे के पास गाड़ कर मांदर बजाते हुए एवं गीत गाते हुए रातभर नाचते है।

उक्त के अलावा ''बिहाव'' (विवाह) के अवसर पर अनेक लोकगीत गाये जाते है एवं नृत्य किये जाते हैं।

शैक्षणिक स्थिति :—

वर्ष 2014—15 में कराये गये प्रस्तुत सर्वेक्षण में पहाड़ी कोरवा जनजाति में 33.53 प्रतिशत साक्षरता दर है जिसमें पुरूष साक्षरता 36.10 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता 30.90 प्रतिशत है।

परिवार संख्या/जनसंख्या :—

प्रस्तुत सर्वेक्षण अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 11235 पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार निवासरत है जिनकी कुल जनसंख्या 43981 है जिसमें पुरूष जनसंख्या 22169 (90.41 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 21812 (49.59 प्रतिशत) है।

लिंगानुपात :—

प्रस्तुत सर्वेक्षण अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में पुरूष—महिला लिंगानुपात 984 है।

परिवर्तन :—

शासकीय विकास कार्यक्रम, शिक्षण, यातायात, संचार व बाह्य संपर्क के कारण इनमें परिवर्तन आ रहा है। कुछ पहाड़ी कोरवा परिवार स्थायी रहकर कृषि कार्य करने लगे है। रहन—सहन, खान—पान, वस्त्र विन्यास में भी परिवर्तन आ रहा है।

समस्याएं :—

इनकी प्रमुख समस्या आर्थिक है। वर्षा ऋतु में अभावग्रस्त जीवन जीते है। कुछ अनाज व कंद मूल खाकर भूख मिटाना पड़ता है। शिक्षण की कमी, अंधविश्वास, कुपोषण, अस्वच्छता, बीमारी आदि उनकी प्रमुख समस्याएं है।

अध्याय 3

सामाजिक जनांकिकीय :–

1. जिलावार परिवार संकेन्द्रण

छत्तीसगढ़ राज्य की पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का सामाजिक–जनांकिकीय वितरण की दृष्टि से जिलेवार परिवार संकेन्द्रण निम्नानुसार है :–

क्र.	जिले का नाम	पहाड़ी कोरवा परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	बलरामपुर	3791	33.74
2.	जशपुर	4143	36.68
3.	कोरबा	642	5.71
4.	सरगुजा	2659	23.67
	योग	**11235**	**100.00**

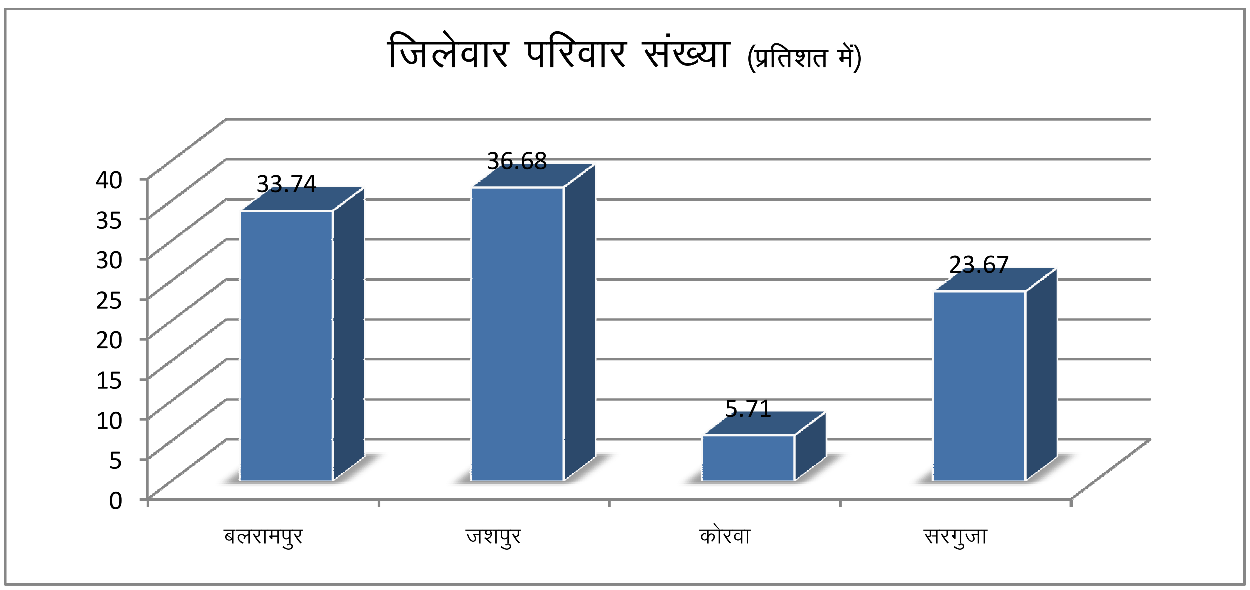

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 04 जिलो में निवासरत है। जिनके नाम क्रमशः बलरामपुर, जशपुर, कोरबा एवं सरगुजा है। उक्त चार जिलों में पहाड़ी कोरवा जनजाति के 11235 परिवार निवासरत है। जिनका जिलेवार परिवार संकेन्द्रण सर्वाधिक जशपुर जिले में 36.68 प्रतिशत एवं सबसे कम कोरबा जिले में 5.71 प्रतिशत है।

2. विकासखंडवार परिवार संकेन्द्रण

छत्तीसगढ़ राज्य के पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति निवासरत जिलों के विकासखंडों में पहाड़ी कोरवा परिवारों के संकेन्द्रण निम्न तालिका में दर्शित है :–

क्र.	जिले का नाम	विकासखंड	पहाड़ी कोरवा परिवार	
			संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5
1.	बलरामपुर	बलरामपुर	164	1.46
2.		कुसमी	751	6.68
3.		राजपुर	1529	13.61
4.		शंकरगढ़	1347	11.99
		योग (A)	**3791**	**33.74**
5.	जशपुर	बगीचा	3896	34.68
6.		कुनकुरी	9	0.08
7.		मनोरा	238	2.12
		योग (B)	**4143**	**36.88**
8.	कोरबा	कोरबा	609	5.42
9.		पोड़ी उपरोड़ा	33	0.29
		योग (C)	**642**	**5.71**
10.	सरगुजा	अंबिकापुर	298	2.65

11.		बतौली	409	3.64
12.		लखनपुर	185	1.65
13.		लुण्ड्रा	1053	9.37
14.		मैनपाट	354	3.15
15.		सीतापुर	190	1.69
16.		उदयपुर	170	1.52
		योग (D)	**2659**	**23.67**
		महायोग (A+B+C+D)	**11235**	**100.00**

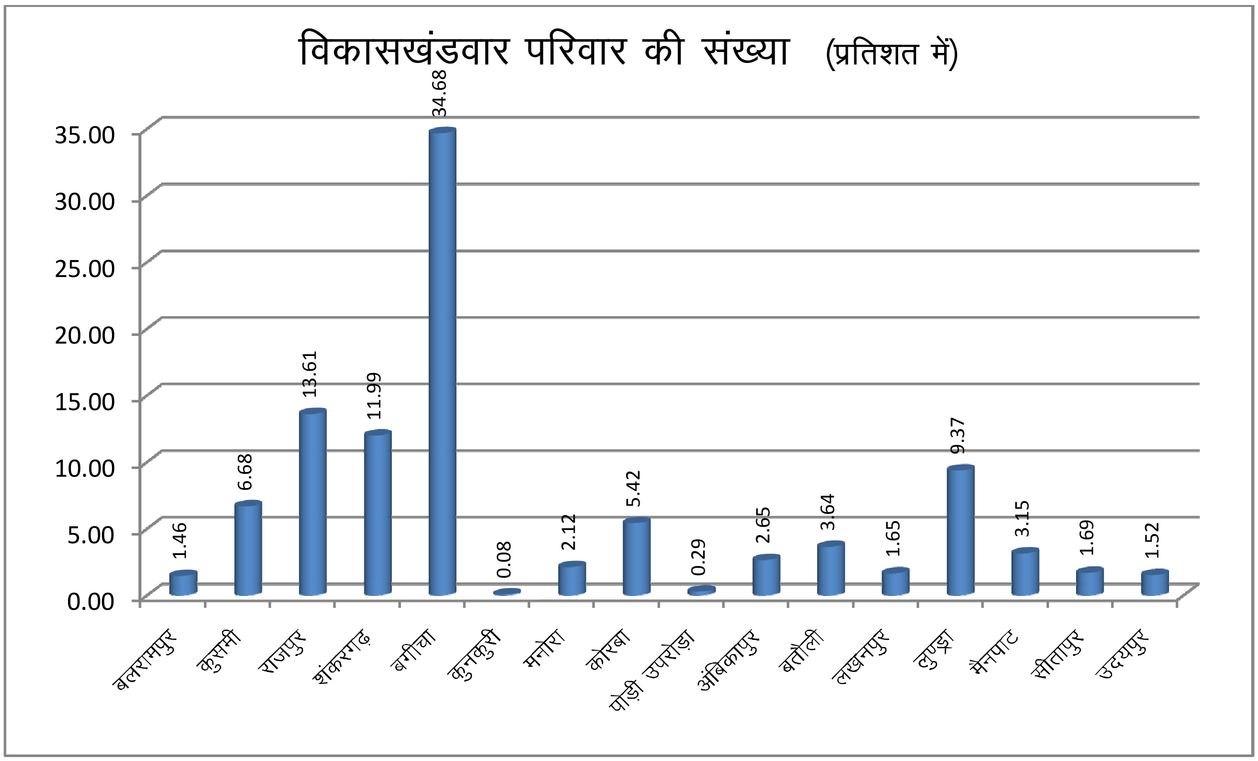

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों का सर्वाधिक संकेन्द्रण छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिले में है एवं इसी प्रकार विकासखंडवार परिवार संकेन्द्रण में भी जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड में सर्वाधिक 34.68 प्रतिशत है जो किसी अन्य जिले में कुल संकेन्द्रण से भी ज्यादा है। विकासखंडवार परिवार

संकेन्द्रण में न्यूनतम जशपुर जिला के कुनकुरी विकासखंड में दर्ज किया गया है जिसका प्रतिशत मात्र 0.08 है।

3. ग्रामवार परिवार संकेन्द्रण

छत्तीसगढ़ राज्य के पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति निवासित राज्य के बलरामपुर, जशपुर, कोरबा एवं सरगुजा जिले के 16 विकासखंडों के निम्नांकित ग्रामों में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवार निवासरत है :—

क्र.	जिले का नाम	विकासखंड का नाम	ग्राम का नाम	पहाड़ी कोरवा परिवार	
				संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
1.	बलरामपुर	बलरामपुर	1. अटौरी	9	0.08
			2. परस्ता	13	0.12
			3.गोविन्दपुर	18	0.16
			4. सरगांव	23	0.20
			5. चिल्मा	59	0.53
			6. पास्ता	16	0.14
			7. कन्डा	10	0.09
			8. सीतारामपुर	9	0.08
			9. खचवाभदर	7	0.06
			योग	**164**	1.46
		कुसमी	1. बसलेपी	19	0.17
			2. बैरडीहकला	32	0.28
			3. शाहपुर	16	0.14
			4. मगजी	44	0.39
			5. सोनबरसा	38	0.34

			6. गौतमपुर	13	0.12
			7. इदरीकला	19	0.17
			8. करडीह	60	0.53
			9. चटनियां	29	0.26
			10. सामरीपाठ	85	0.76
			11. चुनचुना	41	0.36
			12. चरहु	29	0.26
			13. सबाण	63	0.56
			14. बैरडीहखुर्द	5	0.04
			15. चैनपुर	58	0.52
			16. अमरपुर	21	0.19
			17. जवाहर नगर	3	0.03
			18. कोरन्धा	1	0.01
			19. हंसपुर	9	0.08
			20. धनेशपुर	67	0.59
			21. पड़िया	16	0.14
			22. सोनपुर	11	0.10
			23. जावाखाड़	36	0.32
			24. सूपढ़ापा	36	0.32
			योग	**751**	6.68
		राजपुर	1. करवा	17	0.15
			2. मुरका	6	0.05
			3. अलखड़िया	65	0.58
			4. उफिया	23	0.20
			5. कौड़ू	3	0.03

			6. जिगड़ी	1	0.01
			7. बाड़ीचलगली	33	0.29
			8. बासेन	5	0.04
			9. माकड़	30	0.27
			10. कर्रा	11	0.11
			11. झिंगो	2	0.02
			12. डांडखडुवा	9	0.08
			13. पहाडखडुवा	18	0.16
			14. कोटागहना	36	0.32
			15. घोरघड़ी	24	0.21
			16. बैढ़ी	13	0.12
			18. लाऊ	129	1.15
			19. सेवारी	147	1.31
			20. पेण्डारी	17	0.15
			21. करजी	47	0.42
			22. चंद्रगढ़	25	0.22
			23. डिगनगर	44	0.39
			24. खुर्मशी	14	0.12
			25. पतरापरा	83	0.74
			26. अमदरी	10	0.09
			27. चौरा	4	0.04
			28. नरसिंहपुर	41	0.36
			29. जमुनिया	8	0.07
			30. अखोराखुर्द	37	0.33
			31. सिधमा	20	0.18

			32. चांची	68	0.61
			33. डलवा	4	0.04
			34. बधिमा	6	0.05
			35. बाटीडांड	70	0.62
			36. कफना	18	0.16
			37. बरियों	15	0.13
			38. बादा	36	0.32
			39. भिलाईखुर्द	30	0.27
			40. भेस्की	40	0.36
			41. मदनेश्वरपुर	15	0.13
			42. अमडीपारा	25	0.22
			43. आरा	19	0.17
			44. घटगांव	261	2.32
			योग	**1529**	**13.61**
		शंकरगढ़	1. पटना	10	0.09
			2. जगिमा	50	0.45
			3. भैरोपुर	14	0.12
			4. डीपाडीहखुर्द	9	0.08
			5. हरगवां	22	0.20
			6. नवापारा	22	0.20
			7. इंद्राकोना	7	0.06
			8. पहरी	9	0.08
			9. सिलपिली	41	0.36
			10. कमारी	5	0.04
			11. सरगंवां	3	0.03

			12. दामोदरपुर	34	0.30
			13. मनकेपी	10	0.09
			14. सरिमा	6	0.05
			15. भोदना	84	0.75
			16. देवसराखुर्द	23	0.20
			17. परेवां	22	0.20
			18. पोड़ीखुर्द	23	0.20
			19. विनायकपुर	95	0.85
			20. मनोहरपुर	31	0.28
			21. अमेरा	27	0.24
			22. लड्डुवा	67	0.60
			23. बेलकोना	68	0.61
			24. पेण्डारडीह	15	0.13
			25. बांसडीह	1	0.01
			26. आमगांव	14	0.12
			27. खरकोना	32	0.28
			28. जशवंतपुर	21	0.19
			29. चिरई	19	0.17
			30. दुर्गापुर	18	0.16
			31. जम्होर	14	0.12
			32. भुनेश्वरपुर	27	0.24
			33. पोड़ीकला	10	0..09
			34. सरईडीह	4	0.04
			35. गमहारडीह	17	0.15
			36. जरहाडीह	28	0.25

			37. आसनपानी	3	0.03
			38. समुद्री	13	0.12
			39. जोगापाट	137	1.22
			40. करासी	12	0.11
			41. भरतपुर	12	0.11
			42. कोठली	49	0.44
			43. बनखेता	33	0.29
			44. बरपानी	34	0.30
			45. रकैया	61	0.54
			46. घसनी	25	0.22
			45. रजुवाढ़ेढ़ी	43	0.38
			47. धारनगर	23	0.20
			योग	**1347**	**11.99**
			महायोग	**3791**	**33.74**
2.	जशपुर	बगीचा	1. कुरकुरिया	44	0.39
			2. दनगरी	102	0.91
			3. महनई	274	2.44
			4. सुलेसा	157	1.40
			5. बुरजुडीह	17	0.15
			6. हुकराकोना	15	0.13
			7. खखरा	70	0.62
			8. नन्हेसर	12	0.11
			9. चांपा	9	0.08
			10. कुरवां	27	0.24
			11. मरंगी	23	0.20

			12. छिछली–A	38	0.34
			13. डुमरकोना	24	0.21
			14. चेपराकोना	6	0.05
			15. कन्दरई	28	0.25
			16. सन्ना	70	0.62
			18. गुम्हारकोना	30	0.27
			19. हर्राडीया	55	0.49
			20. कोदोपारा	35	0.31
			21. बहोरा	8	0.07
			22. सोनमूठ	1	0.01
			23. पण्ड्रापाट	197	1.75
			24. भड़िया	120	1.07
			25. मुढ़ी	39	0.35
			26. सरधापाठ	133	1.18
			27. देवडांड	183	1.63
			28. गायबुड़ा	106	0.94
			29. सारूढ़ाप	52	0.46
			30. सोनगेरसा	16	0.14
			31. सुकमा	8	0.07
			32. छिछली–2 (R)	41	0.36
			33. महादेव जोबला	67	0.60
			34. रौनी	67	0.60
			35. रोकड़ा	96	0.85
			36. कायारिया	315	2.80
			37. कोपा	33	0.29

			38. लोढ़ेना	24	0.21
			39. महुवा	52	0.46
			40. लरंगा	60	0.53
			41. कलिया	32	0.28
			42. साहीडांड	39	0.35
			43. बछरांव	88	0.78
			44. बुटंगा	5	0.04
			45. बेतरा	25	0.22
			46. कुरमा	47	0.42
			47. ओड़का	17	0.15
			48. पत्ताकेला	15	0.13
			49. रेंगले	4	0.04
			50. बगडोल	31	0.28
			51. बिमडा	12	0.11
			52. मैनी	4	0.04
			53. सामरबार	142	1.26
			54. सरडीह	16	0.14
			55. पेटा	10	0.09
			56. खन्ताडांड	19	0.17
			57. झगरपुर	10	0.09
			58. झिक्की	12	0.11
			59. पसिया	7	0.06
			60. पंडरीपानी	25	0.22
			61. भितघरा	4	0.04
			62. सुतरी	9	0.08

			63. कुहापानी	32	0.28
			64. कुदमुरा	14	0.12
			65. सरबकोंबो	23	0.20
			66. ढोढरअम्बा	74	0.66
			67. समदुरा	15	0.13
			68. गुघरी	23	0.20
			69. घोघर	17	0.15
			70. मधुपुर	67	0.60
			71. डुमरपानी	43	0.38
			72. रंगपुर	38	0.34
			73. कुरहाटिपना	53	0.47
			74. राजपुर	71	0.63
			75. सलखाडाड	45	0.40
			76. कुरूमकेला	37	0.33
			77. रतबा	34	0.30
			78. मुसगुटरी	5	0.04
			79. बगीचा	13	0.12
			80. डुमरटोली	27	0.24
			81. भट्ठीकोना	30	0.27
			82. लोटा	8	0.07
			योग	**3896**	**34.68**
		कुनकुरी	1. ढ़ोढ़ी बहरा	9	0.08
			योग	**9**	0.08
		मनोरा	1. गीधा	52	0.46
			2. सरडीह	23	0.20

			3. करादारी	49	0.44
			4. सरईटोली	1	0.01
			5. रेमने	23	0.20
			6. गुतकिया	20	0.18
			7. करदना	6	0.05
			8. छुतौरी	19	0.17
			9. पटीया	8	0.07
			10. ओरकेला	2	0.02
			11. करणपुर	1	0.01
			12. हर्रापाठ	34	0.30
			योग	**238**	**2.12**
			महायोग (कुल ग्राम –94)	**4143**	**36.88**
3.	कोरबा	कोरबा	1. अजगरबहार	16	0.14
			2. गढ़कटरा	23	0.20
			3. नरबदा	6	0.05
			4. माखुरपानी	23	0.20
			5. सतरेंगा	31	0.28
			6. कदमझरिया	30	0.27
			7. देवपहरी	52	0.46
			8. कनसरा	39	0.35
			9. अरेतरा	59	0.53
			10. केउबहार	10	0.09
			11. रपता	30	0.27
			12. नकिया	21	0.19

			13. सुर्वे	46	0.41
			14. डोकरमना	32	0.28
			15. बेला	3	0.03
			16. गइनिया	17	0.15
			17. भटगांव	10	0.09
			18. पतरापाली	28	0.25
			19. डुमरडीह	17	0.15
			20. अमलीडीहा	21	0.19
			21. सिमकेंदा	57	0.51
			22. गेरांव	3	0.03
			23. दरगा	35	0.31
			योग	**609**	**5.42**
		पोड़ी उपरोड़ा	1. तानाखार	4	0.04
			2. बरतराई	4	0.04
			3. लालपुर	20	0.18
			4. कोनकोना	5	0.04
			योग	**33**	**0.29**
			महायोग (कुल ग्राम–27)	**642**	**5.71**
4.	सरगुजा	अंबिकापुर	1. घघरीआसडांड	25	0.22
			2. भिट्टीखुर्द	13	0.12
			3. भकुरा	6	0.05
			4. रामनगर	76	0.68
			5. श्रीगढ़	9	0.08
			6. कांतिप्रकाशपुर	29	0.26

			ठीरींकोना		
			7. मानिकप्रकाशपुर	30	0.27
			8. खाला	34	0.30
			9. मोहनपुर	12	0.11
			10. पम्पापुर गारजभवना	47	0.42
			11. बड़ा दमाली	17	0.15
			योग	**298**	**2.65**
		बतौली	1. साल्याडीह	8	0.07
			2. बांसाझाल	46	0.41
			3. टीरंग	25	0.22
			3. मानपुर	7	0.06
			4. घोघरा	12	0.11
			5. सरमना	13	0.12
			6. नयाबांध	10	0.09
			7. बैजनाथपुर	19	0.17
			8. नकना	18	0.16
			9. गोविन्दपुर	95	0.85
			10. चिपरकाया	28	0.25
			11. सुअरपारा	11	0.10
			12. गहिला	9	0.08
			13. करदना	43	0.38
			14. चिरंगा	42	0.37
			15. भटको	23	0.20
			योग	**409**	**3.64**

		लखनपुर	1. लब्जी	36	0.32
			2. लोसगी	27	0.24
			3. लोसंगा	11	0.11
			4. रेम्हला	27	0.24
			5. बेलदगी	14	0.12
			6. तुनगुरी	13	0.12
			7. अलगा	50	0.45
			8. सोयदा	7	0.06
			योग	**185**	**1.65**
		लुण्ड्रा	1. कर्रा	74	0.66
			2. जमोनी	34	0.30
			3. जुनाकुदर	34	0.30
			4. चंगोरी	35	0.31
			5. चंद्रेश्वरपुर	9	0.08
			6. डभकी	1	0.01
			7. जोरी	44	0.39
			8. बिल्हमा	40	0.36
			9. आसनडीह	46	0.41
			10. रघुपुर	43	0.38
			11. छुरमुण्डा	20	0.18
			12. देवरी	9	0.08
			13. कोईलारी	2	0.02
			14. कछार	4	0.04
			15. चितरपुर	36	0.32
			16. भेड़िया	55	0.49

			17. सपड़ा	20	0.18
			18. उरदरा	5	0.04
			19. कोरंधा	24	0.21
			20. किरकिमा	24	0.21
			21. चलगली	7	0.06
			22. गुजरवार	32	0.28
			23. नागम बांसपारा	31	0.28
			24. पसेना	15	0.13
			25. रीरी	13	0.12
			26. अगासी	5	0.04
			27. घघरी	5	0.04
			28. सहनपुर	13	0.12
			29. करौली	4	0.04
			30. सखौली	7	0.06
			31. करगीडीह–1	9	0.08
			32. कुन्दीकला	4	0.04
			33. सेमरडीह	12	0.11
			34. केपी	7	0.06
			35. जमड़ी	19	0.17
			36. डकई	10	0.09
			37. बांसा	9	0.08
			38. गंझाडांड	35	0.31
			39. लालमाटी	80	0.71
			40. दर्रीडीह	3	0.03
			41. बटवाही	3	0.03

			42. सुमेरपुर	1	0.01
			43. उंचडीह	9	0.08
			44. पुरकेला	5	0.04
			45. असकला	7	0.06
			46. लमगांव	3	0.03
			47. सिलसिला	3	0.03
			48. उदारी	8	0.07
			49. जरहाडीह	3	0.03
			50. चिरगा	22	0.20
			51. बरडीह	8	0.07
			52. आमगांव	3	0.03
			53. डहौली	1	0.01
			54. ससौली	29	0.26
			55. दोरना	1	0.01
			56. पतराडीह	4	0.04
			57. महोरा	13	0.12
			58. कुदर	8	0.07
			59. खराकोना	9	0.08
			60. गेरसा	10	0.09
			61. जराकेला	22	0.20
			62. रांईखुर्द	2	0.02
			योग	**1053**	**9.37**
		मैनपाट	1. करम्हा	5	0.04
			2. सुपलगा	14	0.12
			3. कदनई	10	0.09

			4. परपटिया	6	0.05
			5. बरिमा	1	0.01
			6. सपनादर	3	0.03
			7. मालतीपुर	44	0.39
			8. असकरा	56	0.50
			9. कुनिया	26	0.23
			10. कोट	31	0.28
			11. बंदना	9	0.08
			12. उड़ुमकेला	47	0.42
			13. रजखेता	26	0.23
			14. कतकालो	21	0.19
			15. पिड़िया	44	0.39
			16. पेंट (चोरकीपानी)	11	0.10
			योग	**354**	**3.15**
		सीतापुर	1. जामझरिया	24	0.21
			2. बंशीपुर	23	0.20
			3. सूर	23	0.20
			4. देवगढ़	33	0.29
			5. रजपुरी	19	0.17
			6. बगडोली	14	0.12
			7. गेरसा	24	0.21
			8. पेटला	25	0.22
			9. ढोढागांव	5	0.04
			योग	**190**	**1.69**
		उदयपुर	1. बकोई	14	0.12

			2. केसमा	35	0.31
			3. भकुरमा	45	0.40
			4. मरेया	22	0.20
			5. सितकालो	54	0.48
योग				**170**	**1.52**
महायोग (कुल ग्राम–127)				**2659**	**23.67**
कुल ग्राम–327				**11235**	**100.00**

4. <u>परिवार प्रकार</u>

परिवार प्रकार एक परिवार अंतर्गत निवास करने वाले वैवाहिक जोडों (रक्त संबंधी अथवा विवाह संबंधी नातेदारी सहित) के आधार पर केन्द्रीय या मूल परिवार, संयुक्त एवं विस्तृत परिवार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसे परिवार जिसमें एक विवाहित जोड़ा एवं उनकी संताने निवासरत है, उसे केन्द्रीय या मूल परिवार कहा जाता है। ऐसे परिवार जिसमें रक्त संबंधी नातेदारी के एक से अधिक विवाहित जोड़ा एवं उनकी संताने निवासरत रहते है। उसे संयुक्त परिवार कहा जाता है, एवं एसे परिवार जिसमें रक्त संबंधी एवं विवाह संबंधी नातेदारी के वैवाहिक जोड़े एवं उनकी संताने एक साथ निवासरत होते है उसे विस्तृत परिवार कहा जाता है।

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में परिवार प्रकार की स्थिति निम्न तालिका अनुसार है–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	केन्द्रीय या मूल परिवार	6584	58.60
2.	संयुक्त परिवार	4375	38.94
3.	विस्तृत परिवार	276	2.46
	योग	**11235**	**100.00**

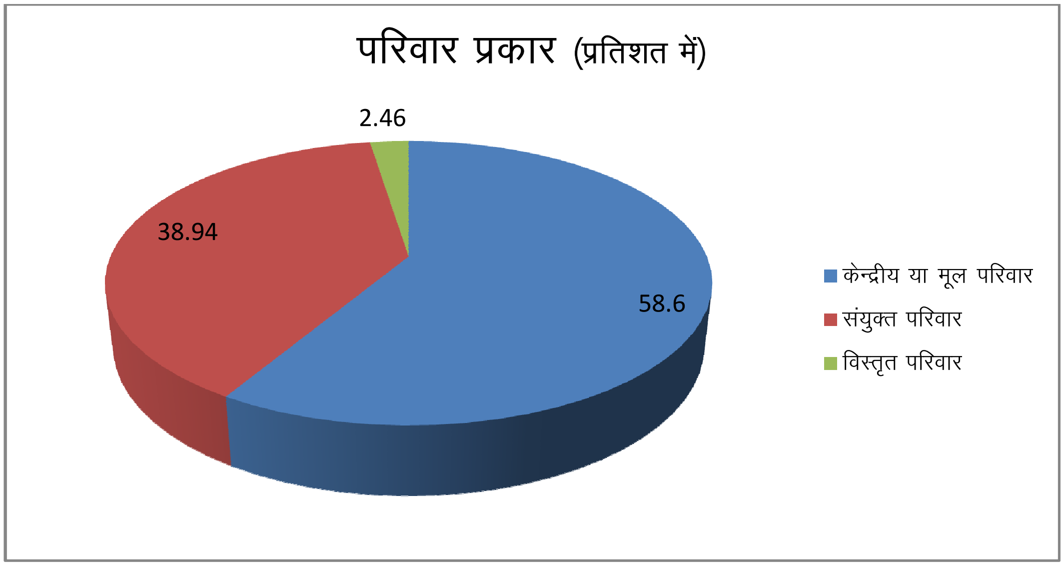

उपरोक्त तालिका अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत 11235 पहाड़ी कोरवा परिवारों में सर्वाधिक 58.60 प्रतिशत (6584) केन्द्रीय या मूल परिवार है। इसी प्रकार 38.94 प्रतिशत (4375) संयुक्त परिवार एवं 2.46 प्रतिशत (276) विस्तृत परिवारों की संख्या है।

5. जनसंख्या

छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर, जशपुर, कोरबा एवं सरगुजा जिले के कुल 16 विकासखंडों में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल जनसंख्या निम्नानुसार है :–

क्र.	जनसंख्या					
	पुरूष		महिला		योग	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	4	5	6	7	8	9
1.	22169	50.41	21812	49.59	43981	100.00

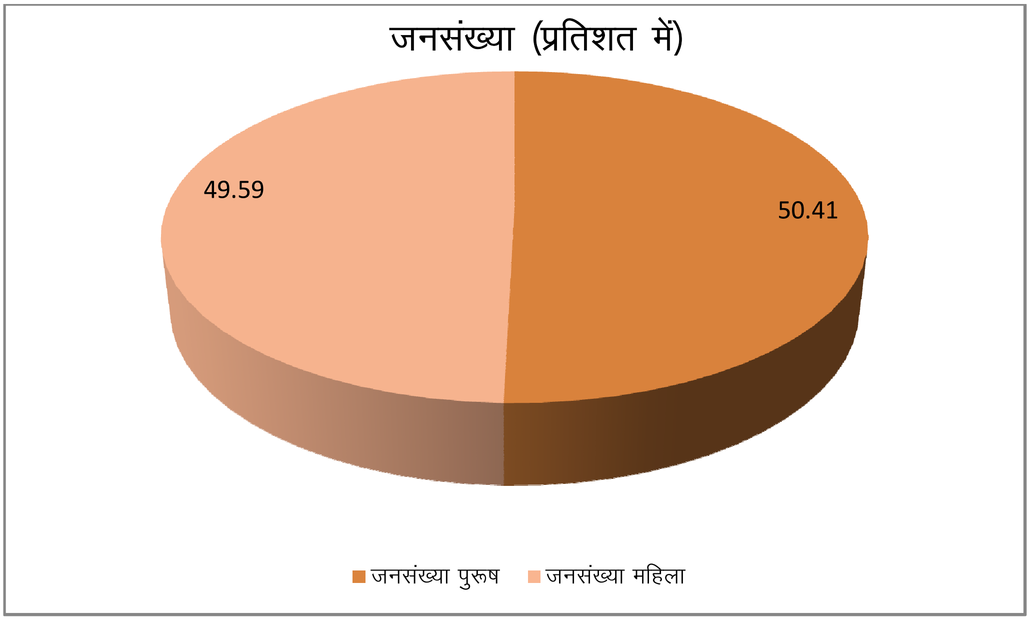

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के कुल 11235 परिवारों की कुल जनसंख्या 43981 है, जिसमें पुरूष जनसंख्या 22169 (50.41 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 21812 (49.59 प्रतिशत) है। पुरूष जनसंख्या महिला जनसंख्या से 0.82 प्रतिशत अधिक है।

6. जिलेवार जनसंख्या

क्र.	जिला	परिवार संख्या	जनसंख्या					
			पुरूष		महिला		योग	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	बलरामपुर	3791	7890	50.47	7743	49.53	15633	100.00
2.	जशपुर	4143	7675	50.31	7581	49.69	15256	100.00
3.	कोरबा	642	1212	49.05	1259	50.95	2471	100.00
4.	सरगुजा	2659	5392	50.77	5229	49.23	10621	100.00
योग		11235	22169	50.41	21812	49.59	43981	100.00

जिलेवार जनसंख्या

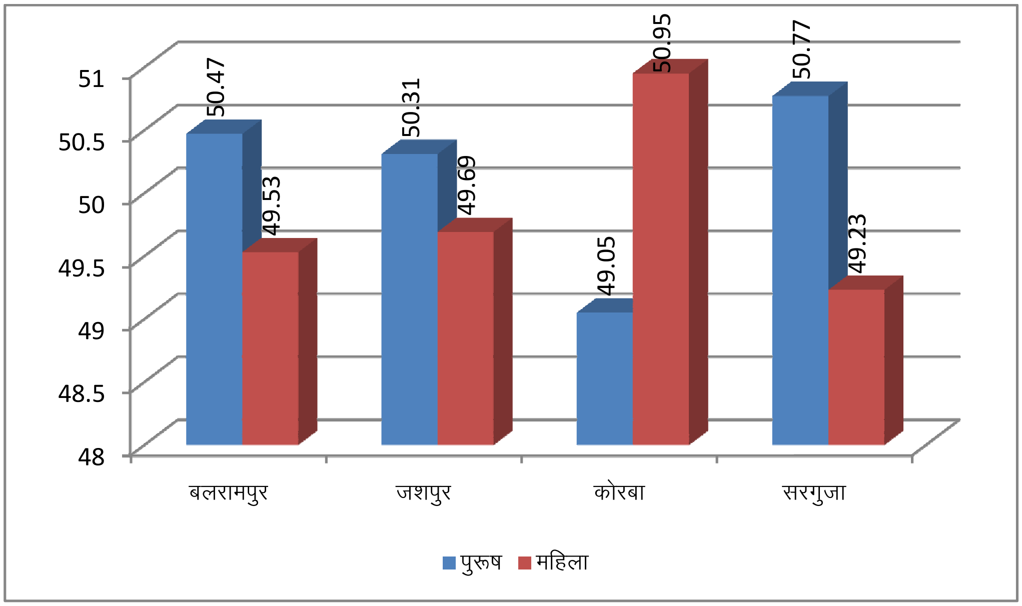

उपरोक्त तालिका अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिला में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के 3791 परिवार निवासरत है जिनकी कुल जनसंख्या 15633 है। जिसमें पुरूष जनसंख्या 7890 (50.47 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 7743 (49.53 प्रतिशत) है।

इसी प्रकार जशपुर जिला में 4143 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है जिनकी कुल जनसंख्या 15256 है। जिसमें पुरूष जनसंख्या 7675 (50.31 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 7581 (49.69 प्रतिशत) है।

कोरबा जिला में कुल 642 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है जिनकी कुल जनसंख्या 2471 है। यहां पुरूष जनसंख्या 1212 (49.05 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 1259 (50.95 प्रतिशत) है।

सरगुजा जिला में कुल 2659 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है। जिनकी कुल जनसंख्या 10621 है। जहां पुरूष जनसंख्या 5392 (50.77 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 5229 (49.23 प्रतिशत) है।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि केवल कोरबा जिला में महिलाओं की जनसंख्या पुरूष से अधिक (1.9 प्रतिशत) है। शेश सभी जिलो में पहाड़ी कोरवा महिलाओं की जनसंख्या पुरूष जनसंख्या से कम है।

7. जिलेवार जनसंख्या संकेन्द्रण

छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों का जिलेवार जनसंख्यात्मक संकेन्द्रण निम्न तालिका में दर्शित है :—

क्र.	जिला	परिवार संख्या	जनसंख्या					
			पुरूष		महिला		योग	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	बलरामपुर	3791	7890	35.59	7743	35.50	15633	35.54
2.	जशपुर	4143	7675	34.62	7581	34.76	15256	34.69
3.	कोरबा	642	1212	5.47	1259	5.77	2471	5.62
4.	सरगुजा	2659	5392	24.32	5229	23.97	10621	24.15
	योग	11235	22169	100.00	21812	100.00	43981	100.00

जिलेवार जनसंख्या (प्रतिशत में)

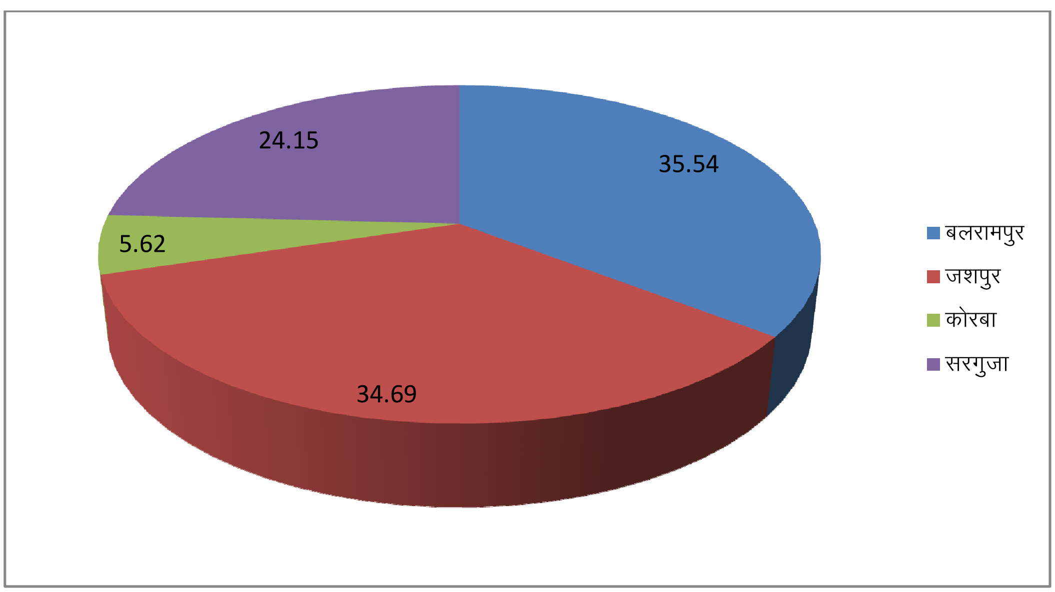

उपरोक्त तालिका अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल जनसंख्या 43981 है जिसमें 22169 पुरूष एवं 21812 महिलाओं की जनसंख्या है। इनकी सर्वाधिक 35.54 प्रतिशत जनसंख्या बलरामपुर जिले में निवासरत है जहां कुल जनसंख्या 15633 है। जिसमें पुरूष जनसंख्या 7890 है जो कुल पुरूष जनसंख्या का 35.59 प्रतिशत है एवं इसी प्रकार महिला जनसंख्या 7743 है जो कुल महिला जनसंख्या का 35.50 प्रतिशत है।

जशपुर जिले में कुल पहाड़ी कोरवा जनसंख्या का 34.69 प्रतिशत निवासरत है। यह द्वितीय सर्वाधिक जनसंख्या है। इस जिले में 15256 पहाड़ी कोरवा जनजाति निवासरत है जिसमें पुरूष जनसंख्या 7675 (34.62 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 7581 (34.76 प्रतिशत) है।

पहाड़ी कोरवा जनजाति जनसंख्यात्मक दृष्टि से 24.15 प्रतिशत, कुल जनसंख्या 10621 सरगुजा जिले में निवासरत है जिसमें पुरूष जनसंख्या 5392 (24.32 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 5229 (23.97 प्रतिशत) है।

पहाड़ी कोरवा जनजाति का सबसे कम जनसंख्या संकेन्द्रण कोरबा जिले में अंकित हुआ है जहां इनकी जनसंख्या मात्र 5.62 प्रतिशत है एवं कुल जनसंख्या 2471 है। जिसमें पुरूष 1212 (5.47 प्रतिशत) एवं महिला जनसंख्या 1259 (5.77 प्रतिशत) शामिल है।

उक्त तालिका से स्पष्ट है कि पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्य संकेन्द्रण उत्तर छत्तीसगढ़ के चार जिला क्रमशः बलरामपुर, जशपुर, कोरबा एवं सरगुजा जिले में है। उक्त चारों जिलो को मिलाकर पहाड़ी कोरवा जनजाति का एक निश्चित निवास क्षेत्र निर्मित होता है जो किसी भी जनजाति के मुख्य लक्षणों में से एक है।

8. विकासखंडवार जनसंख्या संकेन्द्रण

छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का विकासखंडवार जनसंख्या संकेन्द्रण निम्नानुसार है :–

क्र.	जिला	विकासखंड	परिवार संख्या	जनसंख्या					
				पुरूष		महिला		योग	
				संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	बलरामपुर	बलरामपुर	164	351	1.58	347	1.59	698	1.59
2.		कुसुमी	751	1681	7.58	1629	7.47	3310	7.53
3.		राजपुर	1529	2972	13.41	2931	13.44	5903	13.42
4.		शंकरगढ़	1347	2886	13.02	2836	13.00	5722	13.01
		योग (A)	**3791**	**7890**	35.59	7743	35.50	15633	35.54
5.	जशपुर	बगीचा	3896	7165	32.32	7042	32.28	14207	32.30
6.		कुनकुरी	9	16	0.07	16	0.07	32	0.07
7.		मनोरा	238	494	2.23	523	2.40	1017	2.31
		योग (B)	**4143**	**7675**	**34.62**	**7581**	**34.76**	**15256**	**34.69**
8.	कोरबा	कोरबा	609	1145	5.16	1200	5.50	2345	5.33
9.		पोड़ी–उपरोड़ा	33	67	0.30	59	0.27	126	0.29
		योग (C)	**642**	**1212**	**5.47**	**1259**	**5.77**	**2471**	**5.62**
10.	सरगुजा	अंबिकापुर	298	586	2.64	568	2.60	1154	2.62
11.		बतौली	409	834	3.76	811	3.72	1645	3.74
12.		लखनपुर	185	370	1.67	367	1.68	737	1.63
13.		लुण्ड्रा	1053	2193	9.89	2087	9.57	4280	9.73
14.		मैनपाट	354	731	3.30	736	3.37	1467	3.34
15.		सीतापुर	190	358	1.61	347	1.59	705	1.60
16.		उदयपुर	170	320	1.44	313	1.43	633	1.44
		योग (D)	**2659**	**5392**	**24.32**	**5229**	**23.97**	**10621**	**24.15**

		महायोग (**A+B+C+D**)	11235	22169	**50.41**	**2181**	**49.59**	**43981**	**100.00**

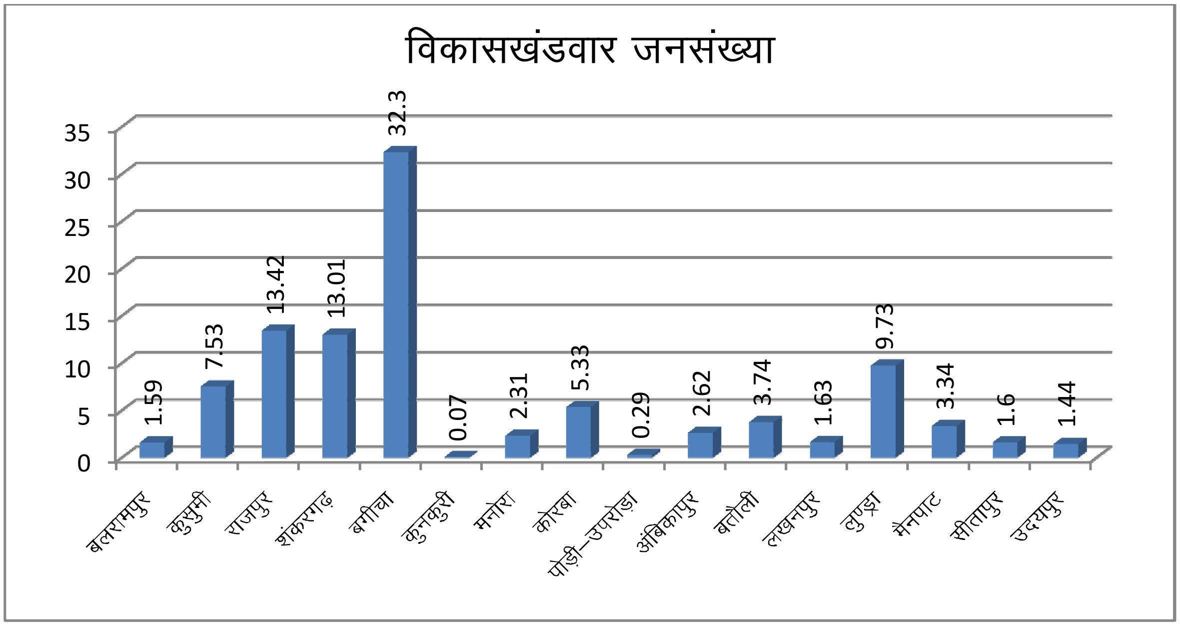

उपरोक्तानुसार राज्य में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की जनसंख्या का सर्वाधिक 32.30 प्रतिशत (N = 14207) संकेन्द्रण जशपुर जिला के बगीचा विकासखंड में है। बलरामपुर जिला के राजपुर में 13.42 प्रतिशत (N = 5903), शंकरगढ़ विकासखंड में 13.01 प्रतिशत (N = 5722), एवं सरगुजा जिला के लुण्ड्रा विकासखंड में पहाड़ी कोरवा जनसंख्या का संकेन्द्रण 9.73 प्रतिशत (N = 4280) है।

कोरबा जिला के कोरबा विकासखंड में 5.33 प्रतिशत (N = 2345) संकेन्द्रण है।

छत्तीसगढ़ राज्य में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा निवासित 16 विकासखंडों में से उपरोक्तानुसार 06 विकासखंडों में पहाड़ी कोरवा जनसंख्या का संकेन्द्रण 5 प्रतिशत से ऊपर (5.33 प्रतिशत से 32.30 प्रतिशत तक) है शेष 11 विकासखंडों में पहाड़ी कोरवा का जनसंख्या वितरण 5 प्रतिशत से भी कम है।

9. ग्रामवार जनसंख्या संकेन्द्रण

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति छत्तीसगढ़ राज्य के 04 जिलो के 16 विकासखंडों के 372 ग्रामों में कुल 11235 परिवार ईकाई के रूप में निवासरत है। उक्त 372 ग्रामों की ग्रामवार जनसंख्यात्मक सूची निम्नलिखित है :–

क्र.	जिले का नाम	विकासखंड का नाम	ग्राम का नाम	परिवार संख्या	जनसंख्या		
					पुरूष	स्त्री	योग
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	बलरामपुर	बलरामपुर	अटौरी	9	16	13	29
			पस्ता	13	15	19	34
			गोविन्दपुर	18	45	54	99
			सरगांव	23	58	60	118
			चिल्मा	59	123	122	245
			पास्ता	16	40	29	69
			कन्डा	10	26	15	41
			सीतारामपुर	9	13	19	32
			खचवाभदर	7	15	16	31
		कुसमी	बसकेपी	19	44	43	87
			बैरडीहकला	32	66	66	132
			शाहपुर	16	38	42	80
			मगजी	44	91	85	176
			सोनबरसा	38	70	72	142
			गौतमपुर	13	26	26	52
			इदरीकला	19	33	36	69
			करडीह	60	138	138	276

			चटनियां	29	73	73	146
			सामरीपाठ	85	198	179	377
			चुनचुना	41	85	77	162
			चरहु	29	65	52	117
			सबाग	63	155	143	298
			बैरठीहखुर्द	5	14	11	25
			चैनपुर	58	143	143	286
			अमरपुर	21	45	34	79
			जवाहर नगर	3	9	6	15
			कोरन्धा	1	4	4	8
			हंसपुर	9	24	25	49
			धनेशपुर	67	168	170	338
			पड़िया	16	33	49	82
			सोनपुर	11	23	30	53
			जावाखाड़	36	52	56	108
			सूपढ़ापा	36	84	69	153
		राजपुर	करवा	17	30	41	71
			मुरका	6	15	15	30
			अलखड़िया	65	121	125	246
			उफिया	23	56	49	105
			कौडू	3	5	5	10
			जिगड़ी	1	1	1	2
			बाड़ीचलगली	33	56	65	121
			बासेन	5	13	15	28
			माकड़	30	63	51	114

			कर्रा	11	27	28	55
			झिंगो	2	9	9	18
			डांडखडुवा	9	20	16	36
			पहाडखडुवा	18	45	37	82
			कोटागहना	36	70	84	154
			घोरघड़ी	24	65	57	122
			बैढ़ी	13	21	17	38
			लाऊ	129	234	216	450
			सेवारी	147	317	282	599
			पेण्डारी	17	41	44	85
			करजी	47	86	103	189
			चंद्रगढ़	25	35	51	86
			डिगनगर	44	95	80	175
			खुमरी	14	29	25	54
			पतरापरा	83	153	187	340
			अमदरी	10	22	23	45
			चौरा	4	4	6	10
			नरसिंहपुर	41	70	83	153
			जमुनिया	8	21	21	42
			अखोराखुर्द	37	78	80	158
			सिधमा	20	48	41	89
			चांची	68	128	121	249
			डलवा	4	12	4	16
			बधिमा	6	7	10	17
			बाटीडांड	70	125	129	254

			कफना	18	43	46	89
			बरियों	15	37	32	69
			बादा	36	58	54	112
			भिलाईखुर्द	30	59	62	121
			भेस्की	40	71	68	139
			मदनेश्वरपुर	15	28	27	55
			अमडीपारा	25	41	40	81
			आरा	19	37	32	69
			घटगांव	261	476	449	925
		शंकरगढ़	पटना	10	31	30	61
			जगिमा	50	173	187	360
			भैरोपुर	14	41	41	82
			डीपाडीहखुर्द	9	24	23	47
			हरगवां	22	39	41	80
			नवापारा	22	87	79	166
			इन्द्राकोना	7	12	14	26
			पहरी	9	12	18	30
			सिलफिली	41	86	102	188
			कमारी	5	12	11	23
			सरगांव	3	7	9	16
			दामोदरपुर	34	63	54	117
			मनकेपी	10	22	22	44
			सरिमा	6	11	12	23
			भोदना	84	166	153	319
			देवसराखुर्द	23	44	40	84

			परेवां	22	40	44	84
			पोड़ीखुर्द	23	39	37	76
			विनायकपुर	95	188	150	338
			मनोहरपुर	31	63	58	121
			अमेरा	27	69	79	148
			लड़ूवा	67	122	122	244
			बेलकोना	68	148	139	287
			पेण्डारडीह	15	50	42	92
			बांसडीह	1	2	1	3
			आमगांव	14	27	31	58
			खरकोना	32	86	69	155
			जशवंतपुर	21	42	33	75
			चिरई	19	29	31	60
			दुर्गापुर	18	29	29	58
			जम्होर	14	26	25	51
			भुनेश्वरपुर	27	56	46	102
			पोडीकला	10	28	24	52
			सरईडीह	4	12	8	20
			गमहारडीह	17	41	34	75
			जरहाडीह	28	43	43	86
			आसनपानी	3	4	6	10
			समुद्री	13	31	30	61
			जोगापाट	137	303	315	618
			करासी	12	29	33	62
			भरतपुर	12	33	32	65

			कोठली	49	80	92	172
			बनखेता	33	71	76	147
			बरपानी	34	62	70	132
			रकैया	61	156	164	320
			घसनी	25	43	45	88
			रजुवाढ़ेढ़ी	43	69	61	130
			धारनगर	23	35	31	66
		योग		**3791**	**7890**	**7743**	**15633**
2.	जशपुर	बगीचा	कुरकुरिया	44	76	65	141
			दनगरी	102	190	174	364
			महनई	274	436	406	842
			सुलेसा	157	267	247	514
			बुरजुडीह	17	31	32	63
			हुकराकोना	15	25	25	50
			खखरा	70	116	109	225
			नन्हेसर	12	24	27	51
			चम्पा	9	14	14	28
			कुरवां	27	50	44	94
			मरंगी	23	45	52	97
			छिछली–A	38	76	74	150
			डुमरकोना	24	47	44	91
			चेपराकोना	6	8	10	18
			कन्दरई	28	69	52	121
			सन्ना	70	138	126	264
			गुम्हारकोना	30	57	60	117

			हर्राडीपा	55	103	89	192
			कोदोपारा	35	73	74	147
			बहोरा	8	12	16	28
			सोनमूठ	1	3	3	6
			पण्ड्रापाट	197	361	347	708
			भड़िया	120	210	231	441
			मुढ़ी	39	75	77	152
			सरधापाठ	133	257	258	515
			देवडांड	183	322	371	693
			गायबुड़ा	106	173	177	350
			सारूढ़ाप	52	93	89	182
			सोनगेरसा	16	31	25	56
			सुकमा	8	12	10	22
			छिछली–2 (R)	41	53	59	112
			महादेव जोबला	67	104	115	219
			रौनी	67	105	85	190
			रोकड़ा	96	159	169	328
			कामारिया	315	616	587	1203
			कोपा	33	67	57	124
			लोढेना	24	45	45	90
			महुवा	52	102	98	200
			लरंगा	60	119	114	233
			कलिया	32	63	73	136
			साहीडांड	39	71	67	138
			बछरांव	88	156	158	314

			बुटंगा	5	11	7	18
			बेतरा	25	47	44	91
			कुहैमा	47	92	95	187
			ओड़का	17	35	34	69
			पत्ताकेला	15	29	24	53
			रेंगले	4	10	4	14
			बगडोल	31	65	60	125
			बिमडा	12	20	18	38
			मैनी	4	5	7	12
			सामरबार	142	253	232	485
			सरडीह	16	30	30	60
			पेटा	10	19	22	41
			खन्ताडांड	19	45	46	91
			झगरपुर	10	23	20	43
			झिक्की	12	24	28	52
			पसिया	7	12	10	22
			पंडरीपानी	25	36	42	78
			भितघरा	4	12	7	19
			सुतरी	9	12	14	26
			कुहापानी	32	63	60	123
			कुदमुरा	14	25	18	43
			सरबकोंबो	23	39	42	81
			ढोढ़रअम्बा	74	123	116	239
			समदुरा	15	26	19	45
			गुघरी	23	40	36	76

			घोघर	17	27	28	55
			मधुपुर	67	122	116	238
			डुमरपानी	43	101	108	209
			रंगपुर	38	97	94	191
			कुरहाटिपना	53	147	147	294
			राजपुर	71	117	140	257
			सलखाडाड़	45	80	79	159
			कुरूमकेला	37	83	89	172
			रतबा	34	65	69	134
			मुसगुटरी	5	15	18	33
			बगीचा	13	33	41	74
			डुमरटोली	27	54	52	106
			भट्ठीकोना	30	52	49	101
			लोटा	8	22	22	44
		कुनकुरी	ढोढ़ी बहरा	9	16	16	32
		मनोरा	गीधा	52	118	121	239
			सरडीह	23	54	39	93
			करादारी	49	107	105	212
			सरईटोली	1	4	4	8
			रेमने	23	33	49	82
			गुतकिया	20	41	46	87
			करदना	6	10	14	24
			छतौरी	19	41	45	86
			पटीया	8	14	20	34
			ओरकेला	2	3	4	7

			करणपुर	1	4	3	7
			हर्रापाठ	34	65	73	138
		योग		**4143**	**7675**	**7581**	**15256**
3.	कोरबा	कोरबा	अजगरबहार	16	27	30	57
			गढकटरा	23	41	35	76
			नरबदा	6	10	17	27
			माखुरपानी	23	39	43	82
			सतरेंगा	31	67	69	136
			कदमझरिया	30	67	55	122
			देवपहरी	52	95	91	186
			कनसरा	39	114	96	210
			अरेतरा	59	116	141	257
			केउबहार	10	25	27	52
			रपता	30	65	71	136
			नकिया	21	36	34	70
			सर्वे	46	64	87	151
			डोकरमना	32	59	51	110
			बेला	3	4	4	8
			गहनिया	17	30	28	58
			भटगांव	10	16	14	30
			पतरापाली	28	40	50	90
			डुमरडीहा	17	30	34	64
			अमलीडीह	21	35	32	67
			सिमकेंदा	57	110	118	228
			गेरांव	3	7	7	14

			दरगा	35	48	66	114
		पोड़ी उपरोड़ा	तानाखार	4	7	7	14
			बरतराई	4	17	5	22
			लालपुर	20	35	39	74
			कोनकोना	5	8	8	16
			योग	**642**	**1212**	**1259**	**2471**
4.	सरगुजा	अंबिकापुर	घघरीआसडांड	25	49	47	96
			भिट्टीखुर्द	13	21	22	43
			भकुरा	6	10	10	20
			रामनगर	76	138	135	273
			श्रीगढ़	9	16	17	33
			कांतिप्रकाशपुर ठर्रीकोना	29	53	57	110
			मानिकप्रकाशपुर	30	60	48	108
			खाला	34	74	66	140
			मोहनपुर	12	34	35	69
			पम्पापुर गारजभवना	47	93	95	188
			बड़ा दमाली	17	38	36	74
		बतौली	साल्याडीह	8	20	17	37
			बांसाझाल	40	100	87	187
			टीरंग	25	68	52	120
			मानपुर	7	15	15	30
			घोघरा	12	22	23	45
			सरमना	13	20	23	43

			नयाबांध	10	22	24	46
			बैजनाथपुर	19	35	34	69
			नकना	18	26	36	62
			गोविन्दपुर	95	202	196	398
			चिपरकाया	28	52	64	116
			सुअरपारा	11	22	27	49
			गहिला	9	25	17	42
			करदना	43	87	87	172
			चिरंगा	42	79	67	146
			भटकी	23	41	42	83
		लखनपुर	लब्जी	36	96	95	191
			लोसंगी	27	47	53	100
			लोसंगा	11	19	23	42
			रेम्हला	27	61	52	113
			बेलदगी	14	25	20	45
			तुनगुरी	13	26	22	48
			अलगा	50	80	92	172
			सोयदा	7	16	10	26
		लुण्ड्रा	कर्रा	74	136	142	278
			जमोनी	34	62	70	132
			जुनाकुदर	34	59	71	130
			चंगोरी	35	79	75	154
			चंद्रेश्वरपुर	9	32	29	61
			डमकी	1	3	1	4
			जोरी	44	98	100	198

			बिल्हमा	40	105	79	184
			आसनडीह	46	119	118	237
			रघुपुर	43	94	67	161
			छुरमुण्डा	20	42	36	78
			देवरी	9	20	15	35
			कोईलारी	2	5	6	11
			कछार	4	7	4	11
			चितरपुर	36	66	61	127
			भेड़िया	55	118	105	223
			सपडा	20	44	36	80
			उरदरा	5	17	11	28
			कोरंधा	24	56	49	105
			किरकिमा	24	39	46	85
			चलगली	7	11	11	22
			गुजरवार	32	58	55	113
			नागम बांसपारा	31	53	62	115
			पसेना	15	27	26	53
			रीरी	13	36	30	66
			अगासी	5	9	9	18
			घघरी	5	16	12	28
			सहनपुर	13	27	38	65
			करौली	4	8	6	14
			सखौली	7	12	11	23
			करगीडीह–1	9	17	20	37
			कुन्दीकला	4	5	8	13

			सेमरडीह	12	14	14	28
			केपी	7	22	16	38
			जमड़ी	19	45	50	95
			डकई	10	22	18	40
			बांसा	9	24	32	56
			गंझाडांड	35	58	63	121
			लालमाटी	80	141	139	280
			दर्रीडीह	3	5	7	12
			बटवाही	3	6	3	9
			सुमेरपुर	1	3	2	5
			उंचडीह	9	16	8	24
			पुरकेला	5	16	10	26
			असकला	7	15	13	28
			लमगांव	3	7	7	14
			सिलसिला	3	4	6	10
			उदारी	8	11	11	22
			जरहाडीह	3	4	2	6
			चिरगा	22	48	45	93
			बरडीह	8	20	24	44
			आमगांव	3	7	5	12
			डहौली	1	4	5	9
			ससौली	29	85	70	155
			दोरना	1	1	1	2
			पतराडीह	4	6	7	13
			महोरा	13	26	27	53

			कुदर	8	20	16	36
			खराकोना	9	16	15	31
			गेरसा	10	13	14	27
			जराकेला	22	52	45	97
			रांईखुर्द	2	2	3	5
		मैनपाट	करम्हा	5	16	17	33
			सुपलगा	14	3	31	70
			कदनई	10	23	18	41
			परपटिया	6	17	17	34
			बरिमा	1	7	9	16
			सपनादर	3	4	2	6
			मालतीपुर	44	99	96	195
			असकरा	56	126	115	241
			कनिया	26	46	68	114
			कोट	31	60	52	112
			बंदना	9	13	14	27
			उडुमकेला	47	91	91	182
			रजखेता	26	50	42	92
			कतकालो	21	30	39	69
			पिड़िया	44	101	105	206
			पेंट (चोरकीपानी)	11	9	20	29
		सीतापुर	जामझरिया	24	51	48	99
			बंशीपुर	23	40	39	79
			सूर	23	36	28	64

			देवगढ़	33	55	62	117
			रजपुरी	19	40	36	76
			बगडोली	14	24	25	49
			गेरसा	24	50	46	96
			पटेला	25	53	53	106
			ढोढागांव	5	9	10	19
		उदयपुर	बकोई	14	28	33	61
			केसमा	35	52	54	106
			भकुरमा	45	76	71	147
			मरेया	22	35	39	74
			सितकालो	54	129	116	245
			योग	**2659**	**5392**	**5229**	**10621**
			महायोग	**11235**	**22169**	**21812**	**43981**

10. <u>उम्र समूह अनुसार जनसंख्या</u>

किसी समुदाय की सामाजिक जनांकिकीय संरचना में समुदाय की जनसंख्या के संदर्भ में उम्र समूह अनुसार जनसंख्या वर्गीकरण एक अति महत्तवपूर्ण तथ्य होता है। पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में कुल जनसंख्या का उम्र–समूह अनुसार वितरण निम्नानुसार है:–

क्र.	उम्र–समूह का वितरण	जनसंख्या					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	0–6	3951	17.82	3983	18.26	7934	18.04
2	7–14	4347	19.61	4044	18.54	8391	19.08

3	15–25	3978	17.94	4023	18.44	8001	18.19
4	26–45	5507	24.84	5523	25.32	11030	25.07
5	46–60	2829	12.76	2679	12.28	5508	12.52
6	60≥	1177	5.31	1139	5.22	2316	5.27

उम्र समूह अनुसार जनसंख्या

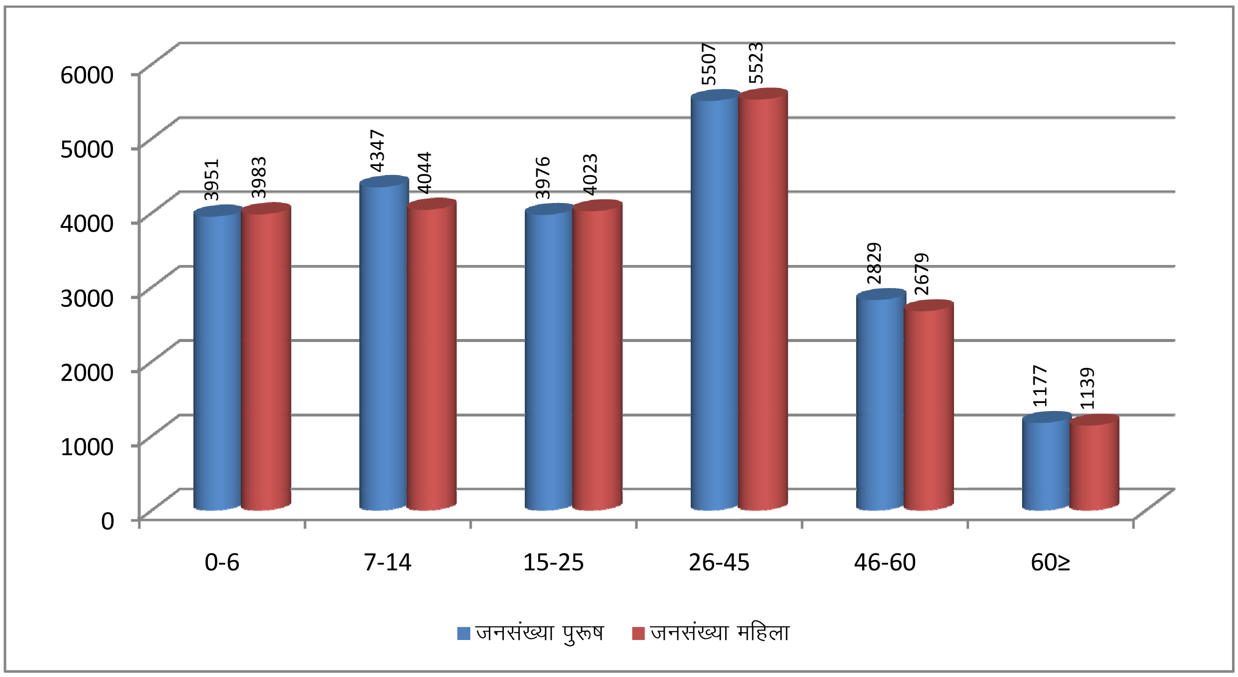

छत्तीसगढ़ राज्य में पहाड़ी कोरवा जनजाति की कुल जनसंख्या 43981 है। जिसमें 22169 पुरूष एवं 21812 महिला जनसंख्या है। उपरोक्त तालिका अनुसार सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति में सर्वाधिक जनसंख्या 25.07 प्रतिशत (कुल संख्या 11030) 26–45 वर्ष उम्र समूह की है। तत्पश्चात क्रमशः 19.08 प्रतिशत (संख्या 8391) 7–14 वर्ष उम्र–समूह, 18.19 प्रतिशत (संख्या–8001) 15–25 वर्ष, 18.04 प्रतिशत (संख्या–7934) 0–6 वर्ष उम्र–समूह 12.52 प्रतिशत (संख्या–5508) 46–60 वर्श उम्र–समूह एवं 5.27 प्रतिशत (संख्या–2316) 60 से अधिक वर्ष के उम्र–समूह की है।

उपरोक्त तालिका अनुसार 0–6 वर्ष, 15–25 वर्ष एवं 26–45 वर्ष आयु समूह में पुरूष की तुलना में महिला जनसंख्या का प्रतिशत अधिक है।

11. लिंगानुपात

किसी भी समुदाय में सामाजिक जनांकिकीय वितरण का आधार उस समुदाय के महिला–पुरूष लिंगानुपात होता है। महिला–पुरूष लिंगानुपात किसी समुदाय की साम्यावस्था को बनाये रखने का कार्य करती है। महिला–पुरूष लिंगानुपात से आशय किसी समूह अथवा समुदाय में प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या से है। पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में महिला पुरूष लिंगानुपात निम्नानुसार है :–

क्र.	पहाड़ी कोरवा जनसंख्या		
	पुरूष	महिला	लिंगानुपात
1	2	3	4
1	22169	21812	984

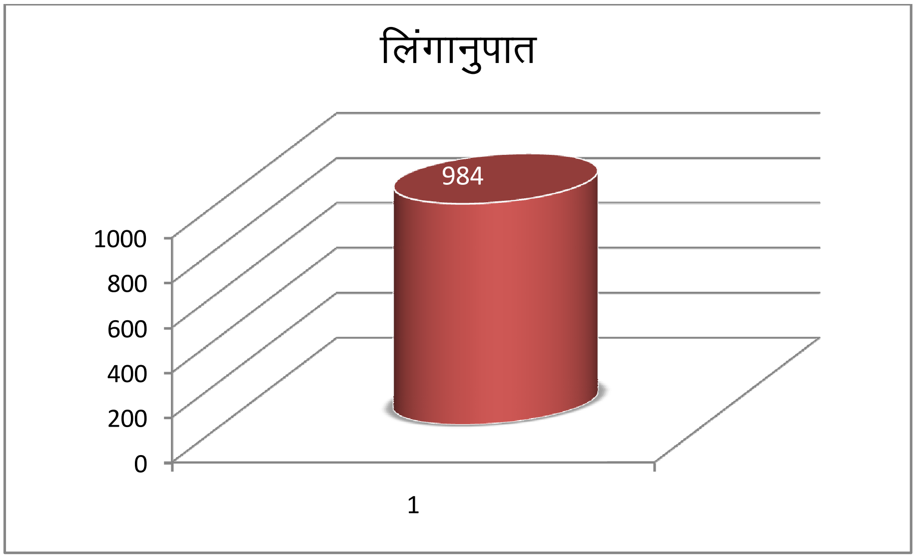

जनगणना 2011 के अनुसार भारत में कुल जनसंख्या का लिंगानुपात 924 है एवं अनुसूचित जनजाति में लिंगानुपात 990 है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में कुल जनसंख्या का लिंगानुपात 991 एवं छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जनजाति में लिंगानुपात 1020 है।

छत्तीसगढ़ की पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के उक्त सर्वेक्षण में प्राप्त आंकड़ो के अनुसार इनमें लिंगानुपात 984 है जो जनगणना 2011 में भारत की अनुसूचित जनजाति लिंगानुपात (990) से कम है। छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जनजाति लिंगानुपात (1020) की तुलना में बहुत ही कम है जो एक शोध का विषय है।

12. जिलावार लिंगानुपात

छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति का जिलावार महिला पुरूष लिंगानुपात निम्नानुसार है :–

क्र.	जिला	पहाड़ी कोरवा जनसंख्या		
		पुरूष	महिला	लिंगानुपात
1	2	3	4	5
1	बलरामपुर	7890	7743	981
2	जशपुर	7675	7581	988
3	कोरबा	1212	1259	1038
4	सरगुजा	5392	5229	970

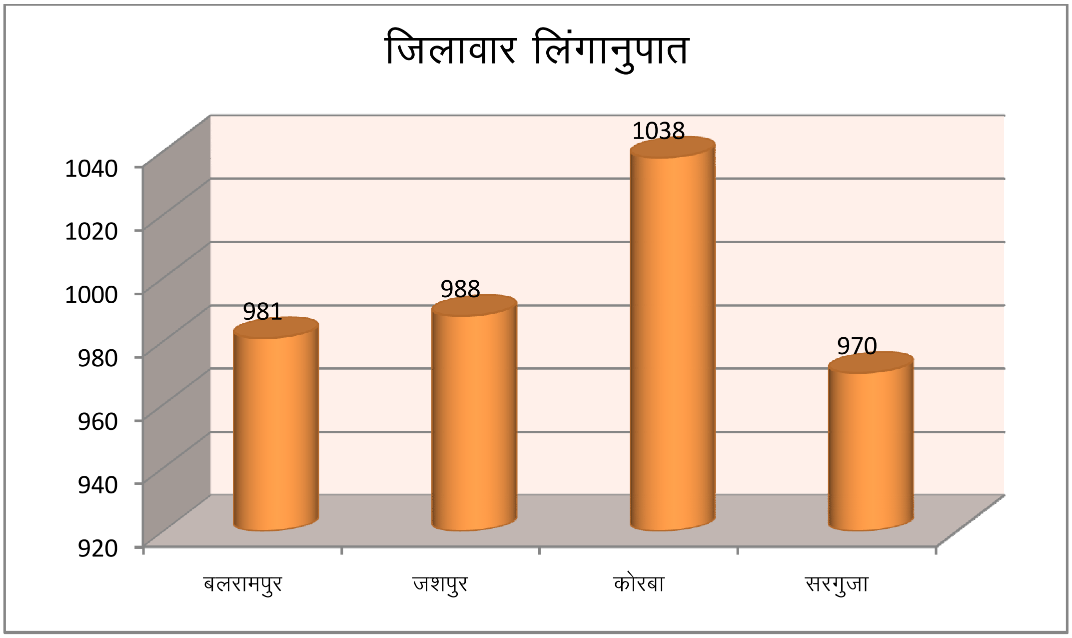

उक्त तालिका से स्पष्ट है कि मात्र एक जिला–कोरबा में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में महिला–पुरूष लिंगानुपात 1000 से अधिक (1038) है। अर्थात प्रति एक हजार पुरूषों में यहां 1038 महिलाएं है। शेष 03 जिले क्रमशः जशपुर में प्रति एक हजार पुरूष में 988 महिलाएं, बलरामपुर में 981 महिलाएं एवं सबसे कम सरगुजा में प्रति हजार मात्र 970 महिलाएं है।

13. विकासखंडवार महिला पुरूष लिंगानुपात

छत्तीसगढ़ राज्य के 04 जिलों के 16 विकासखंड में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की विकासखंडवार महिला–पुरूष लिंगानुपात की स्थिति निम्नानुसार है :–

क्र.	जिला	विकासखंड	पहाड़ी कोरवा जनसंख्या		
			पुरूष	महिला	लिंगानुपात
1	2	3	4	5	6
1.	बलरामपुर	बलरामपुर	351	347	989
2.		कुसमी	1681	1629	969
3.		राजपुर	2972	2931	986
4.		शंकरगढ़	2886	2836	983

5.	जशपुर	बगीचा	7165	7042	983
6.		कुनकुरी	16	16	1000
7.		मनोरा	494	523	1059
8.	कोरबा	कोरबा	1145	1200	1048
9.		पोड़ी–उपरोड़ा	67	59	881
10.	सरगुजा	अंबिकापुर	586	568	969
11.		बतौली	834	811	972
12.		लखनपुर	370	367	992
13.		लुण्ड्रा	2193	2087	952
14.		मैनपाट	731	736	1007
15.		सीतापुर	358	347	969
16.		उदयपुर	320	312	978
		योग	**22169**	**21812**	**984**

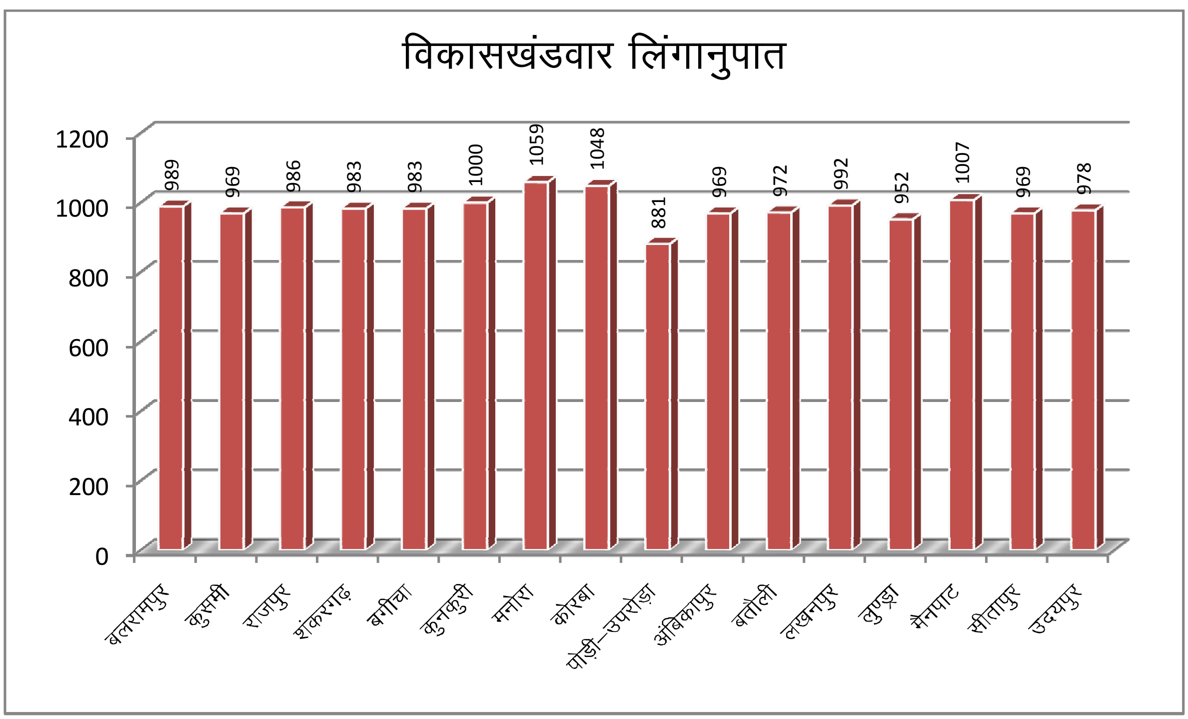

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति निवासित 16 विकासखंडों में से मात्र 04 विकासखंडों महिला–पुरूष लिंगानुपात हजार या हजार से अधिक है। ये विकासखंड जशपुर जिले के कुनकुरी एवं मनोरा विकासखंड, कोरबा जिले के कोरबा विकासखंड एवं सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड है। शेष 12 विकासखंडों में लिंगानुपात हजार से कम है। सर्वाधिक लिंगानुपात (1059) मनोरा एवं न्यूनतम लिंगानुपात (881) पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में पाया गया।

14. जनसंख्या वृद्धि दर

किसी समुदाय विशेष में जनसंख्या वृद्धि से आशय एक दशक में उस समुदाय के जनसंख्यात्मक आकड़ों में होने वाली वृद्धि से है। भारत सरकार द्वारा किसी अनुसूचित जनजाति को विशेष पिछड़ी जनजाति 'समूह में शामिल करने निर्धारित किये गये मापदंडो में से उस समूह/समुदाय में उसकी ''स्थिर जनसंख्या अथवा कम होती जनसंख्या'' को भी एक मापदंड माना गया है।

किसी समुदाय/समूह की जनसंख्या वृद्धि दर (दशकीय) को निम्नांकित सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है।

$$\frac{\text{दशकीय जनसंख्या का अंतर}}{\text{पूर्व दशक की जनसंख्या}} \times 100$$

A. सर्वेक्षण 2005–06 में पहाड़ी कोरवा जनसंख्या– 37472

B. सर्वेक्षण 2015–16 में पहाड़ी कोरवा जनसंख्या– 43981

C. दशकीय जनसंख्या का अंतर (B-A=C) = 6509

अर्थात

$$\text{जनसंख्या वृद्धि दर} = \frac{B - A}{A} \times 100$$

$$= 17.37$$

15. <u>वैवाहिक स्थिति</u>

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के सामाजिक जनांकिकीय परिप्रेक्ष्य में वैवाहिक स्थिति का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	अविवाहित	11254	50.76	10170	46.63	21424	48.71
2.	विवाहित	10465	47.21	10504	48.16	20969	47.68
3.	विधवा / विधुर / परित्यक्ता	450	2.03	1138	5.21	1588	3.61
	योग	**22169**	**100.00**	**21812**	**100.00**	**43981**	**100.00**

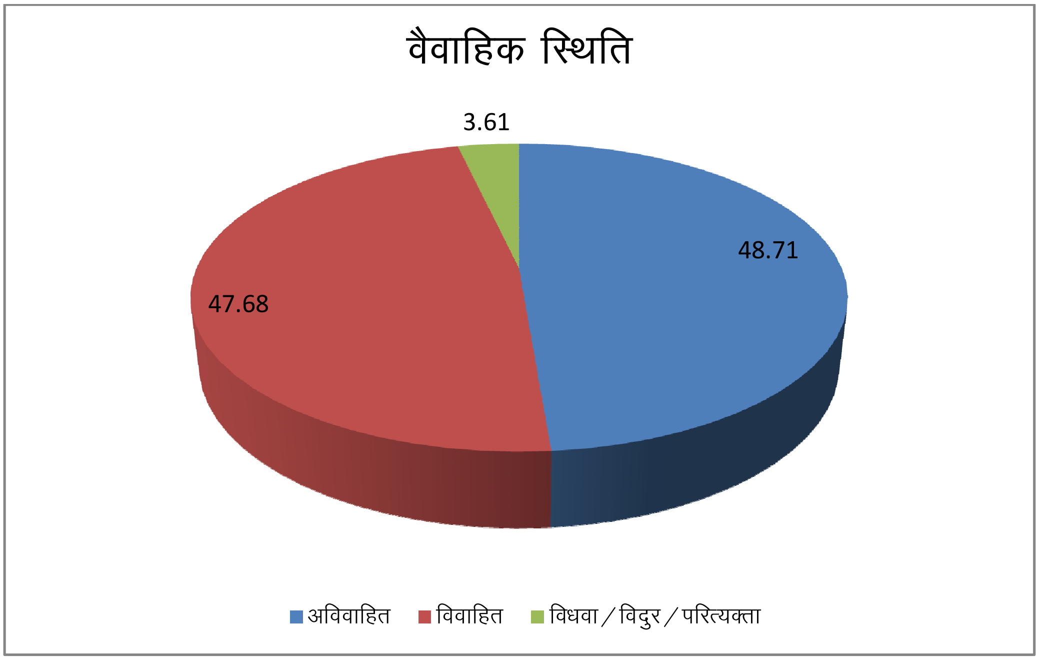

छत्तीसगढ़ में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल जनसंख्या 43981 है जिसमें 22169 पुरूष एवं 21812 महिला जनसंख्या है। वैवाहिक स्थिति के संदर्भ में उपरोक्त तालिका में दर्शित आकाड़ों के अनुसार पाहड़ी कोरवा जनजाति में 47.21 प्रतिशत पुरूष (संख्या = 10465) एवं 48.16 प्रतिशत महिला (संख्या = 10504) विवाहित है।

इसी प्रकार 50.76 प्रतिशत (संख्या = 11254) पुरूष एवं 46.63 प्रतिशत (संख्या = 10170) महिला अविवाहित है। 2.03 प्रतिशत (संख्या = 450) विधुर एवं 5.21 प्रतिशत (संख्या = 11138) विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं की जनसंख्या है।

कुल जनसंख्या का 47.68 प्रतिशत (संख्या = 20969) विवाहित, 48.71 प्रतिशत (संख्या = 21424) अविवाहित एवं 3.61 प्रतिशत (1588) विधवा/विधुर/परित्यक्ता की जनसंख्या है।

विवाहित एवं विधुर पुरूष 49.24 प्रतिशत (संख्या = 10915) एवं विवाहित व विधवा/परित्यक्ता महिला 53.37 प्रतिशत (संख्या = 11642) है।

16. वैवाहिक उम्र

सामान्यतः जनजाति समाजों में किसी बालिका के मासिक धर्म प्रारंभ होने को उसे विवाह योग्य मान लिया जाता है। इसी प्रकार बालको की दाड़ी–मूंछ आने व अन्य शारीरिक बदलाव को देखकर उसे विवाह योग्य मान लिया जाता है। किन्तु जब तक उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास पूर्ण न हो तब तक उन्हें विवाह योग्य समझना बहुत ही घातक सिद्ध होता है। जिसका परिणाम शिशु एवं माता मृत्यु दर में वृद्धि के रूप में अध्ययनों में पाया गया है। साथ ही कम उम्र में विवाह कर देने से वे अपने सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन सफलतापूर्वक नहीं कर पाते है। बाल–विवाह कानून संशोधन 1978 में विवाह के लिये लड़के का न्यूनतम आयु 21 वर्ष एवं लड़की का न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित किया गया है।

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के सर्वेक्षण में पुरूष–महिला वर्ग में विवाह का उम्र निम्नानुसार अंकित किया गया है :–

क्र.	विवाह उम्र–समूह (वर्ष में)	जनसंख्या					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	≤ 15	122	1.12	445	3.82	567	2.51
2.	15–18	1306	11.97	5679	48.78	6985	30.97
3.	19–21	5976	54.75	3198	27.47	9174	40.67
4.	22–24	1455	13.33	301	2.59	1756	7.78
5.	25	601	5.51	142	1.22	743	3.29
6.	25 >	1455	13.33	1877	16.12	3332	14.77
	योग	**10915**	**100.00**	**11642**	**100.00**	**22557**	**100.00**

वैवाहिक उम्र

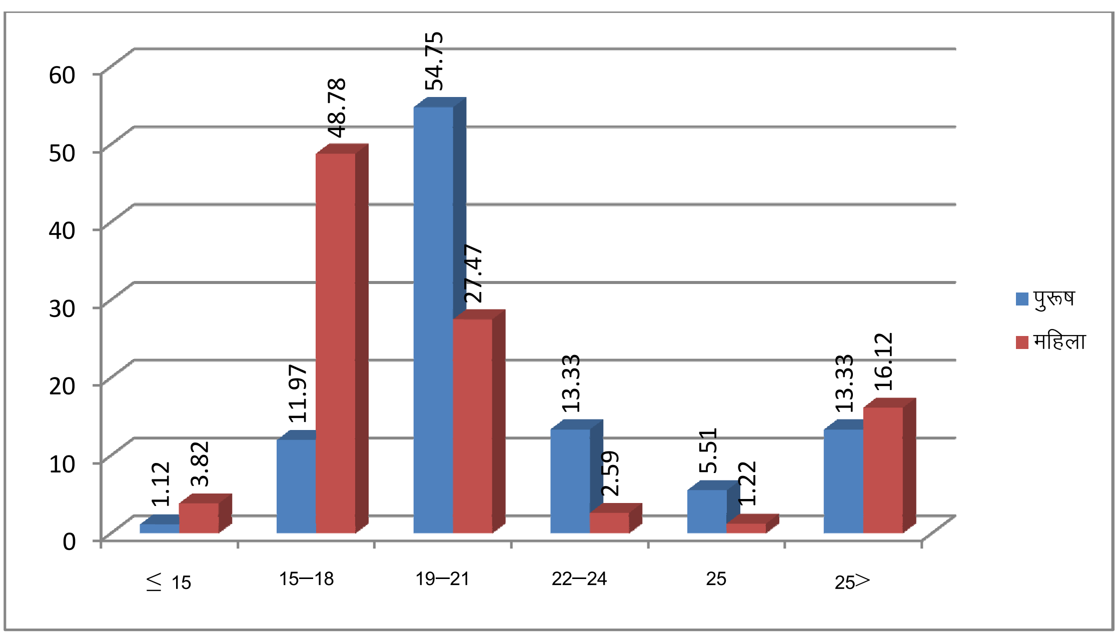

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल जनसंख्या में से 22557 सदस्य विवाहित अथवा विधवा/विधुर/परित्यकता पाये गये जिसमें 10915 पुरूष एवं 11642 महिला सदस्य है।

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति में 2.51 प्रतिशत (संख्या = 567) सदस्यों का विवाह 15 वर्ष या 15 वर्ष के पूर्व होना पाया गया जिसमें पुरूषों (1.12 प्रतिशत) की तुलना में महिलाओं का प्रतिशत (3.82) अधिक है।

15–18 वर्ष की आयु–समूह में 30.97 प्रतिशत पहाड़ी कोरवा जनजाति सदस्यों का विवाह होना पाया गया जिसमें पुरूष 11.97 प्रतिशत (1306) एवं महिला 48.78 प्रतिशत (6985) महिलाओं का विवाह इसी आयु–समूह में होना पाया गया। पहाड़ी कोरवा जनजाति की महिलाओं का विवाह सर्वाधिक 48.78 प्रतिशत 15–18 वर्ष की आयु–समूह में होना दर्ज किया गया है।

पहाड़ी कोरवा जनजाति के पुरूषों में सर्वाधिक 54.75 प्रतिशत (संख्या = 5976) 19–21 वर्ष आयु–समूह में होना पाया गया है। इस आयु समूह में विवाह करने वाले पहाड़ी कोरवा महिलाओं का प्रतिशत 27.47 (संख्या = 3198) है।

आयु समूह 15–18 एवं 19–21 वर्ष में सम्मिलित रूप से 71.64 प्रतिशत (16159) पहाड़ी कोरवा जनजाति में विवाह करने वाले सदस्यों का विवाह होना पाया गया है। जिसमें 66.72 प्रतिशत (7282) पुरूष एवं 76.25 प्रतिशत महिलाओं का विवाह इन्ही आयु–समूह में होना पाया गया है।

22–24 वर्ष आयु समूह में 13.33 प्रतिशत (1455) एवं मात्र 2.59 प्रतिशत महिलाओं (301) का विवाह होना पाया गया।

25 वर्ष की उम्र में 5.51 प्रतिशत (601) पुरूष एवं 1.22 प्रतिशत (142) महिलाओं का विवाह होना पाया गया है। 25 वर्ष से अधिक की उम्र में 13.33 प्रतिशत (1455) पुरूष एवं 16.12 प्रतिशत (1877) महिलाओं का विवाह होना उक्त सर्वेक्षण में पाया गया है।

17. धार्मिक आस्था

छत्तीसगढ़ राज्य की पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के समस्त परिवार धार्मिक रूप से अपने आदिवासी परंपरा का निर्वहन करते हुए स्वयं के हिन्दुधर्म के धर्मावलंबी मानते है।

18. सामाजिक नेतृत्व

सामाजिक—जनांकिकीय अंतर्गत समाज के संचालन, एकजुटता एवं सामाजिक मूल्यों एवं विश्वासो को बनाये रखने सामाजिक नेतृत्व की भी आवश्यकता होती है। पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों में सामाजिक नेतृत्व धारिता का स्थिति निम्नांकित है :—

क्र.	विवरण	पद धारित व्यक्ति					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	धर्म निरपेक्ष मुखिया	95	27.30	0	0.00	95	26.46
2.	धार्मिक मुखिया	102	29.31	0	0.00	102	28.41
3.	गुनिया / सिरहा	78	22.41	5	45.45	83	23.12
4.	ज्योतिषी	14	4.02	1	9.09	15	4.18
5.	चौकिदार / कोटवार	48	13.79	2	18.18	50	13.93
6.	अन्य	11	3.16	3	27.27	14	3.90
	योग	348	100.00	11	100.00	359	100.00

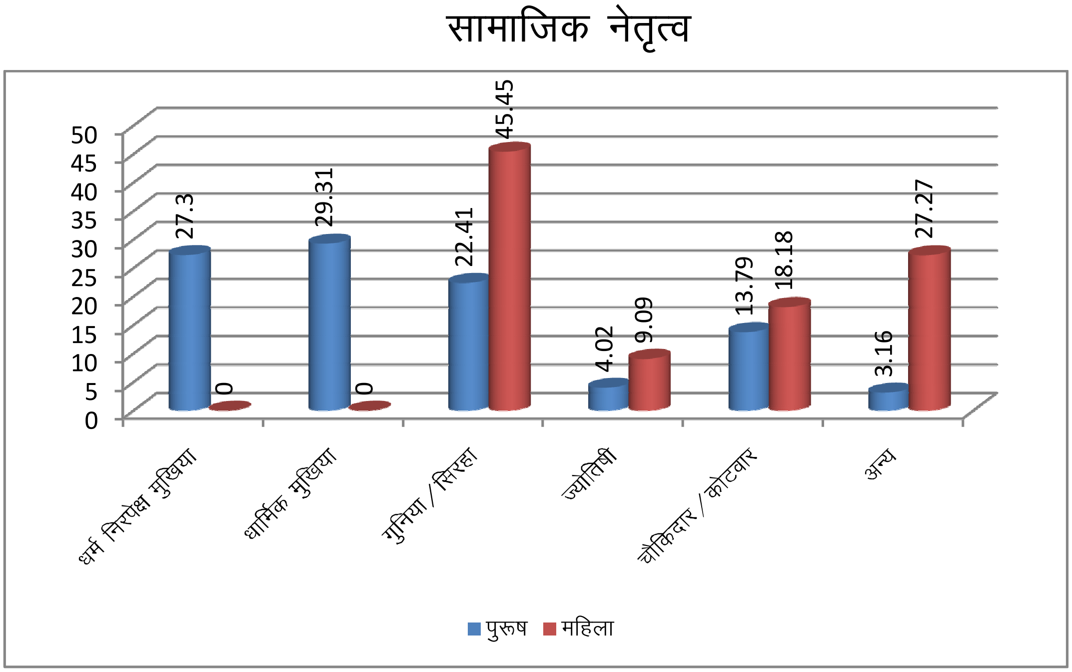

छत्तीसगढ़ में निवासरत 43981 पहाड़ी कोरवा जनजाति जनसंख्या में से मात्र 0.82 प्रतिशत (359) सदस्य ही सामाजिक नेतृत्व में सहभागी पाये गये जिसमें पुरूष 1.57 प्रतिशत (348) एवं महिलाओं का मात्र 0.05 प्रतिशत (संख्या = 11) सहभागिता पायी गयी।

धर्म निरपेक्ष मुखिया एवं धार्मिक मुखिया में महिलाओं की सहभागिता नहीं पायी गयी। इनमें पुरूषों की सहभागिता कुल सामाजिक नेतृत्व धारित पुरूषों (348) में से क्रमशः 27.30 एवं 29.31 प्रतिशत पायी गयी है। इसी प्रकार 22.41 प्रतिशत (संख्या 78) पुरूष एवं 45.45 प्रतिशत (संख्या 5) महिलाएं समाज में गुनिया/सिरहा का कार्य करते है।

4.02 प्रतिशत (संख्या 14) पुरूष एवं 9.09 प्रतिशत (संख्या 1) महिलाएं ज्योतिषी या शुभ–अशुभ की भविष्यवाणी का कार्य करते है। 13.79 प्रतिशत (संख्या 48) पुरूष एवं 18.18 (संख्या 2) महिलाएं सामाजिक चौकीदार/कोटवार पद पर कार्यरत है। किसी न किसी प्रकार के अन्य सामाजिक नेतृत्व में 3.16 प्रतिशत (संख्या 11) पुरूष एवं 27.27 प्रतिशत (संख्या 3) महिलाओं की सहभागिता अपने समाज की नेतृत्व में पायी गयी है।

अध्याय – 4

शैक्षणिक स्थिति

किसी भी समाज के समग्र विकास के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण कारक है। विकास के क्रम में मानव समुदाय का एक हिस्सा जिसे हम आदिवासी या जनजाति के नाम से जानते है, जो सामान्यतः दूर–दराज के क्षेत्रों, वनों एवं पहाडियों में निवास करने के कारण अन्य शहरी अथवा ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में पिछडे हुए है।

शिक्षा के क्षेत्र में इन विशेष पिछडी जनजातियाँ अन्य अनुसूचित जनजातियों की तुलना में अधिक विषम परिस्थितियों में निवासरत है, अतः इनकी शैक्षणिक स्थिति अन्य जनजातियों की तुलना में अधिक पिछड़ी हुई है।

भारत सरकार द्वारा भी किसी अनुसूचित जनजाति को विशेष पिछडी जनजाति घोषित करने हेतु निर्धारित किये गये मापदण्ड में किसी निश्चित समुदाय की अल्प साक्षरता दर को भी शामिल किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में इन वर्गों के विकास हेतु विगत 07 दशकों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारें उनके शैक्षणिक विकास हेतु अनेक योजनाएँ संचालित कर रही है जिनके धीरे–धीरे परिणाम भी सामने आा रहे है।

4.1 साक्षरता दर

छत्तीसगढ़ राज्य की पहाड़ी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में कुल साक्षरता दर निम्नांकित पायी गई है।

साक्षरता दर (0–6 उम्र समूह को छोड़ कर)

क.	विवरण	संख्या					
		महिला		पुरूष		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	साक्षर	5510	30.90	6576	36.10	12086	33.53
2.	निरक्षर	12319	69.10	11642	63.90	23961	66.47
	योग	**17829**	**100.00**	**18218**	**100.00**	**36047**	**100.00**

साक्षरता दर (0–6 उम्र समूह को छोड़ कर)

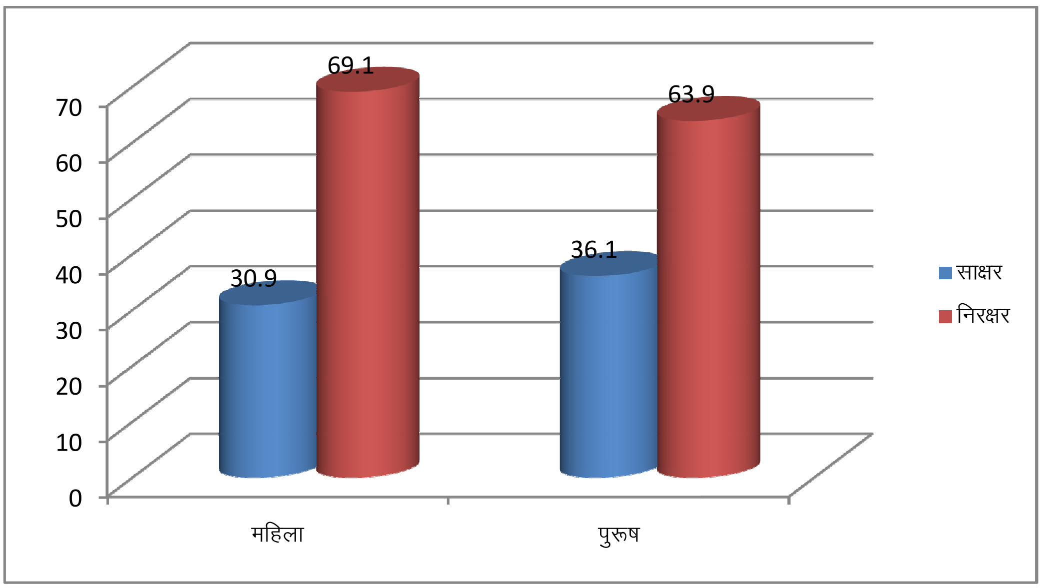

उपरोक्तानुसार पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति की कुल जनसंख्या 43981 है जिसमें पुरूष जनसंख्या 22169 एवं स्त्री जनसंख्या 21812 है। उक्त जनसंख्या में से 0–6 वर्ष उम्र समूह की जनसंख्या (कुल–7934, पुरूष–3951, महिला–3983) को साक्षरता दर ज्ञात करने हेतु पृथक करने पर शेष जनसंख्या का कुल योग 36047 है, जिसमें पुरूष जनसंख्या–18218 एवं महिला जनसंख्या –17829 है।

उपरोक्तानुसार राज्य की पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति की कुल साक्षरता दर 33.53 प्रतिशत है जिसमें पुरूष साक्षरता दर 36.10 प्रतिशत एवं स्त्री साक्षरता दर 30.90 प्रतिशत है।

जनगणना 2011 अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य की कुल अनुसूचित जनजाति साक्षरता दर 50.03 की तुलना में पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति की उक्त कुल साक्षरता दर कम होना पाया गया है।

4.2 शैक्षणिक स्थिति

पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में साक्षर व्यक्तियों की जानकारी निम्नानुसार हैः—

विशेष पिछडी जनजाति पहाडी कोरवा में साक्षरता दर

क्र.	विवरण	साक्षर व्यक्ति					
		महिला		पुरूष		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	अध्ययनरत्	3383	61.40	3785	57.56	7168	59.31
2.	अध्ययन छोड चुके	2127	38.60	2791	42.44	4918	40.69
	योग	5510	100.00	6576	100.00	12086	100.00

विशेष पिछडी जनजाति पहाडी कोरवा में साक्षरता दर

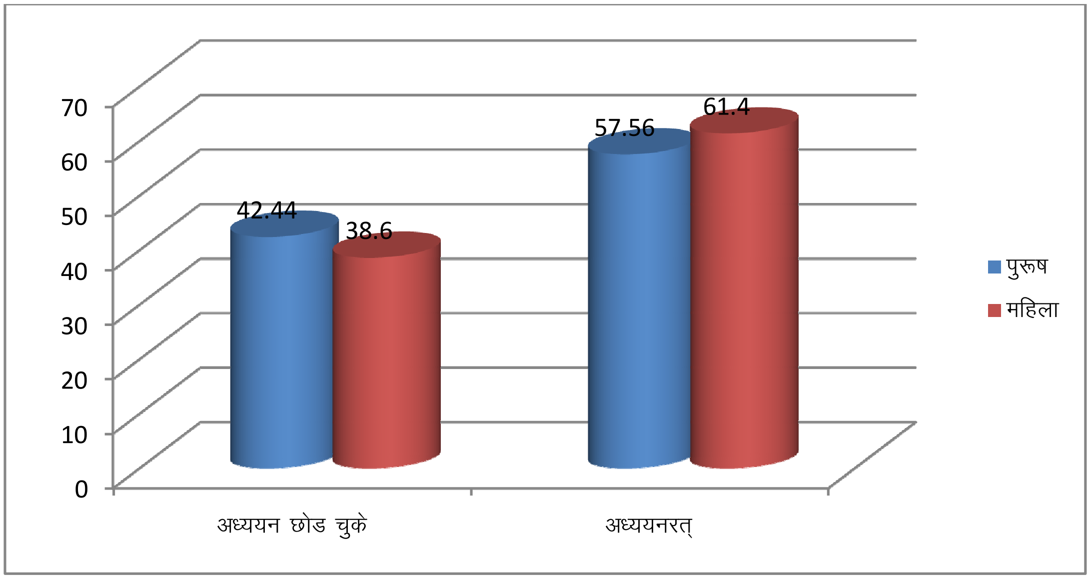

उपरोक्तानुसार पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में कुल 12086 व्यक्ति किसी न किसी स्तर तक शिक्षित है, जिसमें 6576 पुरूष एवं 5510 महिलाएँ है। इनमें अध्ययनरत विद्यार्थी 59.31 प्रतिशत (संख्या 7168) है जिसमें पुरूष 57.56 प्रतिशत एवं महिला 61.40 प्रतिशत है। इसी प्रकार अध्ययन समाप्त कर चुके सदस्यों की संख्या 40.69 प्रतिशत है जिसमें पुरूष 42.44 प्रतिशत एवं महिला 38.60 प्रतिशत है।

4.3 अध्ययनरत विद्याार्थियों का शैक्षणिक स्तर

वर्तमान में पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में प्राथमिक स्तर से उच्च शिक्षा स्तर तक की शिक्षा प्राप्त कर रहे बालक–बालिकाओं का विवरण निम्नानुसार हैः–

अध्ययनरत विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर

क्र.	संवर्ग (स्तर)	अध्ययनरत सदस्यों की संख्या					
		महिला		पुरूष		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	प्राथमिक	2457	72.63	2743	72.47	5200	72.54
2.	माध्यमिक	707	20.90	826	21.82	1533	21.39

3.	हाईस्कूल / हायर सेकण्ड्री	197	5.82	191	5.05	388	5.41
4.	स्नातक	14	0.41	20	0.53	34	0.47
5.	स्नातकोत्तर	08	0.24	05	0.13	13	0.18
	योग	**3383**	**100.00**	**3785**	**100.00**	**7168**	**99.99**

अध्ययनरत विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर

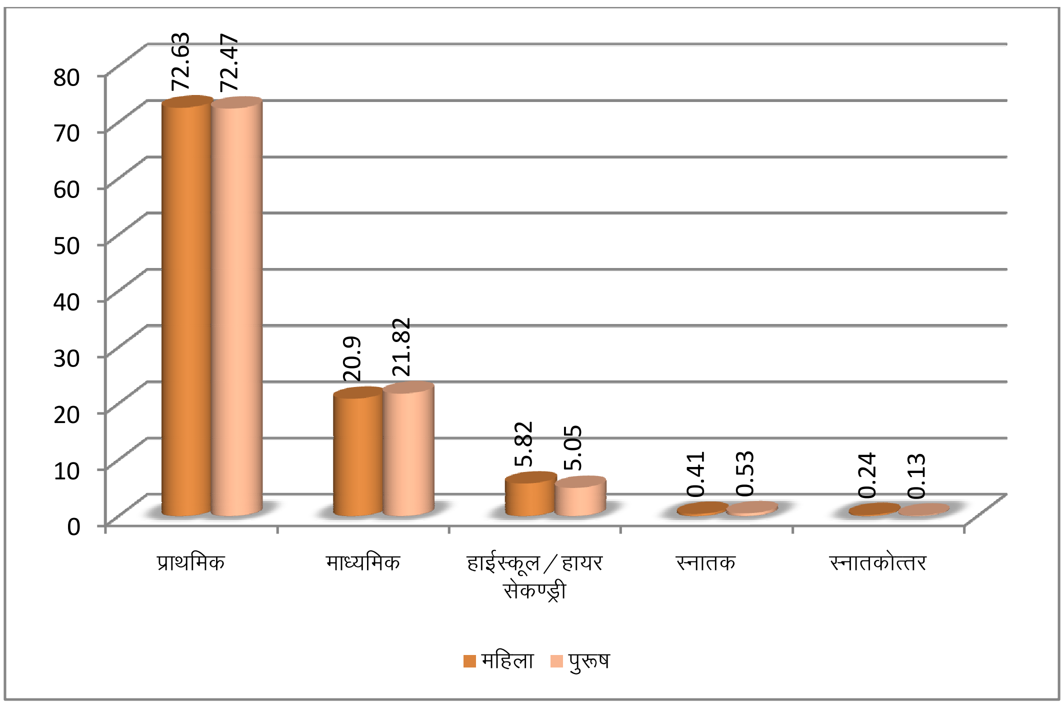

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति के 7168 बालक–बालिकायें वर्तमान में अध्ययनरत है, जिसमें 52.80 प्रतिशक बालक एवं 47.20 प्रतिशक बालिकाएँ विभिन्न स्तर पर शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

अध्ययनरत पहाडी कोरवा विद्यार्थियों में से 72.54 प्रतिशत बालक–बालिकाएँ प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे है, जिसमें 72.47 प्रतिशत बालक की तुलना में 72.63 प्रतिशत बालिकाएँ है।

माध्यमिक स्तर पर पहाडी कोरवा जनजाति के 21.39 प्रतिशत बालक–बालिकाएँ अध्ययनरत है, जिसमें 21.82 प्रतिशत बालकों की तुलना में बालिकाओं की संख्या 20.90 प्रतिशत है।

हाईस्कूल/हायर सेकण्ड्री स्तर पर 5.41 प्रतिशत बालक–बालिकाएँ शिक्षा प्राप्त कर रहे है जिसमें बालकों की संख्या (5.05 प्रतिशत) बालिकाओं की संख्या (5.82 प्रतिशत) की तुलना में कम है।

स्नातक स्तर पर 0.47 प्रतिशत बालक–बालिकाएँ शिक्षा प्राप्त कर रहे है जिसमें बालकों की संख्या (0.53 प्रतिशत) बालिकाओं की संख्या (0.41 प्रतिशत) की तुलना में ज्यादा है।

स्नातकोत्तर स्तर पर 0.18 प्रतिशत बालक–बालिकाएँ शिक्षा प्राप्त कर रहे है जिसमें बालकों की संख्या (0.13 प्रतिशत) बालिकाओं की संख्या (0.24 प्रतिशत) की तुलना में कम है।

4.4 अध्ययन समाप्त कर चुके सदस्यों का शैक्षणिक स्तर

पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में किसी न किसी स्तर की शिक्षा प्राप्त कर अध्ययन छोड चुके सदस्यों का विवरण निम्नानुसार हैः–

अध्ययन समाप्त/छोड़ चुके सदस्यों का शैक्षणिक स्तर

क्र.	संवर्ग (स्तर)	अध्ययनरत सदस्यों की संख्या					
		महिला		पुरूष		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	प्राथमिक	1545	72.64	1838	65.85	3383	68.79
2.	माध्यमिक	420	19.75	724	25.94	1144	23.26

3.	हाईस्कूल / हायर सेकण्ड्री	154	7.24	215	7.71	369	7.50
4.	स्नातक	06	0.28	12	0.43	18	0.37
5.	स्नातकोत्तर	02	0.09	02	0.07	04	0.08
	योग	**2127**	**100.00**	**2791**	**100.00**	**4918**	**100.00**

अध्ययन समाप्त / छोड़ चुके सदस्यों का शैक्षणिक स्तर

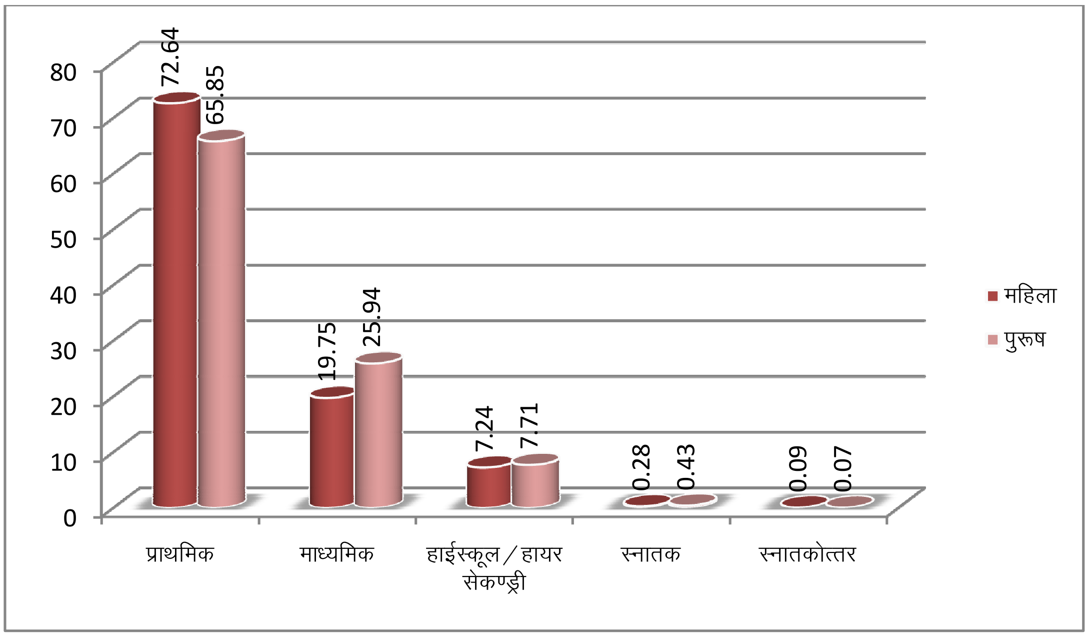

उपरोक्तानुसार पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति के कुल शिक्षित सदस्यों में से 4918 सदस्यों द्वारा किसी न किसी स्तर की शिक्षा अर्जित कर अध्ययन छोड दिया है जिसमें पुरूषों की संख्या 56.75 प्रतिशत एवं महिला वर्ग की संख्या 43.25 प्रतिशत है।

प्राथमिक स्तर पर कुल 68.79 प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त कर अध्ययन छोड दिया जिसमें 65.85 प्रतिशत पुरूष एवं 72.64 प्रतिशत महिला है।

माध्यमिक स्तर पर कुल 23.26 प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त कर अध्ययन छोड दिया जिसमें 25.94 प्रतिशत पुरूष एवं 19.75 प्रतिशत महिला है।

हाईस्कूल/हायर सेकण्ड्री स्तर पर कुल 7.50 प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त कर अध्ययन छोड दिया जिसमें 7.70 प्रतिशत पुरूष एवं 7.24 प्रतिशत महिला है।

स्नातक स्तर पर कुल 0.37 प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त कर अध्ययन छोड दिया जिसमें 0.43 प्रतिशत पुरूष एवं 0.28 प्रतिशत महिला है।

स्नातकोत्तर स्तर पर कुल 0.08 प्रतिशत व्यक्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त कर अध्ययन छोड दिया जिसमें 0.07 प्रतिशत पुरूष एवं 0.09 प्रतिशत महिला है।

4.5 शालागामी उम्र समूह में साक्षरता

पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में शालागामी उम्र समूह 7–14 वर्ष की साक्षरता दर का विवरण निम्नांकित है:–

शालागामी उम्र समूह 7–14 में साक्षरता की स्थिति

क्र.	विवरण	संख्या					
		महिला		पुरूष		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	साक्षर	3164	78.24	3569	82.10	6733	80.24
2.	निरक्षर	880	21.76	778	17.90	1658	19.76
	योग	**4044**	**100.00**	**4347**	**100.00**	**8391**	**100.00**

शालागामी उम्र समूह 7–14 में साक्षरता की स्थिति

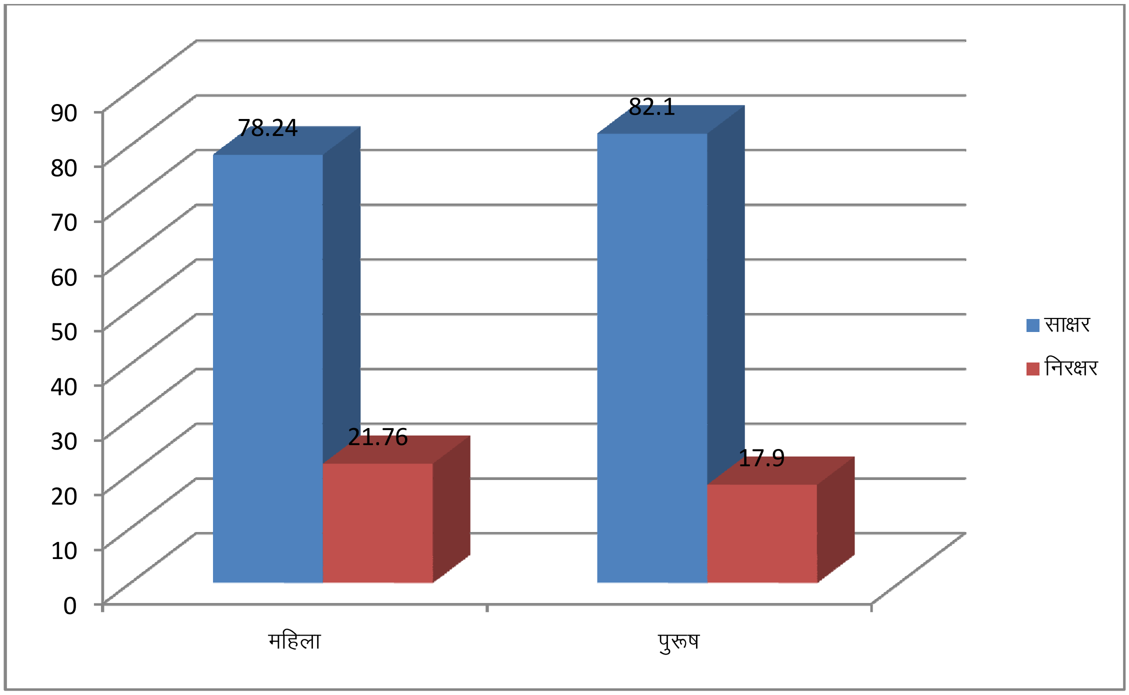

उपरोक्तानुसार पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति में 7–14 वर्ष उम्र समूह की कुल जनसंख्या 8391 है जिसमें पुरूष जनसंख्या 4347 एवं स्त्री जनसंख्या 4044 है।

तदानुसार पहाडी कोरवा विशेष पिछडी जनजाति के 7–14 वर्ष उम्र समूह में कुल साक्षरता 80.24 प्रतिशत है जिसमें पुरूष साक्षरता 82.10 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 78.24 प्रतिशत है।

7–14 वर्ष उम्र समूह में साक्षरता का प्रतिशत बहुत अच्छा है निश्चित ही सर्व शिक्षा अभियान, शतः प्रतिशत शाला में नामांकन एवं शासन की शिक्षा संबंधी अन्य योजनाएं परिणाम मूलक शाबित हो रही है।

4.6 आंगनबाडी में अध्ययनरत बच्चों का विवरण

सामान्यतः अंगनबाडी की स्थापना गर्भवती स्त्रियों, धात्री माताओं, शिशुओं के पोषण, प्राथमिक स्वास्थ्य एवं 03–06 वर्ष के आयु के बालक–बालिकाओं को औपचारिक शिक्षा

के साथ–साथ पोषण आहार दिये जाने के लिए की गई है। पहाडी कोरवा जनजाति में औपचारिक शिक्षा हेतु 03–06 वर्ष उम्र समूह के बालक–बालिकाएँ जो अंगनबाडी जाते है, उनकी जानकारी निम्नांकित है :–

क्र.	विवरण	0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या					
		बालिका		बालक		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	आंगनबाडी जाने वाले बच्चे	1735	43.56	1712	43.33	3447	43.45
2.	आंगनबाडी नहीं जाने वाले बच्चे	2248	56.44	2239	56.67	4487	56.55
योग		3983	100.00	3951	100.00	7934	100.00

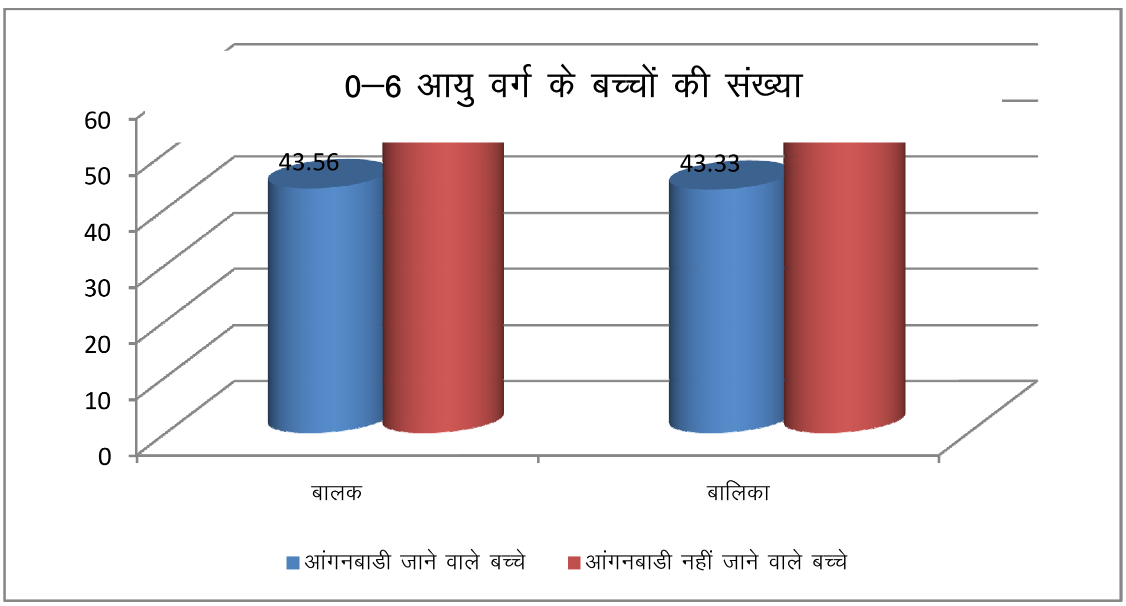

उपरोक्तानुसार 0–6 आयु वर्ग के 43.45 प्रतिशत बच्चे आंगनबाडी जाते है जिसमे बालक 43.33 प्रतिशत एवं बालिका 43.56 प्रतिशत है।

अध्याय – 5

सामाजिक – आर्थिक स्थिति :–

समाज चाहे आदिम हो, ग्रामीण या शहरी भोजन, वस्त्र एवं आवास उनकी मूलभत आवश्यकता होती है जिनकी पूर्ति के लिए वे विभिन्न आर्थिक क्रिया–कलाप करते है। सुदूर वनांचलों में रहने वाली विभिन्न जनजातियां विशेषकर विशेष पिछड़ी जनजातियों की अर्थव्यवस्था वनाश्रित होते है। इनके आवास निर्माण की अधिकांश सामग्रीयां वनो से प्राप्त होती है। विभिन्न वनोत्पाद यथा कंदमूल, फल, पत्तियां, चार, चिरौंजी आदि का संग्रहण कर वे खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग करते है। इनके वस्त्र आज भी पारंपरिक होते है।

वर्तमान परिदृश्य में शासन द्वारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से मजदूरी एवं अन्य रोजगार के साधन इन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार इंदिरा आवास योजना के माध्यम से निःशुल्क एवं पक्के आवास का निर्माण भी कराया जा रहा है।

आवास स्वामित्व :–

आवास स्वामित्व किसी परिवार के लिए न केवल जीवन निर्वाह के लिए अपितु आर्थिक क्रियाकलाप के संचालन के लिए भी महत्तवपूर्ण है। सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में आवास स्वामित्व की स्थिति निम्नानुसार है :–

क्र.	आवास स्वामित्व का विवरण	परिवार संख्या	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	स्वयं का	10562	94.01
2.	स्वयं का नहीं	673	5.99
	योग	11235	100.00

आवास स्वामित्व का विवरण

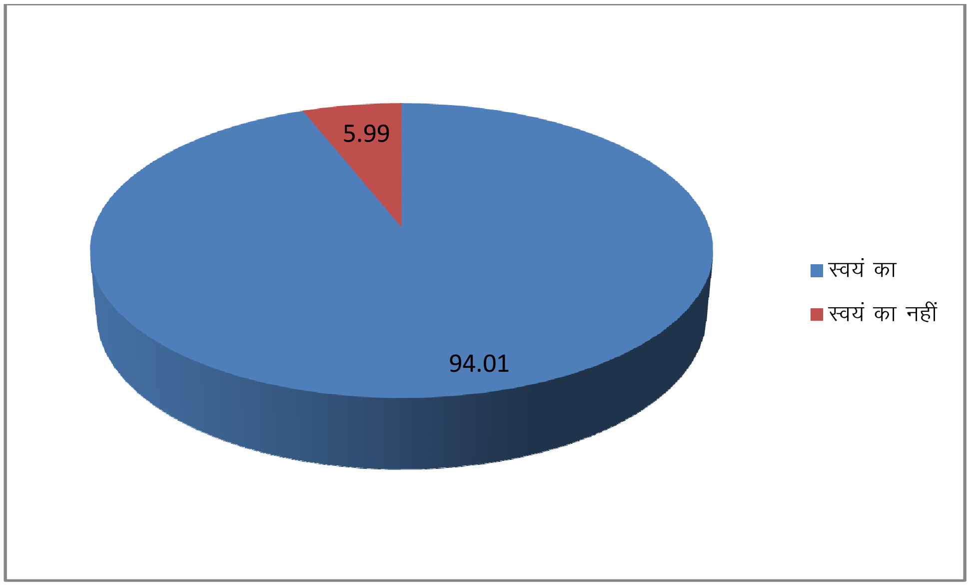

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के सर्वेक्षित कुल 11235 परिवारों में से 94.01 प्रतिशत (10562) परिवारों के पास स्वयं का आवास है, शेष 5.99 प्रतिशत (673) परिवार अपने सगे–संबंधियों के आवास में रहना बताये है।

आवास में कक्षों की उपलब्धता :–

छत्तीसगढ़ में निवासरत पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवास प्रायः घास–फूस की झोपड़ी होती है अथवा एक या दो कमरे का खपरैल आवास होता है। कमरे के सामने के हिस्से को घेर कर एक कोने में अपना रसोई बनाते है शेष हिस्सो का उपयोग बैठने एवं अन्य समान रखने के लिए किया जाता है। उक्त सर्वेक्षण अनुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवास में कक्षों की उपलब्धता निम्नानुसार है :–

क्र.	कक्ष संख्या	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	01 कक्ष	8028	71.45

2.	02 कक्ष	2740	24.39
3.	03 कक्ष	345	3.07
4.	04–05 कक्ष	122	1.09
	योग	**11235**	**100.00**

आवास में कक्षों की उपलब्धता

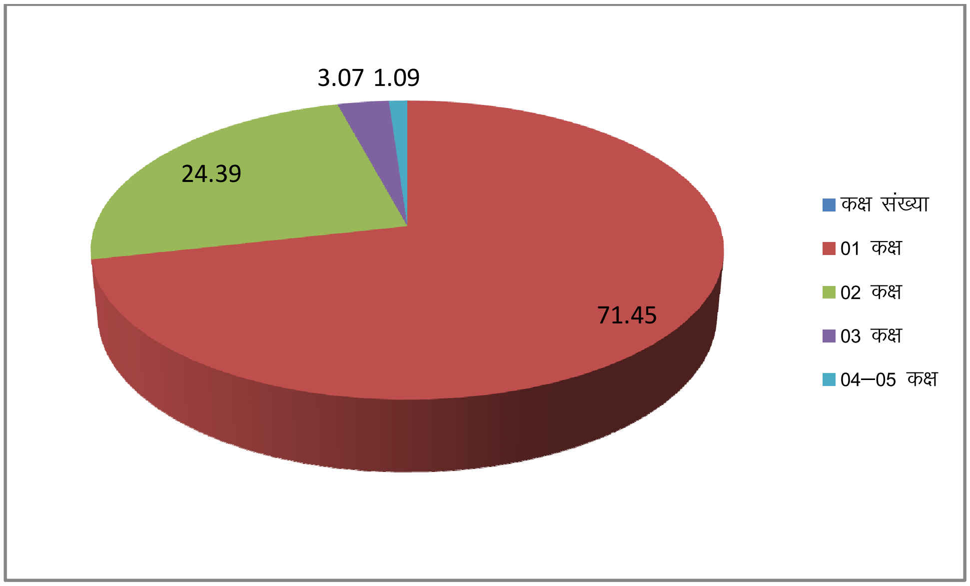

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के अधिकांश 71.45 प्रतिशत (8028) आवास 01 कक्ष के बने होते है। 02 कक्ष वाले आवास का प्रतिशत 24.39 (2740) पाया गया। 03 कक्ष वाले आवास 3.07 प्रतिशत (345) एवं 04–05 कक्ष वाले आवास बहुत ही कम मात्रा 1.09 प्रतिशत (122) ही सर्वेक्षण में दर्ज किया गया है।

स्पष्टतः पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवास एक या दो कक्ष के ही बने हुए पाये गये है। इनका सम्मिलित रूप से प्रतिशत 95.84 (10768) है।

आवासीय योजना से लाभान्वयन की स्थिति :–

शासन द्वारा आवासीय योजनाओं के माध्यम से पहाड़ी कोरवा जनजाति को भी आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। सर्वेक्षण अवधि तक इन्हें प्राप्त आवासो का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	पारंपरिक आवास	7677	72.69
2.	योजना (इंदिरा) आवास	2885	27.31
	योग	10562	100.00

आवासीय योजना के लाभान्वयन की स्थिति प्रतिशत में

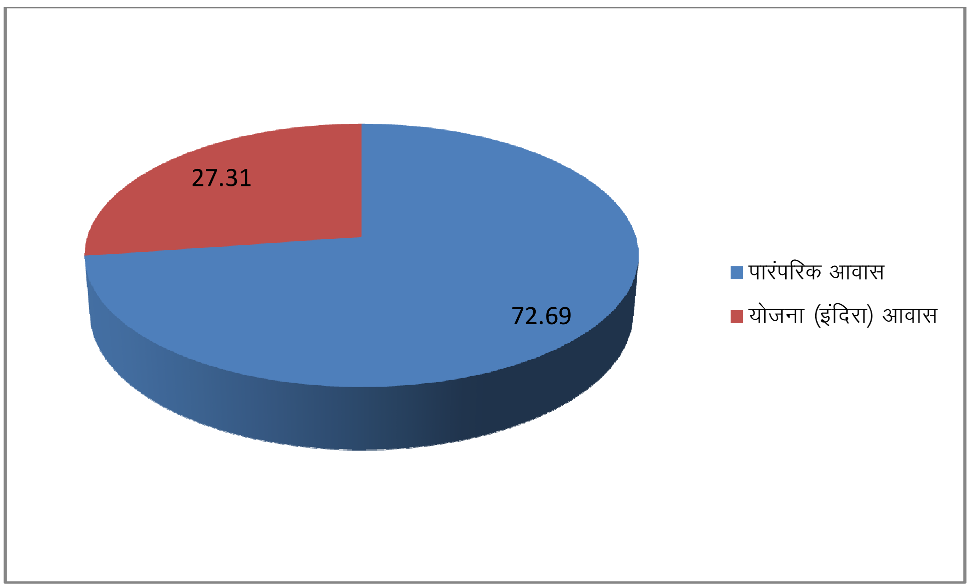

पहाड़ी कोरवा पिछड़ी जनजाति के सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 10562 के पास स्वयं का आवास उपलब्ध है। उपरोक्त तालिका अनुसार इनमें से 72.69 प्रतिशत (7677)

परिवार सर्वेक्षण अवधि तक स्वयं के बनाये घास–फूस या एक–दो कमरे के खपरैल आवासो में निवासरत पाये गये है। 27.31 प्रतिशत (2885) पहाड़ी कोरवा परिवारों को शासन के विभिन्न आवासीय योजनाओं के माध्यम से इंदिरा आवास या अन्य आवास उपलब्ध कराये गये हैं।

आवास आबंटन की अवधि :–

शासन द्वारा पंचायतों के माध्यम से अलग–अलग वर्षो में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारो के लिए आवास आबंटन किये जाते रहे है। सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि कुछ परिवार उनके पिता को 15–20 वर्ष पूर्व आबंटित हुए आवास में भी निवासरत है।

अतः पहाड़ी कोरवा जनजाति मे आवास आबंटन की अवधि ज्ञात करना भी आवश्यक है। सर्वेक्षण में प्राप्त आकड़े निम्नानुसार है :–

क्र.	शासकीय योजनाओं से आबंटित आवास की अवधि	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	05 वर्ष से कम	81	2.81
2.	5–10 वर्ष	917	31.79
3.	10–15 वर्ष	852	29.53
4.	15–20 वर्ष	266	9.22
5.	20 वर्ष से अधिक	769	26.65
	योग	**2885**	**100.00**

विभिन्न शासकीय आवास योजनाओं के तहत कुल 2885 परिवारों को लाभ हुआ है। जिनमें से सर्वाधिक 31.79 प्रतिशत (917) परिवारों को आवास आबंटन की अवधि 5–10 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। 10–15 वर्ष पूर्व 29.53 प्रतिशत (852) परिवारों को आवास आबंटन प्राप्त हो चुका है। 26.65 प्रतिशत (769) ऐसे भी परिवार है जिन्हे सर्वेक्षण अवधि से 20 वर्ष से भी

अधिक समय से आवास आबंटन प्राप्त हुए है। हाल के वर्षो अर्थात 05 वर्ष से कम समय में मात्र 2.81 प्रतिशत (81) परिवारों को विभिन्न आवास योजना के माध्यम से आवास आबंटन प्राप्त हुए है।

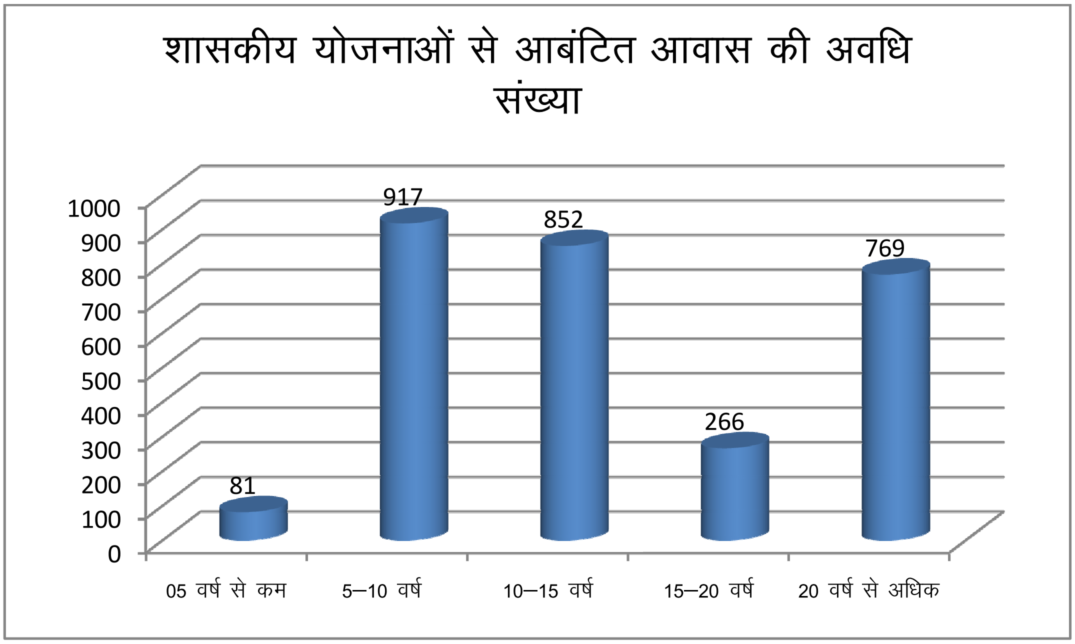

आवास प्रकार :–

छत्तीसगढ़ में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के आवास प्रायः कच्चे एवं अर्द्ध पक्के प्रकार के होते है। विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से इसके लिए पक्के आवास बना कर दिये जा रहें है। सर्वेक्षित पहाड़ीं कोरवा परिवारों के आवास के दीवाल, छत एवं फर्श की स्थिति क्रमशः निम्नानुसार है :–

1. दीवार का प्रकार

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवास में दीवार का प्रकार निम्नानुसार हैः—

क्र.	दीवार का प्रकार	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	मिट्टी	8046	71.62
2.	मिट्टी एवं लकड़ी	1753	15.60
3.	मिट्टी एवं बांस	102	0.91
4.	अर्द्ध पक्का	1244	11.07
5.	पक्का	90	0.80
	योग	11235	100.00

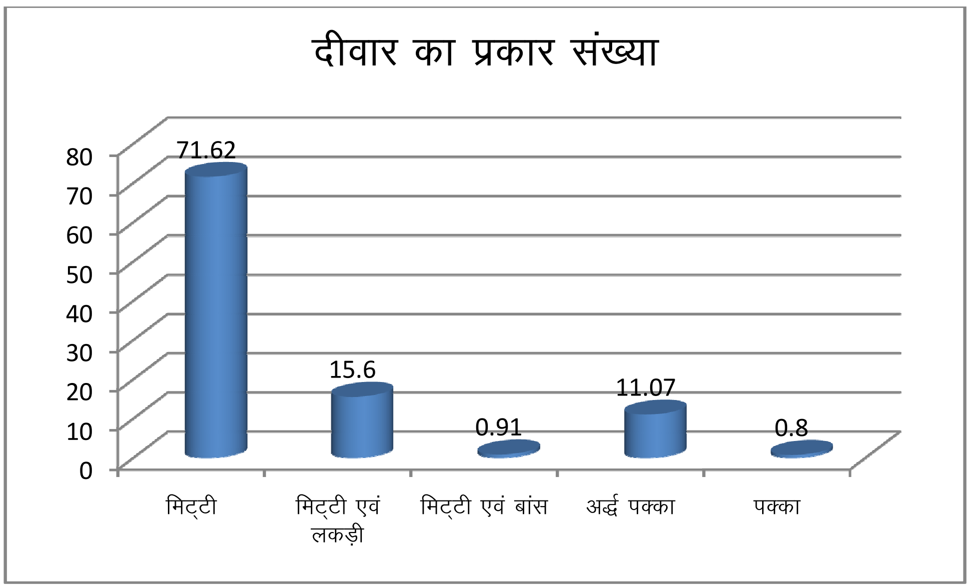

उपरोक्त तालिका अनुसार सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के अधिकांश 71.62 प्रतिशत (8046) परिवारो के आवास के दीवार मिट्टी के बने होते है। पक्के दीवार वाले आवास मात्र 0.80 (90) प्रतिशत परिवारों के ही पाये गये है।

2. छत का प्रकार

पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवास में छत का प्रकार निम्नानुसार है :–

क्र.	छत का प्रकार	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	घास–फूस	1819	16.19
2.	खपरैल	9221	82.07
3.	एसब्रेस्टस	139	1.24
4.	सीमेंट–कांक्रीट	56	0.50
	योग	**11235**	**100.00**

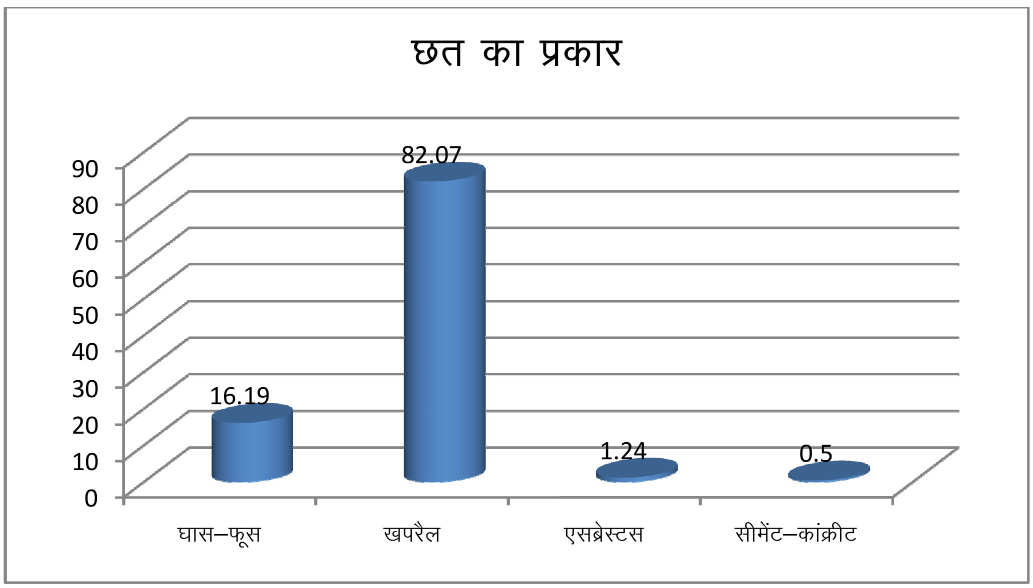

उपरोक्त तालिका अनुसार सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के अधिकांश 82.07 प्रतिशत (9221) परिवारों के आवास के छत खपरैल पाये गये है। उक्त सर्वेक्षण में अभी भी 16.19 प्रतिशत (1819) परिवार घास–फूस से बने छत वाले आवास में

निवासरत पाये गये है। जबकि एसब्रेस्टस 1.24 प्रतिशत (139) एवं सीमेंट क्रांकीट 0.50 प्रतिशत (56) छत वाले आवास की संख्या बहुत ही न्यून है।

3. फर्श का प्रकार

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवासो में फर्श का प्रकार निम्नानुसार है:–

क्र.	फर्श का प्रकार	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	कच्चा	10184	90.65
2.	अर्द्ध पक्का	978	8.75
3.	पक्का	73	0.65
	योग	**11235**	**100.00**

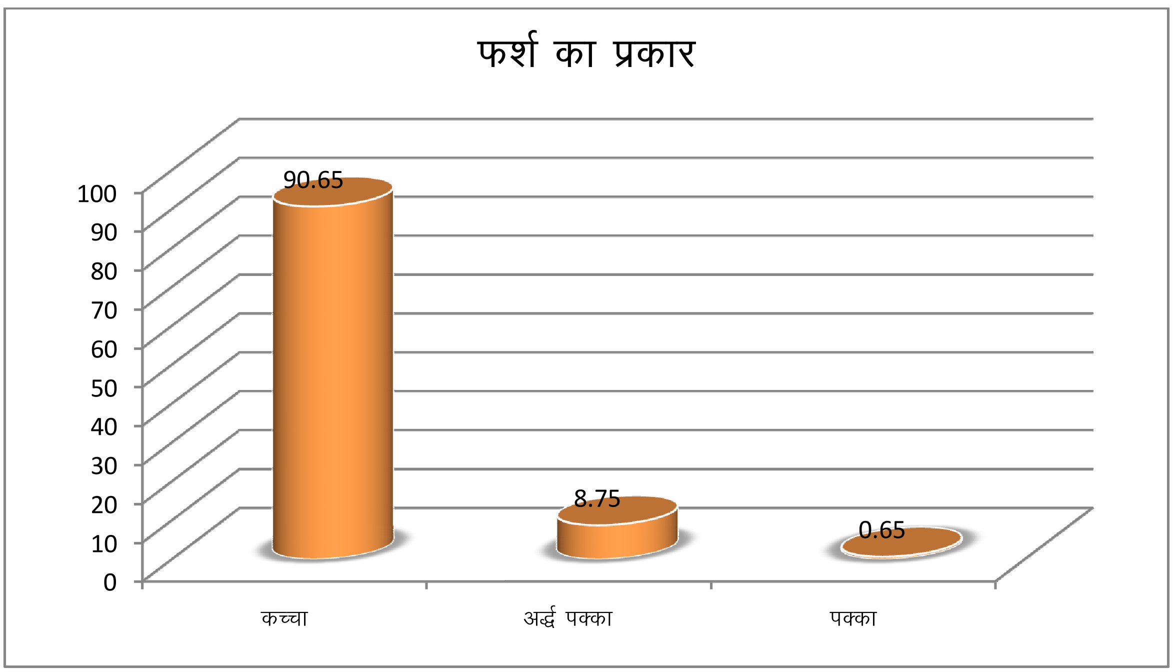

उपरोक्तुसार सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के आवास का फर्श सर्वाधिक 90.65 प्रतिशत कच्चा पाया गया है। पक्के फर्श वाले आवास मात्र 0.65 प्रतिशत ही पाये गये है।

4. घर का निवास क्षेत्र

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के आवास प्राय: 01 या 02 कमरे के होते है। घर का निवास क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	निवास क्षेत्र (वर्ग फीट में)	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	400 से कम	9525	84.78
2.	400–500	944	8.40
3.	500 से अधिक	766	6.82
	योग	11235	100.00

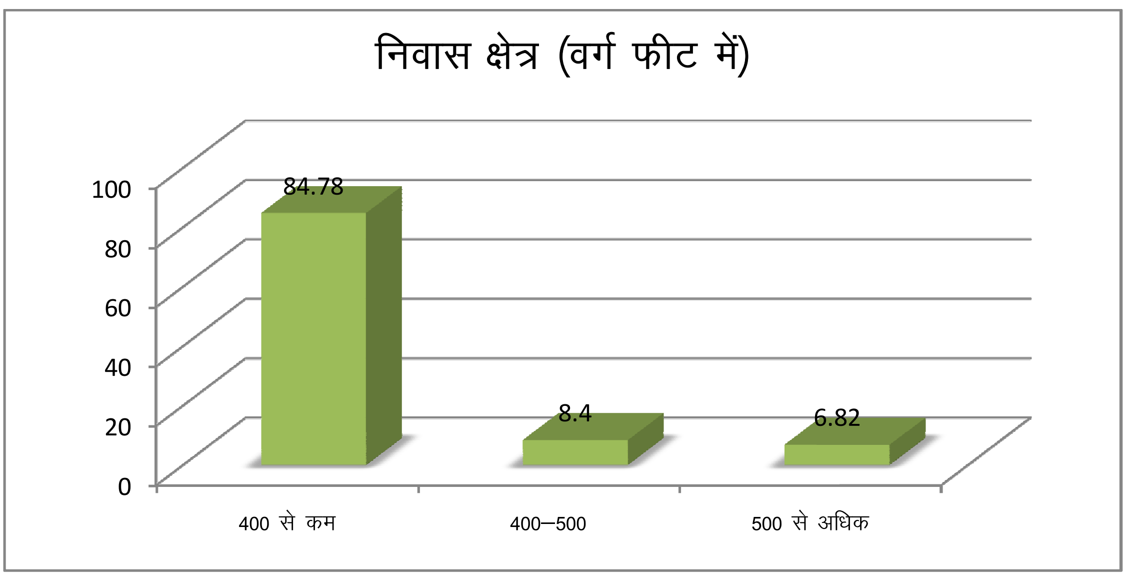

उपरोक्तानुसार सर्वाधिक 84.78 प्रतिशत परिवारों के आवास का निवास क्षेत्र मात्र 400 से भी कम वर्ग फीट में बना हुआ अंकित किया गया है।

कार्यशीलता :–

जनजातीय समाजों की अर्थव्यवस्था का आधार परिवार होता है, जिसके सभी सदस्य मिलकर कार्य करते है। आर्थिक उपार्जन के कार्य इनमें गौण होता है। जिसका प्रमुख कारण इनमें संग्रह करने की प्रकृति का अभाव है। किसी भी परिवार के सदस्यों को अकार्यशील, कार्यशील एवं आंशिक कार्यशील में विभक्त किया जाता है। 0–14 वर्ष, 60 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्य, अंधे, निशक्तजनों को आंशिक कार्यशील एवं अकार्यशील सदस्यों में वर्गीकृत किया जाता है। शेष जनसंख्या अर्थात 15 से 60 वर्ष के आयु के सदस्यों के कार्यशील जनसंख्या में गणना की जाती है।

अतः उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल जनसंख्या में से कार्यशील जनसंख्या का वर्गीकरण निम्नानुसार है :–

क्र.	विवरण	पुरूष		स्त्री		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	कार्यशील जनसंख्या	12314	55.55	12225	56.05	24539	55.79

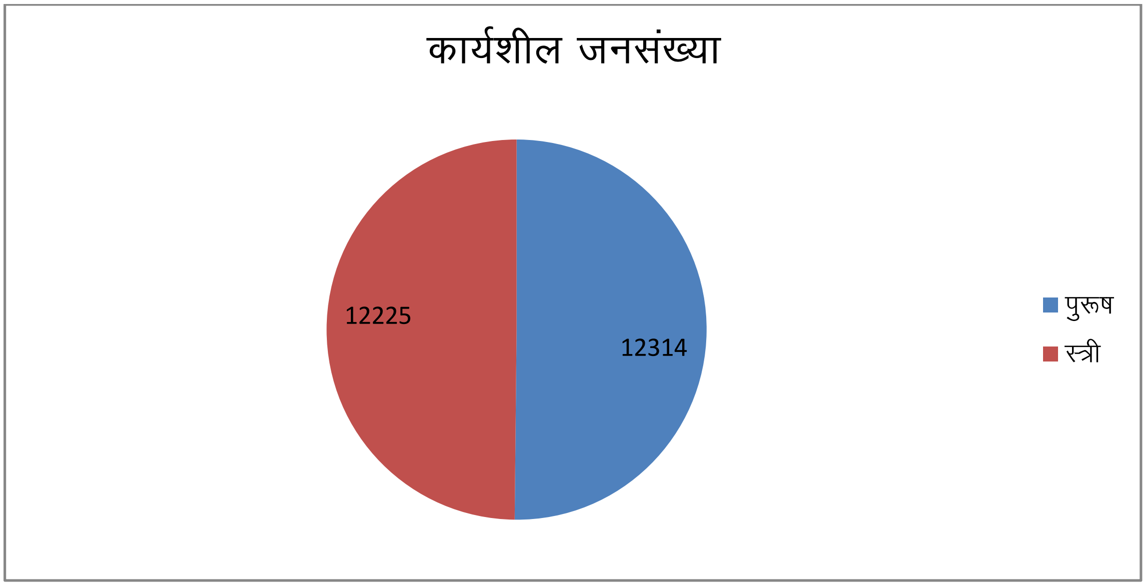

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल जनसंख्या 43981 (पु. 22169 म. 21812) में से 55.79 प्रतिशत (पुरूष 12314, महिला 12225) जनसंख्या कार्यशील है जिसमें 55.55 प्रतिशत पुरूष एवं 56.05 प्रतिशत महिला जनसंख्या है जो सक्रिय रूप से परिवार के भरण–पोषण हेतु आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता हेतु प्रयासरत होते है।

व्यावसायिक वर्गीकरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति द्वारा परम्परागत तरीके से आर्थोपार्जन किया जाता है। आय का मुख्य स्त्रोत मजदूरी या कृषि मजदूरी है, इसके अलावा परम्परागत कृषि एवं वनोपज संग्रहण का कार्य इनके द्वारा किया जाता है जो इनके उदरपूर्ति के प्रमुख साधन है। कृषि से प्राप्त अनाज प्रायः स्वयं उपभोग में ही समाप्त हो जाता है किन्तु विभिन्न वनोपज यथा तेन्दुपत्ता, महुआ, चिरौंजी आदि बेचकर कुछ आय प्राप्त भी किया जाता है कभी–कभी वनों में छोट–छोटे जीव–जन्तु दिखायी दे जाने पर उसे मारकर खा लिया जाता है।

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की आर्थिक संलग्नता के प्राथमिक अथवा मुख्य व्यवसाय एवं द्वितीयक अथवा गौण व्यवसाय में विभक्त किया जा सकता है। सर्वेक्षण से

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इनकी प्राथमिक अथवा मुख्य व्यवसाय में व्यक्तियों की संलग्नता निम्नानुसार है–

प्राथमिक व्यवसाय में संलग्नता

क्र.	प्राथमिक व्यवसाय	संलग्न व्यक्ति					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	कृषि	5749	46.69	4255	34.81	10004	40.77
2.	वनोपज	1354	10.99	2917	23.86	4271	17.40
3.	मजदूरी	4859	39.46	3697	30.24	8556	34.87
4.	सेवा/नौकरी	127	1.03	30	0.25	157	0.64
5.	अन्य	225	1.83	1326	10.84	1551	6.32
	योग	**12314**	**100.00**	**12225**	**100.00**	**24539**	**100.00**

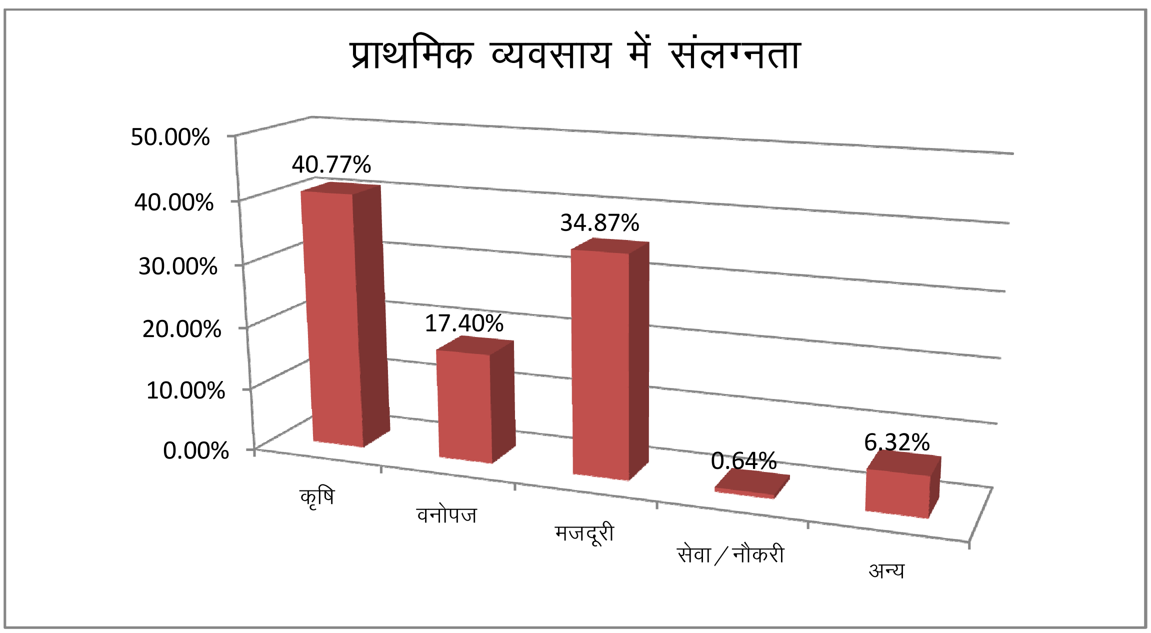

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की कुल कार्यशील जनसंख्या में से सर्वाधिक 40.77 प्रतिशत (संख्या 10004) परम्परागत कृषि कार्य में संलग्न पाये

गये जिसमें पुरूष संलग्नता 46.69 प्रतिशत (संख्या 5749) एवं महिला संलग्नता 34.81 प्रतिशत (संख्या 4255) पायी गयी है। तत्पश्चात् मजदूरी में 34.87 प्रतिशत (संख्या 8556) एवं वनोपज संग्रहण में 17.40 प्रतिशत (संख्या 4271) व्यक्ति संलग्नता पाये गये है। नौकरी/सेवा में पहाड़ी कोरवा व्यक्तियों की संलग्नता बहुत कम मात्र 0.64 प्रतिशत (संख्या 157) पायी गयी है। जिसमें पुरूष 1.03 प्रतिशत (संख्या 127) एवं महिला 0.25 प्रतिशत (संख्या 30) दर्ज किया गया है।

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में द्वितीयक अथवा गौण व्यवसाय में संलग्नता का विवरण निम्नानुसार है–

द्वितीयक अथवा गौण व्यवसाय में संलग्नता

क्र.	द्वितीयक व्यवसाय	संलग्न व्यक्ति					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	कृषि	3749	31.34	2255	19.38	6004	25.45
2.	वनोपज	4123	34.47	6112	52.54	10235	43.38
3.	मजदूरी	3569	29.83	3170	27.25	6739	28.56
4.	सेवा/नौकरी	51	0.43	13	0.11	64	0.27
5.	अन्य	470	3.39	83	0.72	553	2.34
	योग	**11962**	**100.00**	**11633**	**100.00**	**23595**	**100.00**

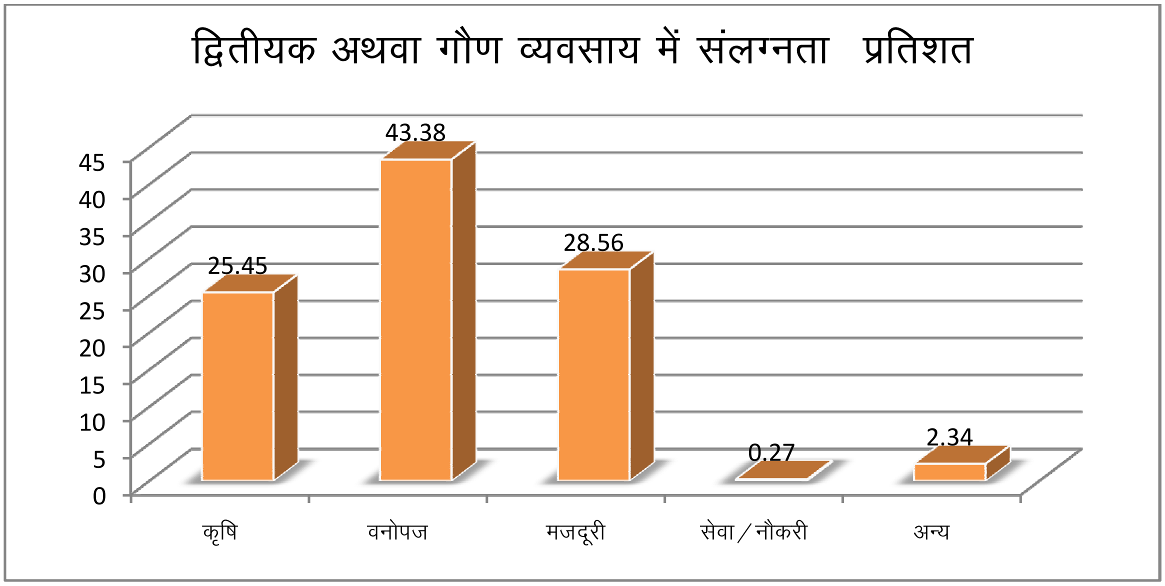

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा जनजातियों की द्वितीयक अथवा गौण व्यवसाय के रूप में सर्वाधिक 43.38 प्रतिशत (10235) वनोपज संकलन के कार्य में संलग्नता पायी गयी है जिसमें पुरूष 34.47 प्रतिशत (संख्या 4123) एवं महिला 52.54 प्रतिशत (संख्या 6112) संलग्नता पायी गयी है। इसी प्रकार सबसे कम 0.27 प्रतिशत (संख्या 64) व्यक्तियों की संलग्नता सेवा/नौकरी के कार्य में पायी गयी है जिसमें पुरूष 0.43 प्रतिशत (संख्या 51) एवं महिला 0.11 प्रतिशत (संख्या 64) संलग्नता पायी गयी है।

रोजगार हेतु मानव दिवस की संख्या :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के अधिकांश व्यक्तियों द्वारा वर्तमान में भी केवल परम्परागत अर्थोपार्जन के कार्य में संलग्नता पायी जाती है जो केवल उदरपूर्ति में सहायक है। इससे आर्थिक विकास या आय में किसी प्रकार की बढ़ोत्तरी नहीं हो पाती है। शासन द्वारा पंचायत स्तर में ही रोजगार उपलब्ध कराने रोजगार गारंटी योजना एवं अन्य आर्थिक विकास के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। इन कार्यो विशेष कर मजदूरी एवं अन्य सेवा या नौकरी में पहाड़ी कोरवा व्यक्तियों को वर्ष में प्राप्त रोजगार हेतु मानव दिवस की संख्या निम्नानुसार है :–

क्र.	मानव दिवस	संलग्न व्यक्ति					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	2 माह से कम	117	2.35	273	7.32	390	4.48
2.	2–4 माह	2319	46.51	1862	49.96	4181	47.98
3.	4–6 माह	1562	31.33	1220	32.74	2782	31.93
4.	6 माह से अधिक	988	19.18	372	9.98	1360	15.61
	योग	**4986**	**100.00**	**3727**	**100.00**	**8713**	**100.00**

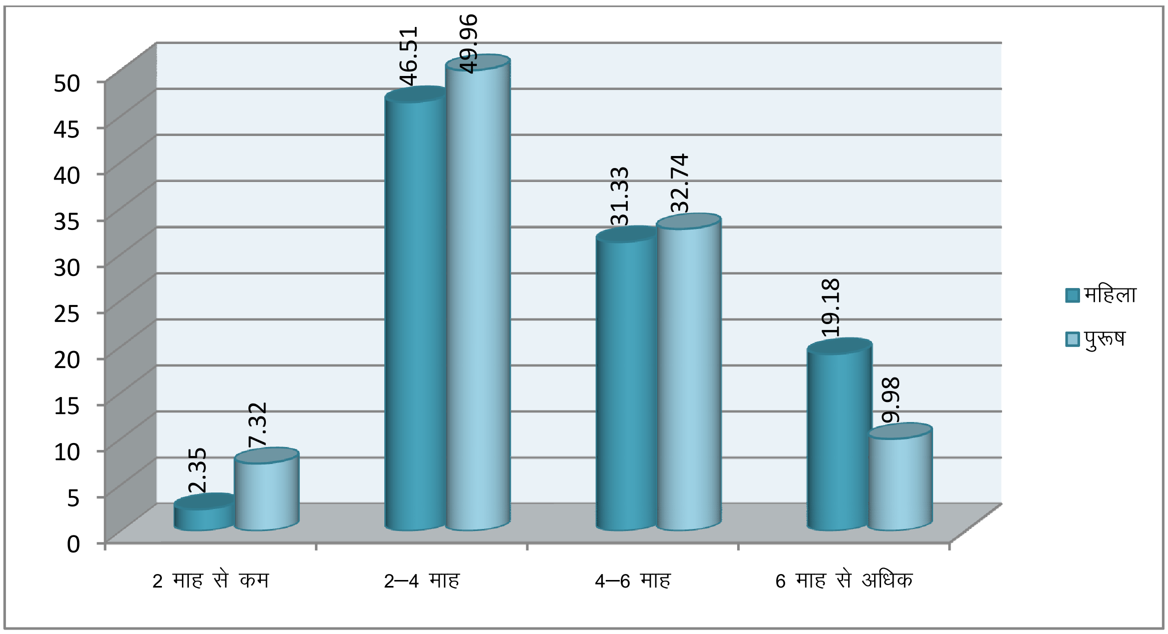

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति के कुल 8713 व्यक्ति जिसमें पुरूष संख्या 4986 एवं महिला संख्या 3727 शामिल है को मजदूरी एवं अन्य सेवा या नौकरी के रूप में रोजगार प्राप्त हुए है इसमें सर्वाधिक 47.98 प्रतिशत (संख्या 4181) व्यक्तियों को मात्र 2–4 माह रोजगार उपलब्ध हुआ, इसके पश्चात् 31.93 प्रतिशत (संख्या 2762) व्यक्तियों को 4–6 माह रोजगार प्राप्त हुआ है। 6 माह से अधिक रोजगार प्राप्त व्यक्तियों की संख्या मात्र 15.16 प्रतिशत (संख्या 1360) पायी गयी है।

भूमि धारिता :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति पूर्व समय में मुख्य रूप से स्थानांतरित कृषि करते थे किन्तु वर्तमान में स्थायी कृषि की ओर धीरे–धीरे उन्मुख होते जा रहें हैं। वर्षों से काबिज वनभूमि का वनअधिकार पत्र शासन द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है। प्रस्तुत सर्वेक्षण अनुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति के 11235 परिवारों की भूमि धारिता की स्थिति निम्नानुसार है–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	भूमि धारक (स्वयं के अधिपत्य एवं अतिक्रमण)	6956	61.91
2.	भूमिहीन	4279	38.09
	योग	**11235**	**100.00**

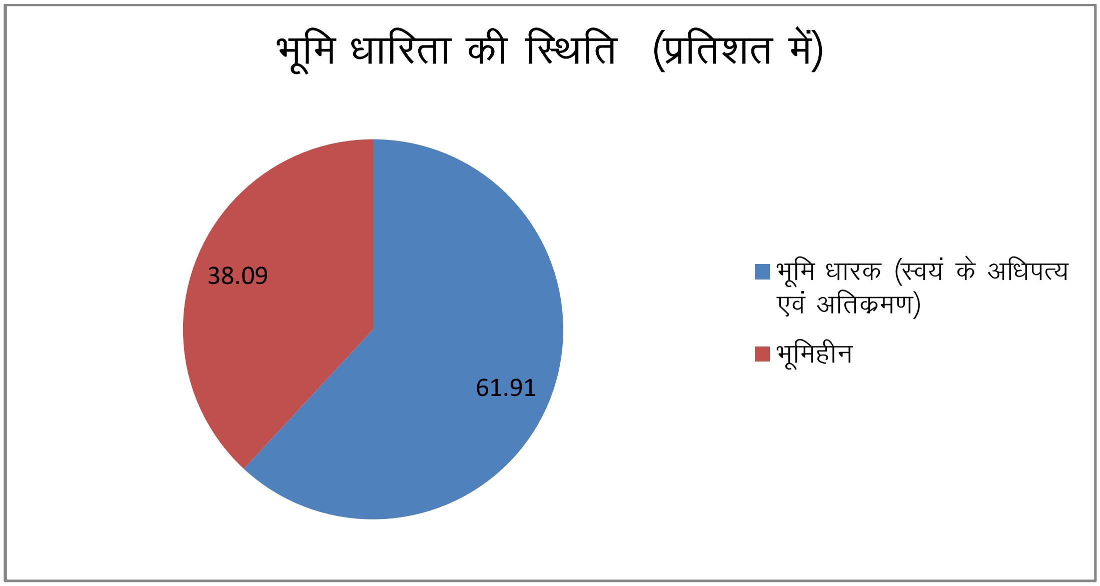

उपरोक्तानुसार कुल सर्वेक्षित 11235 पहाडी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों में से 61.91 प्रतिशत (संख्या 6956) परिवार भूमिधारक है। इनके पास स्वयं के अधिपत्य या अतिक्रमण भूमि उपलब्ध है।

भूमि का प्रकार :–

उक्त सर्वेक्षण में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कुल 11235 परिवारों में से 61.91 प्रतिशत अर्थात् 6956 परिवार भूमिधारक है जिनके पास स्वयं के अधिपत्य एवं अतिक्रमित भूमि उपलब्ध है। उक्त भूमि का प्रकार अर्थात सिंचित भूमि धारक एवं असंचित भूमि धारक परिवारों का विवरण निम्न तालिका में दर्शित है–

क्र.	भूमि का प्रकार	भूमि धारक परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	असिंचित	6030	86.69
2.	सिंचित	926	13.31
	योग	**6956**	**100.00**

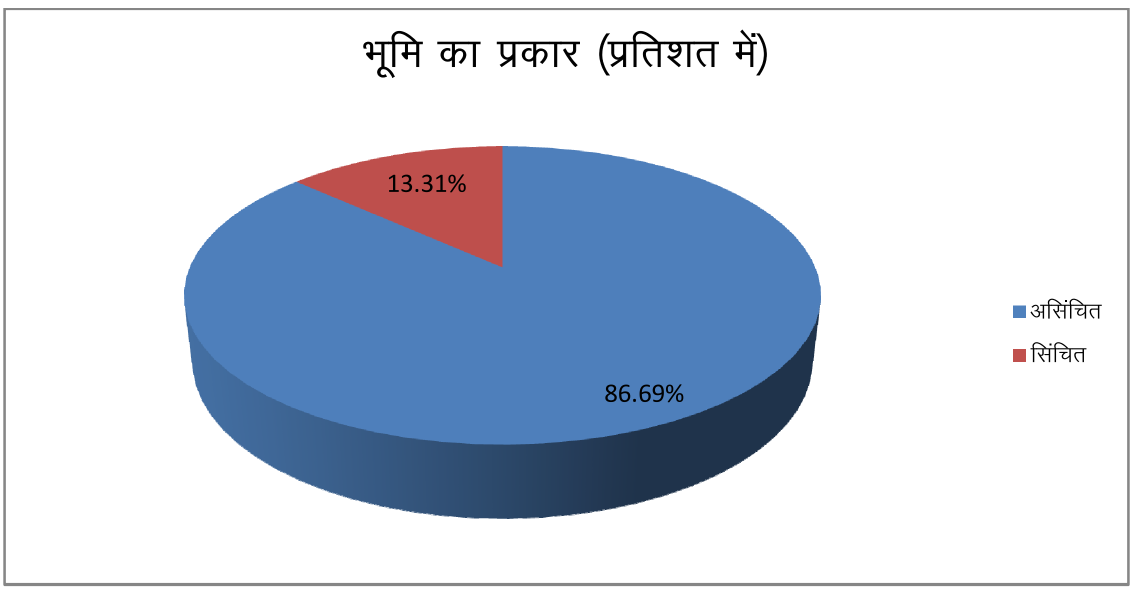

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के कुल 6956 भूमिधारक परिवारों में से 86.69 प्रतिशत (संख्या = 6030) परिवारों के पास असिंचित भूमि है, मात्र 13.31 प्रतिशत (संख्या = 926) परिवारों के पास ही सिंचित भूमि उपलब्ध है।

भूमिधारिता :– भूमि का रकबा

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के स्वयं के अधिपत्य की भूमि का रकबा का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	स्वयं के अधिपत्य की भूमि का विवरण	रकबा (एकड़ में)	स्वयं के अधिपत्य वाले भूमि धारक परिवार संख्या	प्रति परिवार औसत भूमि धारिता (एकड़)
1	2	3	4	5
1.	असिंचित	14975	6030	2.48
2.	सिंचित	1484	926	1.60
	योग	**16459**	**6956**	**2.37**

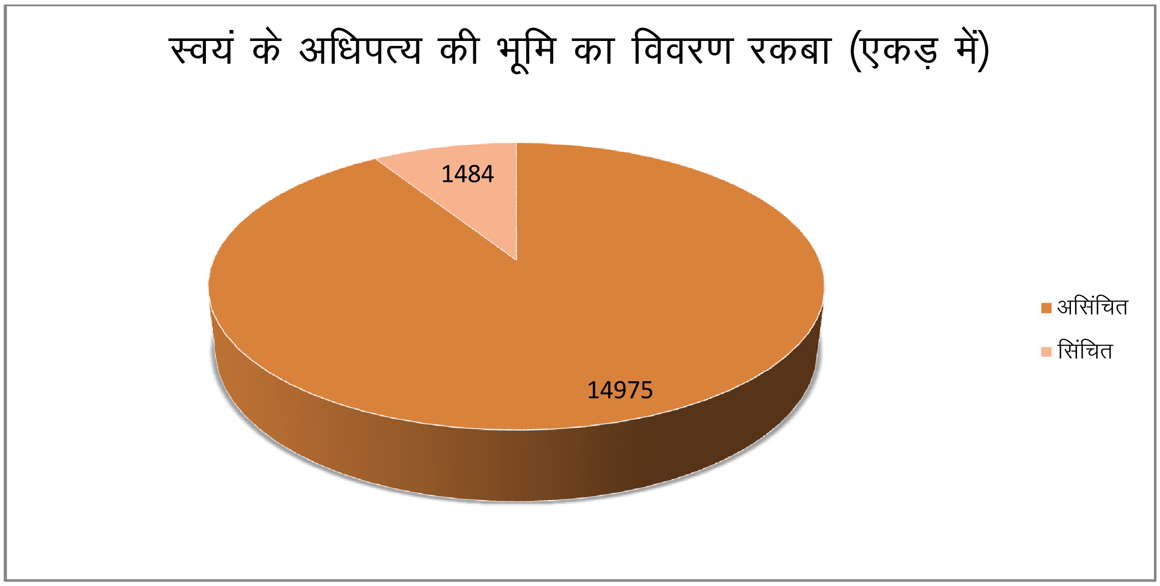

उपरोक्तानुसार स्वयं के अधिपत्य वाले भूमिधारक 6956 परिवारों के पास कुल 16459 एकड़ भूमि उपलब्ध है जो प्रति परिवार औसतन 2.37 एकड़ भूमि है। इसमें से 6030

परिवार के पास कुल रकबा 1497 एकड़ की असिंचित भूमि प्रति परिवार 2.48 एकड़ भूमि उपलब्ध है। मात्र 926 परिवार के पास कुल 1484 एकड़ प्रति परिवार 1.60 एकड़ सिंचित भूमि है।

बेवर या स्थानांतरित कृषि पर निर्भरता :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति द्वारा पूर्व समय में बेवर या स्थानांतरित कृषि बहुतायत में किया जाता था। जिसमें शासकीय प्रयासों के माध्यम से कमी आयी है। इस प्रकार ''बेवर'' अर्थात जंगल को काटकर किये जाने वाले कृषि को बेवार कृषि कहा जाता है। एक बार जंगल काटे हुए स्थान पर दो तीन वर्ष तक कृषि करने के पश्चात वह जमीन अनऊपजाउ हो जाती है। इसलिए दो–तीन वर्ष पश्चात उक्त स्थान को छोड़कर पुनः नये स्थान के जंगल को काटकर वहां कृषि किया जाता है। इस कारण उसे स्थानांतरित कृषि भी कहा जाता है। बेवर या स्थानांतरित कृषि से वनो को बहुत क्षति होती थी। एवं धीरे–धीरे वन क्षेत्र में कमी होने लगी इस कारण पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा कृषि के उक्त पद्धति पर रोक लगा दी गयी है।

उक्त सर्वेक्षण अनुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति के सर्वेक्षित परिवारों की ''बेवर''' या स्थानांतरित कृषि पर निर्भरता निम्न तालिका में दर्शित है :–

क्र.	विवरण	परिवार					
		हां		नहीं		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	संलग्नता	3195	28.44	8040	71.56	11235	100.00

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के कुल सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 28.44 प्रतिशत (संख्या = 3195) परिवारों की स्थानांतरित कृषि में आंशिक रूप से संलग्नता पायी गयी है।

अधिया अंतर्गत भूमि का विवरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के भूमिहीन अथवा गणना कम रकबे वाले भूमिधारक परिवारो के द्वारा या जो कृषि कार्य करने में अधिक सक्षम होते है वे किसी अन्य कृषक जो स्वयं कृषि कार्य करने में अक्षम होते है उनकी जमीन की उपज का आधा हिस्सा कृषि मालिक को दिये जाने संबंधी करार के आधार पर कृषि कार्य करने हेतु कृषि भूमि लिया जाता है इसलिए इसे अधिया भूमि कहा जाता है।

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवारों द्वारा अधिया अंतर्गत भूमि लेकर कृषि कार्य करने वाले परिवारों का विवरण निम्न तालिका में दर्शित है :–

क्र.	विवरण	अधिया भूमि लिये परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	हां	311	2.77
2.	नही	10924	93.23
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 2.77 प्रतिशत (संख्या = 311) परिवार अधिया अंतर्गत किसी अन्य कृषक के भूमि में कृषि कार्य करते है।

बंधक रखे गये भूमि का विवरण :–

कभी–कभी आकस्मिक आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बंधक के रूप में अपनी भूमि की बदले किसी पारिवारिक सदस्य या अन्य कृषक के पास से ऋण लिया जाता है। जब तक ऋण की राशि चुकता नहीं हो जाती तब तक उक्त भूमि कर्ज देनदार अपने काबिज में रख लेता है।

भू राजस्व अधिनियम में किये गये आवश्यक संशोधन के उपबंधो के अनुसार किसी जनजाति समुदाय के व्यक्ति की भूमि गैर जनजाति की व्यक्ति को किये गये हस्तांरण को अवैध कर दिया गया है। तथापि भूमि हस्तांतरण या भूमि बंधक रखने जैसी घटनाएं कभी–कभी सामने आती रहती है।

क्र.	विवरण	भूमिधारक परिवार					
		हां		नहीं		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	बंधक रखी भूमि वाले परिवार	32	0.46	6924	99.54	6956	100.00

उपरोक्त तालिका अनुसार सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के 6956 भूमि धारक परिवारों में से 0.46 प्रतिशत (संख्या = 32) परिवार ऐसे है जिन्होने अपनी आर्थिक आवश्यकताओं के लिए अपनी कृषि भूमि किसी पारिवारिक रिश्तेदार या अन्य कृषक के काबिज में दिया हुआ है।

पशुधन :–

पहाड़ी कोरवा एक विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय है। इनमें मुख्य रूप से मुर्गी एवं बकरे का पालन किया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य इनके सामाजिक परम्पराओं एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में इसकी उपयोगिता है। कृषि कार्य की ओर उन्नत होने के कारण बैल का पालन भी किया जा रहा है। गाय पालन का उद्देश्य दूध प्राप्त करने के बजाय बछड़ा प्राप्त करना होता है जो बड़ा होकर हल आदि में जोतने का कार्य आता है। सुअर पालन का उद्देश्य भी धार्मिक अनुष्ठान एवं सामाजिक भोज से जुड़ा है। इस प्रकार जनजाति समाज में पशुपालन का उद्देश्य आर्थिक लाभ कमाना नहीं है अपितु उनके लोक परम्पराओं

से जुड़ा होता है। सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में पशुपालन की स्थिति निम्नानुसार है :–

क्र.	पशुधन का प्रकार	पशुधन की संख्या	पशुपालन में संलग्न परिवार		प्रति परिवार औसत
		संख्या	संख्या	प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6
1.	सुअर	9487	1056	6.55	8.98
2.	मुर्गा / मुर्गी / बतख	18709	4962	30.76	3.77
3.	भेड़	3300	144	0.89	22.92
4.	बकरा / बकरी	10308	3323	20.60	3.10
5.	गाय	2967	1593	9.88	1.86
6.	बैल	9408	4419	27.39	2.13
7.	भैंस / भैसा	1798	380	2.36	4.73
8.	अन्य	1395	254	1.57	5.49
	योग	**57372**	**16131**	**100.00**	**3.56**

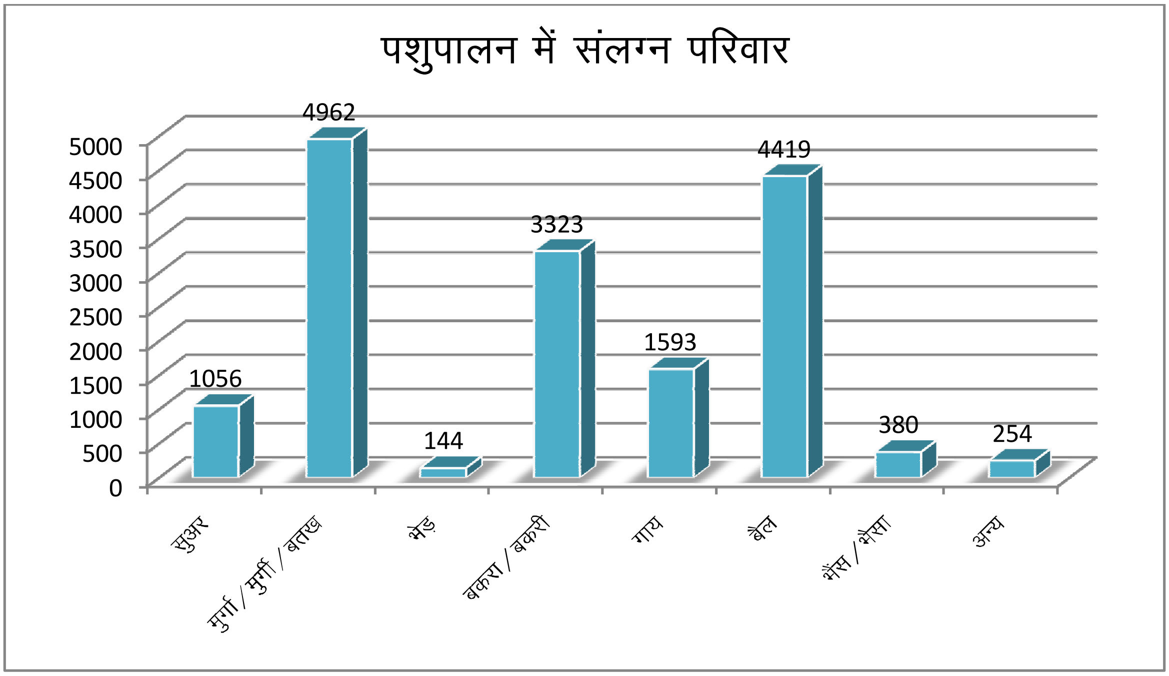

उपरोक्त तालिका अनुसार सर्वेक्षित 11235 पहाड़ी कोरवा परिवारों में 16131 परिवार पशुपालन में संलग्न पाये गये। संलग्न परिवारों में से सर्वाधिक 30.76 प्रतिशत (संख्या = 4962) परिवारों की संलग्नता मुर्गा/मुर्गी पालन में पाया गया है। इसी प्रकार बकरा/बकरी पालन है 20.60 प्रतिशत (संख्या = 3323)परिवार, बैल पालन 27.39 प्रतिशत (संख्या = 4419) परिवार संलग्न पाये गये । अन्य पशु के पालन में इनकी संलग्नता 10 प्रतिशत से भी कम है।

सम्मिलित रूप से लगभग 4 पशुओं का पालन पहाड़ी कोरवा परिवारों द्वारा किया जाना दर्ज हुआ है।

वृक्षों पर स्वामित्व :–

जनजातीय समुदाय में वृक्षों का महत्तवपूर्ण स्थान है। वृक्ष न केवल इन्हें प्राकृतिक आवास प्रदान करते है। अपितु इनके सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन का आधार है। शासन द्वारा सामुदायिक वन अधिकार पत्र देकर इन्हें सीमित वनों का उपयोग करने का अधिकार प्रदान किया गया है। प्रस्तुत सर्वेक्षण में पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के स्वयं के स्वामित्व की वृक्षों की जानकारी एकत्र किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	वृक्षों के नाम	वृक्षों की संख्या	परिवारो का अधिपत्य		प्रति परिवार औसत वृक्ष
			संख्या	प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6
1.	आम	5963	2402	15.36	2.48
2.	महुआ	13434	1819	11.62	5.59
3.	साल/सरई	4237	453	2.90	9.35
4.	इमली	480	350	2.24	1.37
5.	सल्फी	—	—	—	—
6.	कोसम	203	64	0.41	3.17
7.	अन्य	10844	10554	67.47	1.03
	योग	**35161**	**15642**	**100.00**	**2.25**

उपरोक्त तालिका अनुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति के 11235 परिवारों में से 15642 परिवारों के पास स्वयं के स्वामित्व के अनेक वृक्ष है जिनकी कुल संख्या 35161 है। अर्थात प्रतिपरिवार औसतन लगभग 2 वृक्ष पाये गये है। सर्वाधिक 15.36 प्रतिशत (संख्या = 2402) परिवार के पास आम एवं द्वितीय 11.62 प्रतिशत (संख्या = 1819) परिवारों के पास महुआ के वृक्ष है। साल/सरई 2.90 प्रतिशत, इमली 2.24 प्रतिशत एवं कोसम 0.41 प्रतिशत है। उक्त वृक्षों के अलावा अलग–अलग वृक्ष भी इनके स्वामित्व में है। जिनकी संख्या सीमित है। यद्यपि सम्मिलित रूप से इन अन्य वृक्षों की स्वामित्व वाले परिवारों की संख्या 67.47 प्रतिशत (संख्या = 10554) पायी गयी है।

आय के स्त्रोत :–

जनजातियों में सामान्यतः मिश्रित अर्थव्यवस्था पायी जाती है। जिसमें कृषि, वनोपज एवं मजदूरी प्रमुख है। इनमें व्यवसाय अथवा नौकरी/सेवा में सहभागिता बहुत कम पायी जाती है। सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की विभिन्न आय के स्त्रोतों में संलग्न परिवार संख्या निम्न तालिका अनुसार है :–

क्र.	आय के स्त्रोत	संलग्न परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	कृषि	7100	63.20
2.	सेवा/नौकरी	1022	9.10
3.	मत्स्यपालन	530	4.72
4.	उद्यानिकी	137	1.22
5.	पशुपालन	1624	14.45
6.	वृक्ष से उत्पादन (स्वयं के)	3652	32.51
7.	वनोपज संकलन	7119	63.36
8.	गृह उद्योग (बांस बर्तन आदि)	447	3.98
9.	स्थायी संपत्ति का विक्रय	197	1.75
10.	उपहार एवं विनिमय	715	6.36
11.	मजदूरी से आय	9830	87.49
12.	व्यवसाय/वाणिज्य	313	2.79
13.	अन्य	1208	10.75
	कुल पहाड़ी कोरवा परिवार 11235		

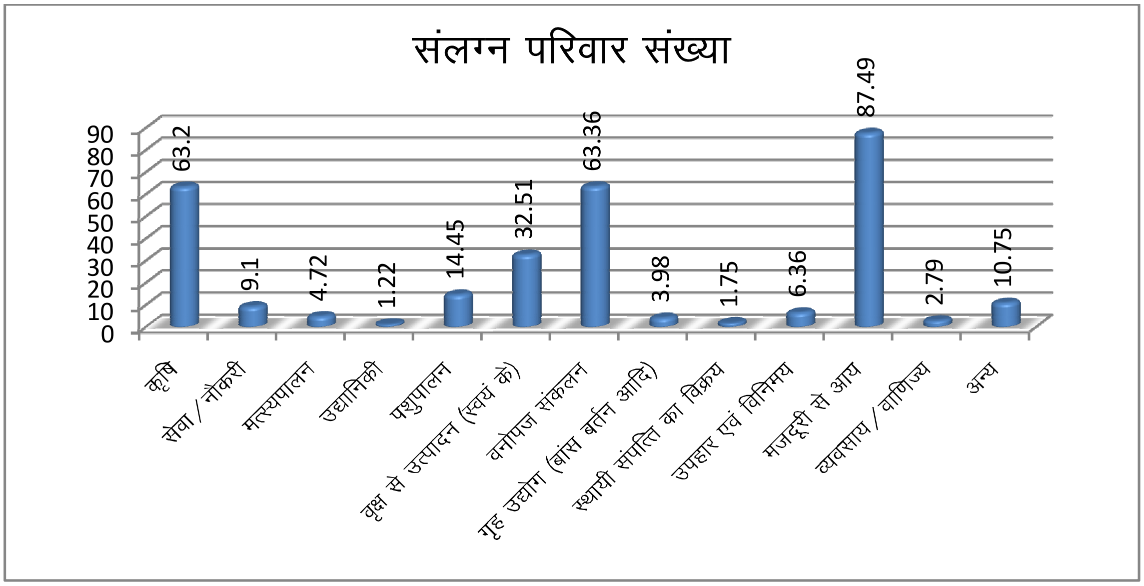

उपरोक्त तालिका अनुसार सर्वाधिक 87.49 प्रतिशत (संख्या = 9830) परिवारों के आय के स्त्रोत में मजदूरी कार्य का महत्तवपूर्ण स्थान है तत्पश्चात वनोपज संकलन एवं कृषि कार्य से आय प्राप्त किया जाता है, जिनका प्रतिशत क्रमशः 63.36 (संख्या = 7119) एवं 63.20 प्रतिशत (संख्या = 7100) है। आय के अन्य महत्तवपूर्ण मदों में वृक्ष से उत्पादन एवं पशुपालन शामिल है। जिनका क्रमशः 35.51 प्रतिशत (संख्या = 3652) एवं 14.45 प्रतिशत (संख्या = 1624) योगदान है।

उद्यानिकी, स्थायी संपत्ति का विक्रय, व्यवसाय/वाणिज्य, गृह उद्योग, मत्स्यपालन, उपहार, विनिमय, सेवा/नौकरी के द्वारा 10 प्रतिशत से भी कम परिवारों द्वारा आय प्राप्त किया गया है।

प्रति परिवार औसत वार्षिक आय :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों का प्रति परिवार औसत वार्षिक आय का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	आय के स्त्रोत	संलग्न परिवार संख्या	कुल वार्षिक आय	प्रति परिवार औसत वार्षिक

				आय
1	2	3	4	5
1.	कृषि	7100	40906403	5761.47
2.	सेवा	1022	26789270	26212.59
3.	मत्स्यपालन	530	1174205	2215.48
4.	उद्यानिकी	137	151251	1104.02
5.	पशुपालन	1624	9009878	554.80
6.	वृक्ष से उत्पादन	3652	10112270	2768.97
7.	वनोपज संग्रहण	7119	25070055	3521.57
8.	गृह उद्योग	447	581660	1301.25
9.	स्थायी संपत्ति का विक्रय	197	2507420	12728.02
10.	उपहार एव विनिमय	715	1692220	2366.74
11.	मजदूरी से आय	9830	147551642	15010.34
12.	व्यवसाय / वाणिज्य	313	5112610	16334.22
13.	अन्य	1208	7849433	6497.88
कुल परिवार संख्या 11235			**276985317**	**24789.35**

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के सर्वेक्षित 11235 परिवारों की समस्त स्त्रोतो से कुल आय 278508317 रूपये है अर्थात प्रति परिवार औसत वार्षिक आय 24789.35 रूपये है।

वार्षिक आय में मदों की उपयोगिता :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की अर्थव्यवस्थ मिश्रित अर्थव्यवस्था है। जिसमें आय के विभिन्न स्त्रोत पाया जाता है। इसमें मुख्य रूप से कृषि, वनोपज संकलन,

मजदूरी, परंपरागत व्यवसाय प्रमुख है। समस्त स्त्रोतो से प्राप्त वार्षिक आय में विभिन्न मदों के योगदान अथवा सहभागिता का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	आय के स्त्रोत	कुल वार्षिक आय	कुल वार्षिक आय में मदों की सहभागिता (%)
1	2	3	4
1.	कृषि	40906403	14.77
2.	सेवा/नौकरी	26789270	9.67
3.	मत्स्यपालन	1174205	0.42
4.	उद्यानिकी	151251	0.05
5.	पशुपालन	9009878	3.25
6.	वृक्ष से उत्पादन (स्वयं के)	10112270	3.65
7.	वनोपज संकलन	25070055	9.05
8.	गृह उद्योग (बांस बर्तन आदि)	581660	0.21
9.	स्थायी संपत्ति का विक्रय	2507420	0.91
10.	उपहार एवं विनियम	1692220	0.06
11.	मजदूरी	147551642	53.27
12.	व्यवसाय/वाणिज्य	5112610	1.8
13.	अन्य	7849433	2.83
कुल सर्वेक्षित परिवार–11235/276985317			100.00

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के कुल सर्वेक्षित 11235 परिवारों की आय की विभिन्न मदों में सर्वाधिक सहभागिता 53.27 प्रतिशत मजदूरी मद में है।

द्वितीय स्थान में कृषि मद है जिसकी सहभागिता 14.77 प्रतिशत है। इनकी आय का एक अन्य प्रमुख मद वनोपज संकलन है जिसकी सहभागिता 9.05 प्रतिशत है। मत्स्यपालन, उद्यानिकी गृहउद्योग, स्थायी संपत्ति का विक्रय, उपहार एवं विनिमय मद की सहभागिता एक–एक प्रतिशत से भी कम है।

कुल वार्षिक आय का वितरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति द्वारा आय के समस्त स्त्रोत से प्राप्त कुल वार्षिक आय का परिवारों में वितरण निम्नानुसार है :–

क्र.	वार्षिक आय की श्रेणी (रू.)	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	5000 से कम	1439	12.81
2.	5000 – 10000	1213	10.80
3.	10000 – 15000	1242	11.05
4.	15000 – 20,000	1580	14.06
5.	20,000 – 25,000	1760	15.67
6.	25,000 – 30000	1336	11.89
7.	30000 से अधिक	2665	23.72
	योग	**11235**	**100.00**

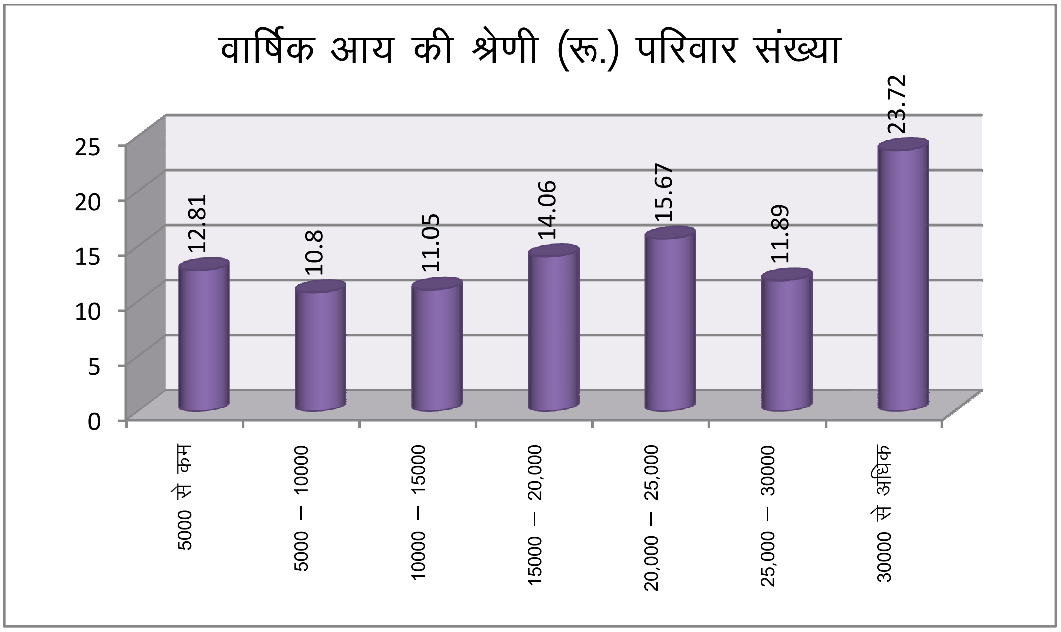

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों में से सर्वाधिक 23.72 प्रतिशत परिवारों की समस्त स्त्रोतो से कुल वार्षिक आय 30,000 रूपये से अधिक की पायी गई। 12.81 प्रतिशत परिवारों की वार्षिक आय 5,000 रूपये से कम पायी गयी है।

व्यय मद :–

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के सर्वेक्षित परिवारों की विभिन्न मदो में सहभागिता निम्नानुसार है :–

क्र.	व्यय मद	संलग्न परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	भोजन	11235	100.00
2.	शाकभाजी	11235	100.00
3.	पारंपरिक व्यवसाय	1863	16.58
4.	पोशाक एवं गहने	9357	83.28
5.	पूजा एवं पर्व	9137	81.33

6.	मादक पेय पदार्थ	9018	80.27
7.	अतिथि सत्कार	8586	76.42
8.	रोगोपचार	8593	76.48
9.	शिक्षा	2558	22.77
10.	टिकाऊ संपत्ति का विक्रय	1875	16.69
11.	लगान	2183	19.43
12.	गृह निर्माण एवं मरम्मत	4276	38.06
13.	ऋण की अदायगी	286	2.55
14.	न्यायालयीन व्यय	314	2.79
15.	अन्य व्यय	708	6.30
कुल सर्वेक्षित परिवार 11235			

उपरोक्तानुसार भोजन एवं शाकभाजी मद में शत–प्रतिशत परिवारों द्वारा कुछ न कुछ राशि व्यय किया गया है जो स्वाभाविक है। किन्तु उसी के साथ पोशाक एवं गहने 83. 28, पूजा एवं पर्व 81.33, मादक पेय पदार्थ 80.27, अतिथि सत्कार 76.42 प्रतिशत परिवारों द्वारा कुछ न कुछ व्यय किया गया है जो जनजाति संस्कृति में इनके लोक परम्पराओं एवं धार्मिक मान्यताओं की महत्ता को दर्शाता है। किन्तु रोगोपचार मद में भी 76.48 प्रतिशत परिवारों द्वारा व्यय किया जाना जरूर अनुसंधान का विषय है। शासन द्वारा निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करायी जा रही है तथापि 22.77 परिवारों के द्वारा इस मद में कुछ न कुछ राशि व्यय किया जाना उल्लेखित है। गृह निर्माण एवं मरम्मत कार्य में भी 38.06 प्रतिशत परिवारों द्वारा व्यय किया गया है।

कुल वार्षिक व्यय (प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय) :—

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों में उपरोक्त मदों में निम्नानुसार राशि व्यय की गई।

क्र.	व्यय मद	संलग्न परिवार	वार्षिक व्यय राशि (रू.)	प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय
1	2	3	4	5
1.	भोजन	11235	117075061	10420.57
2.	शाकभाजी	11235	22822091	2031.33
3.	पारंपरिक व्यवसाय	1863	3958891	2125.00
4.	पोशाक एवं गहने	9357	22168360	2369.17
5.	पूजा एवं पर्व	9137	9681994	1059.65
6.	मादक पेय पदार्थ	9018	14163360	1570.57
7.	अतिथि सत्कार	8586	11178595	1301.96
8.	रोगोपचार	8593	19027431	2214.29
9.	शिक्षा	2558	5925737	2316.55
10.	टिकाऊ संपत्ति का विक्रय	1875	3317177	1769.16
11.	लगान	2183	4451501	2089.91
12.	गृह निर्माण एवं मरम्मत	4276	9818256	2296.13
13.	ऋण की अदायगी	286	661620	2313.36
14.	न्यायालयीन व्यय	314	430010	1369.46
15.	अन्य व्यय	708	1832805	2588.71
कुल परिवार संख्या—11235				298

उपरोक्तानुसार भोजन एवं शाकभाजी मद में शत–प्रतिशत परिवारों द्वारा क्रमशः 10420.57 एवं 2031.33 रूपये प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय किया गया है।

पारंपरिक व्यवसाय में 1863 परिवारों की संलग्नता पायी गयी जिनके द्वारा इस मद में प्रति परिवार 2125 रूपये औसत वार्षिक व्यय किया गया है।

पोशाक एवं गहने, पूजा एवं पर्व, मादक पेय पदार्थ जो जनजाति संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है, इस मद में 9000 से अधिक परिवारों द्वारा क्रमशः 2369.17, 1059.65, एवं 1570.57 प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय किया गया है।

इसी प्रकार अतिथि सत्कार एवं रोगोपचार मद में 8500 से अधिक परिवारों द्वारा क्रमशः 1301.96 एवं 2214.29 रूपये प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय किया गया है।

शिक्षा मद में 2558 परिवारों द्वारा 2316.55 रूपये, टिकाऊ संपत्ति का क्रय मद में 1875 परिवारों द्वारा 1769.16 रूपये, लगान मद 2183 परिवारों द्वारा 2089.91 रूपये गृह निर्माण एवं मरम्मत मद में 4276 परिवारों द्वारा 2296.13 रूपये ऋण की अदायगी में 286 परिवारों द्वारा 2313.36 रूपये न्यायालयीन व्यय में 314 परिवारों द्वारा 1369.46 रूपये एवं अन्य प्रकार के व्यय मद में 708 परिवारों द्वारा 2588.71 रूपये प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय किया गया है।

व्यय मद की सहभागिता :–

सामान्यतः जनजातियों में न तो संकलन की प्रवृति होती है और न ही पर्याप्त आय प्राप्त कर पाते है इसलिए समस्त स्त्रोतो से प्राप्त कुल आय का अधिकांश हिस्सा भोजन संबंधी आवश्यकताओं में व्यय हो जाता है। शेष अन्य व्यय मदों की सहभागिता बहुत ही कम पायी जाती है।

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति में व्यय मदों एवं उसमें संलग्न परिवारों का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	व्यय मद	कुल वार्षिक व्यय राशि (रूपये में)	कुल वार्षिक व्यय में मदो की संख्या प्रतिशत
1	2	3	4
1.	भोजन	117075061	48.28
2.	शाकभाजी	22822091	9.41
3.	पारंपरिक व्यवसाय	3958891	1.63
4.	पोशाक एवं गहने	22168360	9.14
5.	पूजा एवं पर्व	9681994	3.99
6.	मादक पेय पदार्थ	14163360	5.84
7.	अतिथि सत्कार	11178595	4.61
8.	रोगोपचार	19027431	7.85
9.	शिक्षा	5925737	2.44
10.	टिकाऊ संपत्ति का विक्रय	3317177	1.37
11.	लगान	445151	0.18
12.	गृह निर्माण एवं मरम्मत	9818256	4.05
13.	ऋण की अदायगी	661620	0.27
14.	न्यायालयीन व्यय	430010	0.18
15.	अन्य व्यय	1832805	0.76
	योग	**242506539**	**100.00**

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति द्वारा व्यय किये जाने वाले विभिन्न मदों में से सर्वाधिक 48.28 प्रतिशत भोजन संबंधी व्यय मद की सहभागिता है एवं

सबसे कम 0.18 प्रतिशत लगान संबंधी व्यय मद की सहभागिता पायी गयी है। शेष अन्य मदों में से किसी भी मद की सहभागिता 10 प्रतिशत से भी कम है।

कुल वार्षिक व्यय का वितरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में किये गये कुल वार्षिक व्यय का समस्त सर्वेक्षित परिवारों में वितरण निम्नानुसार है :–

क्र.	वार्षिक व्यय की श्रेणी (रू.)	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	5000 से कम	1110	9.88
2.	5000 – 10000	1287	11.45
3.	10000 – 15000	1877	16.71
4.	15000 – 20,000	2186	19.46
5.	20,000 – 25,000	1660	14.78
6.	25,000 – 30000	1019	9.06
7.	30000 से अधिक	2096	18.66
	योग	**11235**	**100.00**

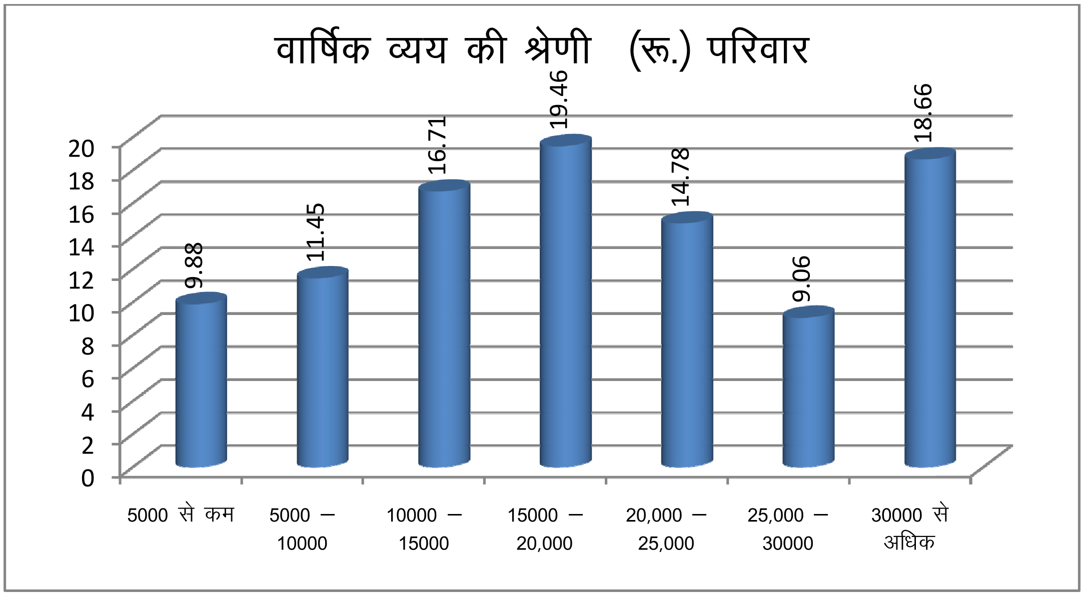

उपरोक्तानुसार, सर्वाधिक 19.46 प्रतिशत (संख्या = 2186) परिवारों द्वारा 15000–20000 रू. वार्षिक व्यय किया गया है एवं सबसे कम 9.06 प्रतिशत (संख्या = 1019) परिवारों द्वारा 25000–30000 रूपये वार्षिक व्यय किया गया है।

व्यय की अन्य श्रेणीयों में घटते क्रम में क्रमशः 18.66 प्रतिशत परिवारों द्वारा 30000 से अधिक, 1671 प्रतिशत परिवारों द्वारा 10000–15000, 14.78 प्रतिशत परिवारों द्वारा 20000–25000 11.45 प्रतिशत परिवारों द्वारा 5000–10000 एवं 9.88 प्रतिशत परिवारों द्वारा 5000 से कम वार्षिक व्यय किया गया है।

वनोपज/कृषि उपज विक्रय का प्रकार का वितरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में वस्तु–विनिमय अर्थात वनोपज एवं कृषि उपज के बदले अपनी दैनिक अवश्यकताओं की अन्य वस्तुएं खरीदने की प्रथा वर्तमान में भी प्रचलित है। यद्यपि इसके स्वरूप में कहीं–कहीं कुछ परिवर्तन दिखाई देता है। प्रायः सप्ताहिक बाजार के दिन लोग अपने घरों से वनोपज या कृषि उपज का कुछ हिस्सा लेकर बाजार जाते है। जिसे बेचकर पहले नगदी रूपये प्राप्त किया जाता है। फिर उस रूपये से

अपने आवश्यकता की वस्तुएं खरीदते है। सर्वेक्षण में प्राप्त आकड़ो का विवरण निम्नानुसार है :—

क्र.	विक्रय का प्रकार	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	नगद	6597	58.72
2.	विनिमय	111	0.99
3.	दोनो	4527	40.29
	योग	**11235**	**100.00**

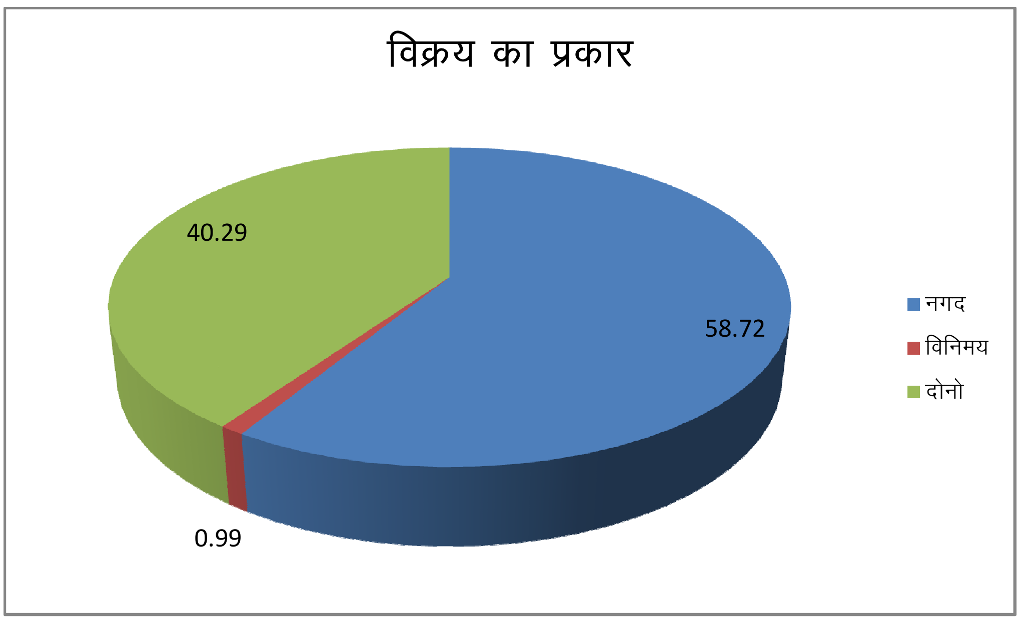

उपरोक्तानुसार 58.72 प्रतिशत (संख्या = 6597) परिवारों द्वारा केवल नगद विक्रय किया जाना पाया गया। 40.29 प्रतिशत (संख्या = 4527) परिवारों द्वारा नगद एवं वस्तु विनिमय दोनों द्वारा क्रय एवं विक्रय किया गया। मात्र 0.99 प्रतिशत परिवार ऐसे है जिन्होंने केवल वस्तु विनिमय प्रणाली द्वारा आवश्यक वस्तुओं का क्रय/विक्रय किये है।

पलायन की स्थिति :–

शासन द्वारा चलाये जा रहे रोजगार गारंटी योजना एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के फलस्वरूप रोजगार के लिए पलायन की स्थिति में बहुत कमी आयी है। सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों में पलायन की स्थिति का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	पलायन की स्थिति	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	हां	202	1.8
2.	नहीं	11033	98.2
	योग	**11235**	**100.00**

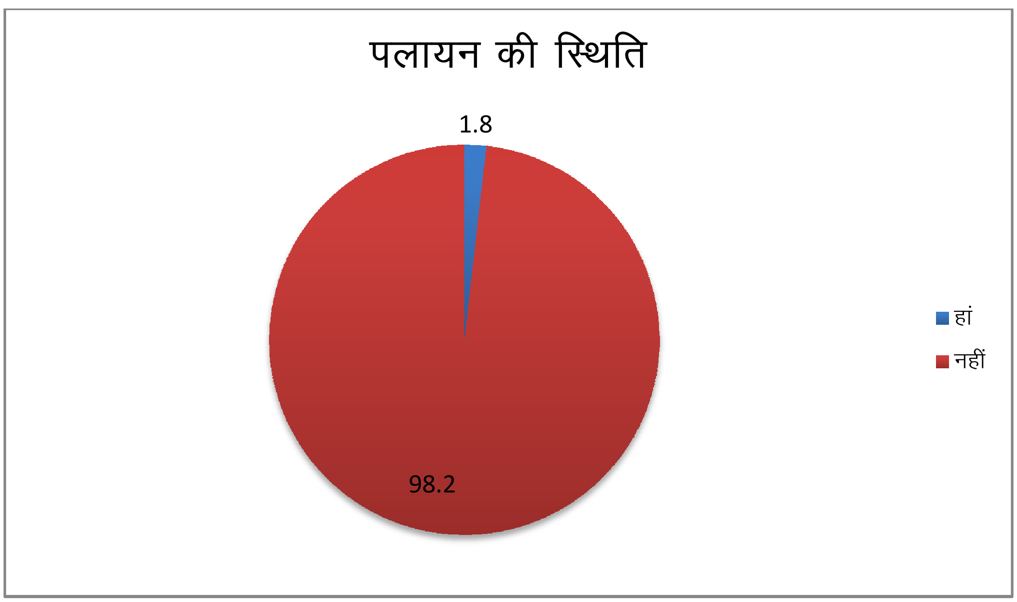

उपरोक्तानुसार 1.8 प्रतिशत (संख्या = 202) परिवारों द्वारा उक्त सर्वेक्षण में पलायन किया जाना पाया गया।

अध्याय – 6

स्वास्थ्य स्थिति

पहाडी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में भी अन्य जनजातियों की भांति स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का अभाव पाया गया है। प्रायः अस्वस्थ्यता की स्थिति में ये घेरलू उपचार, बैगा गुनिया या अन्य परम्परांगत जड़ी–बुटियों पर आाधारित उपचार को प्राथमिकता देते है। इनमें हुए घातक एवं गंभीर बीमारियों के अलावा अन्य ज्ञात बीमारियों का प्रमुख कारण कुपोषण है।

सामान्य बीमारी की स्थिति :–

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति में स्वास्थ्य की स्थिति निम्नानुसार है :–

क्र.	बीमारी का नाम	ज्ञात बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या					
		पुरूष		महिला		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	मलेरिया	84	0.38	13	0.06	97	0.22
2.	पीलिया	0	0.00	1	0.05	1	0.02
3.	टाईफाईड	0	0.00	0	0.00	0	0.00
4.	खांसी	14	0.57	14	0.06	28	0.06
5.	अन्य सामान्य बीमारी	2350	10.60	268	1.23	2618	5.95
	योग	**2448**	**11.40**	**296**	**1.36**	**2744**	**6.24**

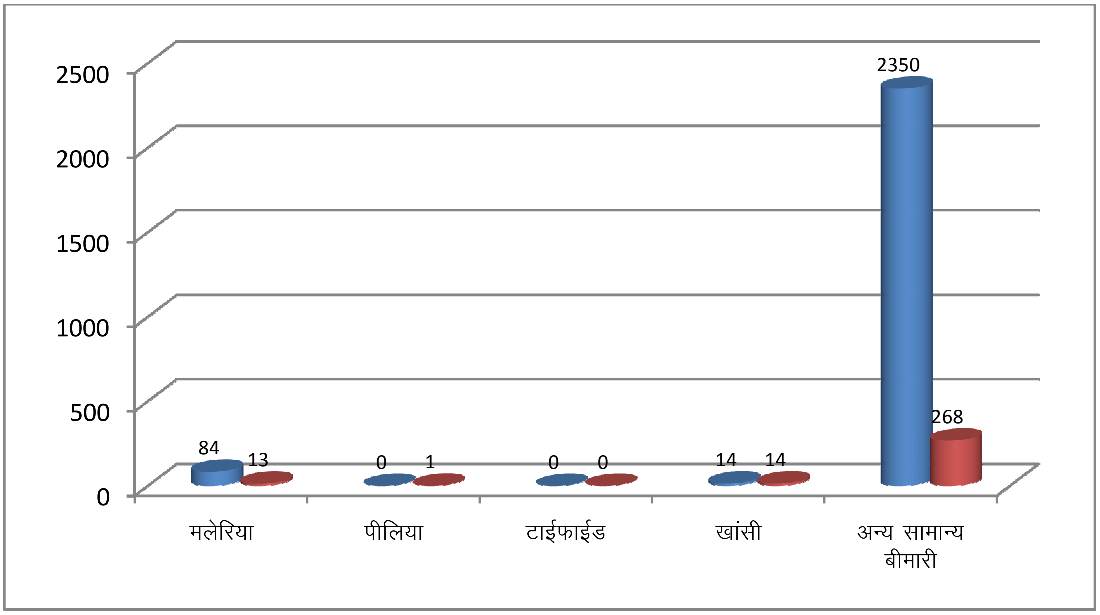

उपरोक्त सारणी में पहाड़ी कोरवा परिवारों की स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाया गया है जिसमें बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों का विवरण है। उक्त तालिका अनुसार कुल 6.24 प्रतिशत परिवार व्यक्ति विभिन्न ज्ञात बीमारियों से एक या एक से अधिक बार पीड़ित पाये गये। उसमें पुरूष 11.40 प्रतिशत एवं महिला 1.36 प्रतिशत पीड़ित पाये गये है। पुरूषों की तुलना में महिलाओं की स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी है।

गंभीर/लम्बी बीमारी की स्थिति :–

पहाडी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में टी.बी., कैंसर जैसे घातक एवं लंबी बीमारी की स्थिति निम्नानुसार है:–

क्र.	बीमारी का नाम	अध्ययनरत सदस्यों की संख्या					
		महिला		पुरूष		योग	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	टी.बी.	67	0.30	9	0.04	76	0.17
2.	कैंसर	19	0.09	4	0.02	23	0.05
3.	अन्य	46	0.21	19	0.09	65	0.15

	योग	**132**	**0.60**	**32**	**0.15**	**164**	**0.37**

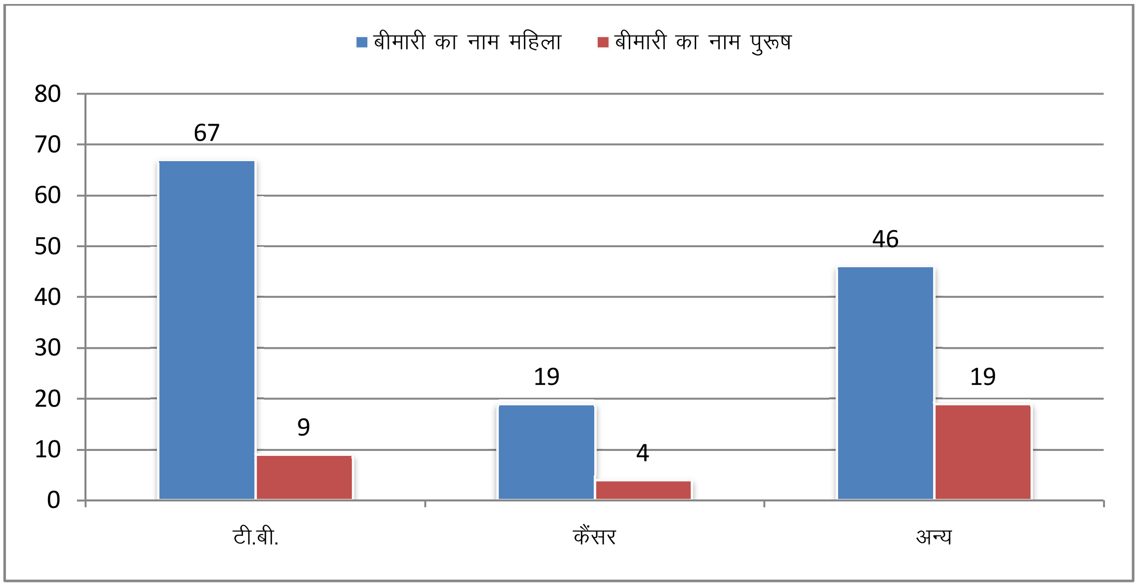

उपरोक्तानुसार 0.39 प्रतिशत (संख्या 164) कुल पहाड़ी कोरवा व्यक्ति किसी घातक/गंभीर या लम्बी बीमारी से पीड़ित पाये गये जिसमें पुरूष 0.60 प्रतिशत एवं महिला 0.15 प्रतिशत पीड़ित पाये गये।

घातक/गंभीर या लम्बी बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों में महिलाओं की स्वास्थ्य की स्थिति पुरूषों की तुलना में अच्छी है।

उपचार हेतु संपर्क का विवरण :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में अस्वस्थता की स्थिति में उपचार हेतु कई विधि का प्रयोग करते है। सामान्य बीमारियों में प्रायः घरेलू उपचार एवं अन्य परम्परागत उपचार को प्राथमिकता दिया जाता है। विगत वर्षों में शासन के द्वारा चलाये गये अनेक जन–जागरूकता कार्यक्रम एवं चिकित्सा की बेहतर उपलब्धता का प्रभाव इनमें पड़ा है जिससे वे वर्तमान में शासकीय चिकित्सालय एवं अन्य चिकित्सालय से उपचार कराने के लिए प्रेरित हुए है।

पहाड़ी कोरवा जनजाति में उपचार हेतु संपर्क का वितरण निम्न तालिका में दर्शित है:–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	घरेलू उपचार	466	4.15
2.	भगत, बैगा, गुनिया	377	3.36
3.	जनजातीय औषधीय उपचार/वैद्य	616	5.48
4.	योग्यताधारी चिकित्सक	9776	87.01
	योग	**11235**	**100.00**

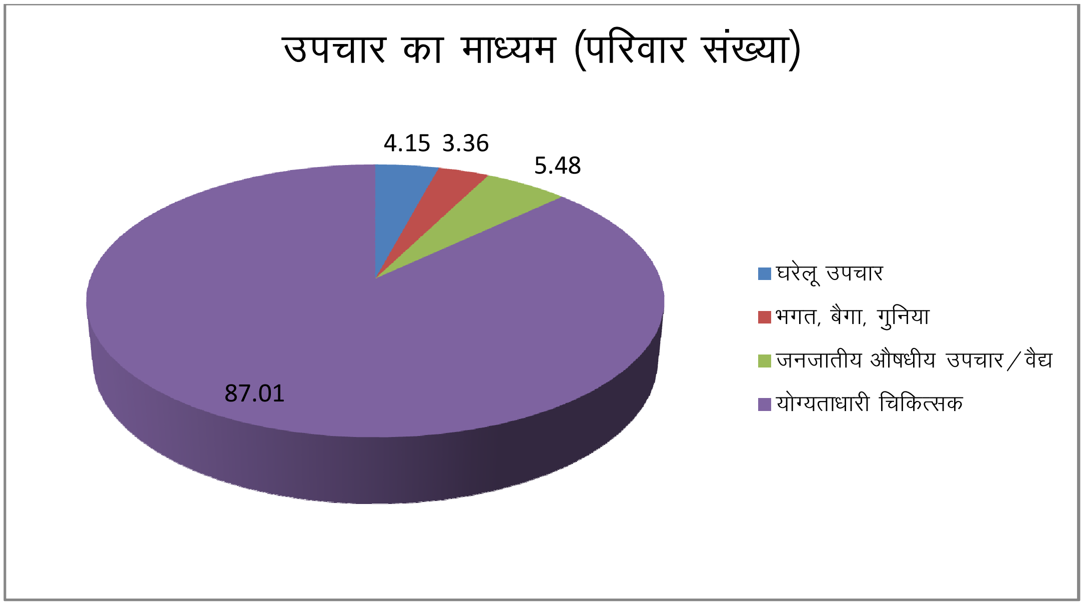

उपरोक्तानुसार सर्वाधिक 87.01 प्रतिशत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों द्वारा किसी योग्यताधारी चिकित्सक (शासकीय या निजी) से उपचार कराया जाना बताया गया है। किन्तु 4.15 प्रतिशत घरेलू उपचार, 3.36 प्रतिशत भगत, बैगा, गुनिया एवं 5.48 प्रतिशत द्वारा आज भी उपचार कराया जाना दर्ज हुआ है।

अध्याय – 7

शासकीय योजनाओं से लाभान्वयन

भारत सरकार द्वारा पांचवी पंचवर्षीय योजना अवधि में कृषि पूर्व अर्थव्यवस्था, स्थिर या घटती हुई जनसंख्या, न्यून साक्षरता एवं पृथक्कीकरण जैसे मापदण्डों के आाधार पर देश के विभिन्न राज्य हेतु 75 जनजातीय समूह को विशेष पिछड़ी जनजाति के रूप में सूचीबद्ध करते हुए इनके सर्वागीण विकास हेतु शत–प्रतिशत केन्द्रीय अनुदान से अनेक योजनाएं संचालित की गई।

छत्तीसगढ़ राज्य 05 विशेष पिछड़ी जनजाति निवासरत है। पहाड़ी कोरवा इन्हीं 05 विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह में से एक है जिनके सर्वागीण विकास हेतु लगातार अनेक योजनाएं संचालित किया जा रहा है। योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु दो पहाड़ी कोरवा विकास अभिकरण का गठन हुआ है जिसका मुख्यालय अंबिकापुर जिला–सरगुजा एवं जशपुर है साथ ही दो विकास प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया है जो जिला बलरामपुर एवं कोरबा में संचालित है।

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की प्रस्तुत आधारभूत सर्वेक्षण के अनुसार शासकीय योजनाओं से लाभान्वयन की स्थिति का वर्णन निम्नांकित सारणीयों में प्रदर्शित है–

कृषि संबंधी योजनाओं से लाभान्वयन :–

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं से लाभान्वयन की स्थिति निम्नानुसार है–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	3477	30.95

2.	गैर लाभान्वित	7758	69.05
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्तानुसार पहाड़ी कोरवा जनजाति के कुल सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 30.95 प्रतिशत (संख्या 3477) परिवार कृषि संबंधी किसी न किसी योजना से लाभान्वित हुए है।

कृषि संबंधी योजनाओं के हितग्राहियों का विवरण :–

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के 3477 परिवार कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं में से किसी न किसी योजना से लाभान्वित हुए है। योजनावार लाभान्वित परिवारों का विवरण निम्न तालिका में दर्शित हैः–

क्र.	विवरण	लाभान्वित परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	भूमि आवंटन	258	7.42
2.	भू–अधिग्रहण विकास (सुधार एवं भूमि संरक्षण उपाय)	280	8.05
3.	सहायता (खाद, बीज, कीटनाशक)	1110	31.92
4.	बैल जोड़ी	1761	50.65
5.	सिंचाई	66	1.90
6.	फसल प्रदर्शन	2	0.06
	योग	**3477**	**100.00**

उपरोक्तानुसार कुल लाभान्वित 3477 पहाड़ी कोरवा परिवारों में से सर्वाधिक 50.65 प्रतिशत (संख्या 1761) परिवार बैल जोड़ी योजना से लभान्वित हुए है। तत्पश्चात् कमशः 31.92 प्रतिशत परिवार खाद, बीज, कीटनाशक योजना से, 8.05 प्रतिशत भू–अधिग्रहण

विकास योजना से, 7.42 प्रतिशत भूमि आबंटन योजना से, 1.90 प्रतिशत सिंचाई योजना से एवं सबसे कम 0.06 प्रतिशत (संख्या 2) परिवार फसल प्रदर्शन योजना से लाभान्वित हुए है।

आर्थिक विकास संबंधी योजना से लाभान्वयन.—

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति की आर्थिक विकास संबंधी योजनाओं से लाभान्वयन की स्थिति निम्नानुसार हैः—

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	345	3.07
2.	गैर लाभान्वित	10890	96.93
योग		**11235**	**100.00**

उपरोक्तानुसार कुल सर्वेक्षित पहाडी कोरवा में से 3.07 प्रतिशत 345 परिवार आर्थिक विकास संबंधी योजनाओं से लाभान्वित हुए है।

आर्थिक विकास योजना से लाभान्वित परिवारों का वितरण :—

सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 3.07 प्रतिशत अर्थात 345 परिवार आर्थिक विकास के किसी न किसी योजना से लाभान्वित हुए है। योजनावार लाभान्वित परिवारों का वितरण निम्नानुसार हैः—

क्र.	विवरण	लाभान्वित परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	पशुधन विकास	259	75.07
2.	मत्स्य पालन	18	5.22
3.	मधुमक्खी पालन	08	2.32
4.	रेशम एवं कोसा	24	6.96

5.	लघु व्यवसाय	14	4.06
6.	गृह उद्योग	14	4.06
7.	कर्जमाफी	08	2.32
	योग	**345**	**100.00**

आर्थिक विकास योजना से लाभान्वित कुल 345 परिवारों में से सर्वाधिक 75.07 प्रतिशत (संख्या 259) परिवार पशुधन विकास संबंधी योजना से लाभान्वित हुए है। तत्पश्चात् क्रमशः रेशम एवं कोसा योजना से 6.96 प्रतिशत, मत्स्य पालन योजना से 5.22 प्रतिशत लघु व्यवसाय से 4.06 प्रतिशत गृह उद्योग से 4.06 प्रतिशत, मधुमख्खी पालन से 2.32 प्रतिशत एवं कर्ममाफी योजना से 2.32 प्रतिशत परिवार लाभान्वित हुए है।

पुर्नवास संबंधी योजना से लाभान्वयन :—

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की पुनर्वास संबंधी योजना से लाभान्वित हितग्राहियों का विवरण निम्नानुसार हैः—

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	814	7.25
2.	गैर लाभान्वित	10421	92.75
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्तानुसार पुर्नवास संबंधी योजना से 7.25 प्रतिशत (संख्या 814) परिवार लाभान्वित हुए।

इंदिरा आवास योजना से लाभान्वयन :–

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के सर्वेक्षित 11235 परिवारों में इंदिरा आवास योजना से लाभान्वयन की स्थिति निम्नानुसार है:–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	2885	25.68
2.	गैर लाभान्वित	8350	74.32
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्तानुसार सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 25.68 प्रतिशत (संख्या 2885) परिवार इंदिरा आवास से लाभान्वित हुए है।

स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं से लाभान्वयन.–

इस योजना के तहत मुख्य रूप विभिन्न बीमारियों से बचने के लिए निःशुल्क दवाई का वितरण, गंभीर बीमारियों में इलाज की सुविधा एवं आर्थिक सहायता, स्मार्ट कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधा, जंगली जानवरों से घायल लोगों की निःशुल्क इलाज एवं आर्थिक सहायता, मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम हेतु मच्छरदानी का वितरण आदि अनेक योजनाएं संचालित है।

सर्वेक्षित पहाड़ी कोरवा परिवारों में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं से लाभान्वयन की स्थिति निम्नानुसार है:–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	205	1..83
2.	गैर लाभान्वित	11030	98.17

योग	11235	100.00

उपरोक्तानुसार विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से लाभान्वित पहाड़ी कोरवा परिवारों की संख्या बहुत कम 1.83 प्रतिशत है।

शिक्षा संबंधी योजनाओं से लाभान्वयन :–

शिक्षा संबंधी मुख्य रूप से निम्नलिखित योजनाएं संचालित हैः–

1. छात्रावास/आश्रमशाला

   निवास स्थान से 8 किमी. से अधिक दूरी पर स्थित शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं को छात्रावास एवं आश्रम शालाओं की सुविधा दी जाती है। प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति भी दिया जाता है।

2. मध्यान्ह भोजन

   माध्यमिक शाला स्तर तक के बच्चों को स्कूल में ही मध्यान्ह भोजन दिया जाता है।

3. शाला गणवेश प्रदाय

   इस योजना के तहत निःशुल्क गणवेश प्रदाय किया जाता है।

4. छात्रवृत्ति सुविधा

   इस योजना के तहत राज्य छात्रवृत्ति, मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति, प्रावीण्य छात्रवृत्ति दिया जाता है।

सर्वेक्षित परिवारों में शिक्षा संबंधी योजनाओं से लाभान्वयन की स्थिति निम्नानुसार हैः–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत

1.	लाभान्वित	20	0.18
2.	गैर लाभान्वित	11215	99.82
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्त तालिका अनुसार मात्र 0.18 प्रतिशत (संख्या 20) परिवारों को शिक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं से लाभ हुआ है।

प्रशिक्षण संबंधी योजनाओं से लाभन्वयन :–

इस योजना के अंतर्गत लोगों को विभिन्न क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर उन्हें स्व–रोजगार स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। सर्वेक्षित परिवारों में इस योजना की स्थिति निम्नांकित है:–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	100	0.89
2.	गैर लाभान्वित	11135	99.11
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्तानुसार सर्वेक्षित परिवारों में मात्र 0.89 प्रतिशत (100) परिवारों की इस योजना से लाभ हुआ है।

उद्यानिकी :–

उक्त योजना में परिवारों को फलदार पौधों का वितरण किया जाता हैं। जिसे हितग्राही परिवार अपने उद्यान/बाडी में रोपित कर प्राप्त फल का स्वयं उपयोग करने के आलावा विक्रय कर आर्थिक लाभ प्राप्त करते है। सर्वेक्षित परिवारों में उक्त योजना की – स्थिति निम्नांकित है:–

क्र.	विवरण	परिवार	
		संख्या	प्रतिशत
1.	लाभान्वित	53	0.47
2.	गैर लाभान्वित	11182	99.53
	योग	**11235**	**100.00**

उपरोक्तानुसार 0.47 प्रतिशत सर्वेक्षित परिवारों को उक्त योजना से लाभ हुआ है।

अध्याय – 8

सारांश एवं निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ राज्य में 05 विशेष पिछड़ी जनजाति अबूझमाड़िया, बैगा, बिरहोर, कमार एवं पहाडी कोरवा निवारत है, जिनका भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के शत–प्रतिशत वित्तीय अनुदान से आधारभूत सर्वेक्षण किया गया है। प्रस्तुत प्रतिवेदन पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के उक्त आाधारभूत सर्वेक्षण पर आाधारित है। प्रतिवेदन के सारांश एवं निष्कर्ष निम्नानुसार हैः–

1. **सामाजिक पृष्ठ–भूमि :–**

1.1 ग्रामवार परिवारों की संख्या

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति छत्तीसगढ़ राज्य के **04 जिलों, बलरामपुर, जशपुर, कोरबा एवं सरगुजा में** निवारत है। बलरामपुर जिले के 04 विकासखण्ड बलरामपुर, कुसमी, राजपुर एवं शंकरगढ़ के 124 ग्रामों में 3791 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है। जशपुर जिले के 03 विकासखण्ड बगीचा, कुनकुरी एवं मनोरा के 94 ग्रामों में 4143 पहाड़ी कोरवा परिवार निवारत है। कोरबा जिले के 02 विकासखण्ड कोरवा एवं पोड़ी उपरोड़ा के 27 ग्रामों में 642 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है। इसी प्रकार सरगुजा जिले के 07 विकाखण्डों के 127 ग्रामों में 2659 पहाड़ी कोरवा परिवार निवारत है।

इस प्रकार **छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 04 जिलों के 16 विकासखण्डों के कुल 327 ग्रामों में 11235 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है।**

1.2 परिवार प्रकार

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में 58.60 प्रतिशत (संख्या 6584) केन्द्रीय या मूल, 38.94 प्रतिशत (संख्या 4375) संयुक्त एवं 2.46 प्रतिशत (संख्या 276) विस्तृत परिवार है।

1.3 जनसंख्या

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति की छत्तीसगढ़ राज्य में **कुल जनसंख्या 43981** है जिसमें **पुरूष 22169 (50.41 प्रतिशत)** एवं **महिला 21812 (49.59 प्रतिशत)** है।

1.4 लिंगानुपात

पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में लिंगानुपात **984** है। कोरवा जिले में लिंगानुपात सर्वाधिक **1038** जबकि सरगुजा जिले में सबसे कम **970** पायी गई।

1.5 जनसंख्या वृद्धि दर

आधारभूत सर्वेक्षण 2005–06 के जनसंख्यात्मक आंकड़ों एवं सर्वेक्षण 2015–16 के जनसंख्यात्मक आंकड़ों के आधार पर इनमें जनसंख्या वृद्धि दर 17.37 पायी गई है।

1.6 वैवाहिक उम्र

पहाड़ी कोरवा जनजाति में युवकों का विवाह सर्वाधिक 19–21 आयु वर्ग एवं युवतियों का विवाह 15–18 आयु वर्ग में होना पाया गया।

1.7 धार्मिक आस्था

छत्तीसगढ़ राज्य के पहाड़ी कोरवा जनजाति अपने आदिवासी परम्परा का निर्वहन करते हुए स्वयं को हिन्दू धर्म के धर्मावलंबी मानते है।

2. शैक्षणिक स्थिति :–

2.1 साक्षरता

छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत पहाड़ी कोरवा जनजाति में साक्षरत दर (0–6 वर्ष को छोड़कर) **33.53 प्रतिशत** है। जिसमें पुरूष साक्षरता दर 36.10 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता दर 30.90 प्रतिशत है।

2.2 शालागामी उम्र में साक्षरता

शालागामी उम्र समूह 7–14 में **80.24** प्रतिशत बच्चे साक्षर जबकि 19.76 प्रतिशत बच्चे निरक्षर है।

2.3 अध्ययनरत विद्यार्थियों में शैक्षणिक स्तर

अध्ययनरत विद्यार्थियों में सर्वाधिक **72.54 प्रतिशत** प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी है जिसमें बालक 72.47 प्रतिशत एवं बालिका 72.63 प्रतिशत अध्ययनरत है।

2.4 अध्ययन समाप्त व्यक्तियों में शैक्षणिक स्तर

अध्ययन समाप्त कर चुके व्यकित्यों शैक्षिण्कि स्तर सर्वाधिक **50.56 प्रतिशत** प्राथमिक स्तर में अपना अध्ययन समाप्त कर चुके है। जिसमें पुरूष 49.80 प्रतिशत एवं महिला 51.53 प्रतिशत शामिल है।

माध्यमिक स्तर पर 23.26 प्रतिशत अध्ययन समाप्त कर चुके है। इस प्रकार 73.06 प्रतिशत प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के बाद आपना अध्ययन समाप्त कर चुके है।

3. सामाजिक–अर्थिक स्थिति :–

3.1 आवास स्वामित्व

छत्तीसगढ़ में निवासरत पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के आवास प्रायः घास–फूस से बनी एक झोपड़ी होती है अथवा एक या दो कमरे का बना खपरैल आवास होता है। सर्वेक्षण में **94.01 प्रतिशत** परिवारों के पास **स्वयं का आवास** है। 5.99 परिवार आवास विहीन है जो अपने सगे–संबंधियों के आवास में निवासरत है।

3.2 व्यावसायिक वर्गीकरण

पहाड़ी कोरवा जनजाति की कुल कार्यशील जनसंख्या में से सर्वाधिक **40.77 प्रतिशत** परम्परागत कृषि, 34.87 प्रतिशत मजदूरी एवं 17.40 प्रतिशत व्यक्तियों की संलग्नता वनोपज संकलन के कार्य में पाया गया है।

नौकरी/सेवा में मात्र 0.64 प्रतिशत व्यक्तियों की संलग्नता पायी गयी है।

3.3 कार्यशीलता

कुल जनसंख्या का **55.79 प्रतिशत** जनसंख्या कार्यशील है। पुरूष जनसंख्या का 55.55 प्रतिशत एवं महिला जनसंख्या का 56.05 प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या है जो सक्रिय रूप से परिवार के भरण–पोषण हेतु आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता हेतु प्रयासरत रहते है।

3.4 वर्ष में रोजगार प्राप्ति के दिवस

कुल कार्यशील जनसंख्या के सर्वाधिक 47.98 प्रतिशत व्यक्तियों को वर्ष में मात्र 2–4 माह रोजगार उपलब्ध हुआ। 31.93 प्रतिशत व्यक्तियों को 4–6 माह रोजगार उपलब्ध हुआ। अर्थात लगभग 80 प्रतिशत व्यक्तियों को वर्ष में मात्र 2–6 माह ही रोजगार उपलब्ध हो पाया है। प्राप्त रोजगार में कृषि कार्य में उनकी संलग्नता भी सम्मिलित है। वहीं 4.48 प्रतिशत व्यक्तियों को 2 माह से भी कम रोजगार प्राप्त हुआ है। 15.61 प्रतिशत व्यक्तियों को 6 माह से अधिक रोजगार प्राप्त हुआ है।

3.5 भूमिधारिता

कुल सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से 61.91 प्रतिशत (संख्या 6956) भूमिधारक एवं 38.09 प्रतिशत (संख्या 4279) भूमिहीन परिवार है जिनके पास स्वयं के आधिपत्य या अतिक्रमण भूमि भी उपलब्ध नहीं है।

भूमिधारक परिवारों में से 86.69 प्रतिशत परिवारों के पास असिंचित भूमि एवं मात्र 13.31 प्रतिशत परिवारों के पास सिंचित भूमि उपलब्ध है।

भूमिधारक परिवारों में औसत 2.37 एकड़ भूमि प्रति परिवार उपलब्ध है।

3.6 पशुधन

पहाड़ी कोरवा जनजाति में अधिकांश परिवार पशुपालन में संलग्न पाये गये। सर्वाधिक 30.76 प्रतिशत परिवार मुर्गा–मुर्गी 20.60 प्रतिशत परिवार बकरा/बकरी पालन एवं 27.39 प्रतिशत परिवार बैल पालन का कार्य करते पाये गये है। पशुपालक परिवारों में औसतन 04 पशु–पक्षी प्रति परिवार पाया गया है।

3.7 वृक्षों का स्वामित्व

पहाड़ी कोरवा जनजाति के पास स्वयं के स्वामित्व के आम, महुआ, साल/सरई, इमली, कोसा आदि वृक्ष पाये गये है। जिसमें सर्वाधिक 15.36 प्रतिशत परिवारों के पास आम, 11.62 प्रतिशत परिवारों के पास महुआ, 2.90 प्रतिशत परिवारों के पास साल/सरई, 2.24 प्रतिशत परिवारों के पास कोसम का वृक्ष पाया गया है।

67.47 प्रतिशत परिवारों के पास उक्त वृक्षों के आलावा किसी न किसी प्रकार के अन्य वृक्ष भी उपलब्ध है। वृक्ष स्वामित्व परिवारों के पास औसतन 2.25 वृक्ष प्रति परिवार पाया गया।

3.8 संपत्ति

सर्वेक्षित 11235 परिवारों में से स्वयं के स्वामित्व में 94.01 प्रतिशत परिवारों के पास आवास, 61.91 प्रतिशत परिवारों के पास स्वयं के अधिपत्य का अतिक्रमित कृषि भूमि, पशुपालक परिवारों में औसतन 04 पशु–पक्षी एवं औसतन 2 वृक्ष में स्वामित्व पाया गया है।

3.9 आय के स्त्रोत

पहाड़ी कोरवा जनजाति में प्रति परिवार समस्त स्त्रोतों से कुल वार्षिक आय 24789.35 रूपये है। आय का सर्वाधिक 53.27 प्रतिशत भाग मजदूरी से 14.77 प्रतिशत भाग कृषि से, 9.05 प्रतिशत भाग वनोपज संकलन से एवं 9.65 प्रतिश़त भाग सेवा/नौकरी से प्राप्त हुई है।

3.10 वार्षिक व्यय

पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवारों की प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय .... रूपये है। सर्वाधिक व्यय भोजन के मद में किया जाता है।

3.11 वनोपज/कृषि उपज का विनिमय एवं विक्रय

पहाड़ी कोरवा जनजाति के सर्वेक्षित परिवारों में से 58.72 प्रतिशत परिवार अपने वनोपज एवं कृषि उपज को नगद विक्रय करते है। 0.99 प्रतिशत विनिमय द्वारा जबकि 40.29 प्रतिशत परिवार नगद एवं विनिमय दोनों द्वारा क्रय–विक्रय करते है।

3.12 ऋण ग्रस्तता

3.13 पलायन की स्थिति

पहाड़ी कोरवा जनजाति के सर्वेक्षित परिवारों में से 1.8 प्रतिशत परिवार रोजगार हेतु पलायन करते है।

4. **स्वास्थ्य स्थिति :–**

उक्त सर्वेक्षिण के अनुसार 6.24 प्रतिशत व्यक्ति किसी ज्ञात बीमारी यथा मलेरिया, पीलिया, टाईफाइड, खासी आदि से एक या एक से अधिक बार पीड़ित पाये गये। जबकि किसी गंभीर अथवा लंबी बीमारी यथा टी.बी., कैंसर आदि से 0.37 प्रतिशत व्यक्ति पीड़ित पाये गये हैं। बीमारी होने पर सर्वप्रथम घरेलू उपचार एवं जनजातीय औषधी के जानकार बैगा गुनिया से इलाज कराते थे किन्तु वर्तमान में 87.01 प्रतिशत परिवार बीमार होने पर योग्यताधारी चिकित्सक (शासकीय या निजी चिकित्सक) से उपचार कराने लगे है।

5. **शासकीय योजनाओं से लाभान्वयन :–**

प्रस्तुत आधारभूत सर्वेक्षण के प्राप्त जानकारी अनुसार 30.95 प्रतिशत परिवार कृषि संबंधी, योजनाआं से लाभन्वित हुए है। लाभान्वित परिवारों में से 50.65 प्रतिशत परिवारों को बैल जोड़ी के रूप में सहायता प्राप्त हुआ है।

3.07 प्रतिशत परिवारों को आर्थिक विकास योजनाओं (सर्वाधिक 75.07 प्रतिशत पशुधन विकास) से लाभान्वित हुए।

7.25 प्रतिशत पुर्नवास, 25.68 प्रतिशत इंदिरा आवास, 1.83 प्रतिशत स्वास्थ्य संबंधी योजना, 0.18 प्रतिशत शिक्षा संबंधी योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति, 0.89 प्रतिशत कौशल विकास प्रशिक्षण एवं 0.47 प्रतिशत परविार उद्यानिकी संबंधी किसी न किसी शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

संचालक
आदिमजाति अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण संस्थान
नवा रायपुर